THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 288 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.9 2080 शुक्रवार, 5 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

राम मंदिर निमंत्रण पत्र की पहली झलक

✻ निमंत्रण पत्र के बॉक्स में हैं 5 चीजें ✻ इनमें पूजित अक्षत और बाल राम की तस्वीर भी

अयोध्या, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में 22 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट देशभर से विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित कर रहा है। इसके लिए विशेष प्रकार का निमंत्रण पत्र तैयार किया गया। ये निमंत्रण पत्र देश के 6000 से ज्यादा विशिष्ट अतिथियों को भेजा गया है। इनमें 4000 संत और 2200 अन्य मेहमान हैं। साथ ही छह दर्शनों (प्राचीन विद्यालयों) के शंकराचार्य और लगभग 150 साधु-संत भी प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे।

कार्ड के कवर पर प्रभु राम के बाल स्वरूप की तस्वीर है और अंत में श्रीराम मंदिर की यात्रा का सारांश दिया गया है। निमंत्रण पत्र को बेहद पेशेवर तरीके से डिजाइन किया गया है। इसमें धार्मिक अनुष्ठानों का ब्योरा तो है ही, हर अतिथि का क्यूआर कोड भी तय है। आने के समय, गाड़ी के लिए तय पार्किंग की जगह और प्राण प्रतिष्ठा की अवधि शामिल है। इसके कवर पर लिखा है- अनादिक निमंत्रण, श्रीराम धाम अयोध्या। इस निमंत्रण पत्र के बॉक्स में 5 चीजें भेंटस्वरूप रखी गई हैं।

पहली भेंट : अयोध्या में निर्माणाधीन श्री जन्मभूमि मंदिर की तस्वीर वाला कार्ड, जिस पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का लोगो छपा है।

दूसरी भेंट : एक छोटे से लिफाफा में रखा पीला अक्षत।

तीसरी भेंट : कार्यक्रम वाले दिन के लिए वाहन पास, जिस पर वाहन नंबर लिखने की जगह है। साथ ही गूगल मैप का क्यूआर कोड भी है जिससे अतिथि आसानी से पार्किंग एरिया तक पहुंच सकते हैं।

चौथी भेंट : संकल्प संपोषण पुस्तिका। इसमें साल 1528 से लेकर 1984 तक राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े 20 लोगों का संक्षिप्त विवरण है। इनमें सबसे पहले देवरहा बाबा और सबसे अंत में अशोक सिंघल का जिक्र है।

पांचवी भेंट : कार्यक्रम की जानकारी देने वाला एक कार्ड है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास के नाम हैं।

कार्यक्रम का विवरण

निमंत्रण पत्र में कार्यक्रम का समय के साथ विवरण है। अतिथियों के आने का समय सुबह 11:30 बजे रखा गया है। 11:30 से 12:30 बजे तक गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा होगी। 12:30 बजे से अतिथियों का भाषण होगा। फिर मंदिर में दर्शन प्रारंभ हो जाएंगे। इस कार्ड में मेहमानों के लिए कुछ निर्देश और निवेदकों के नामों का भी जिक्र है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों में मुठभेड़

श्रीनगर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के हादीगाम गांव में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। बुधवार रात से शुरू हुआ एनकाउंटर गुरुवार सुबह तक जारी है। अभी तक किसी के भी मारे जाने की खबर नहीं है।

सुरक्षाबलों को हादीगाम गांव आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान छिपे आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग की। इसके बाद से ही एनकाउंटर जारी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और आर्मी मौजूद है। सुरक्षाबलों ने इलाकों की घेराबंदी कर ली है। किसी को भी आने-जाने की अनुमति नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2-3 आतंकी के छिपे होने की सूचना है। हालांकि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। >14

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़ा, सीबीआई जांच होगी

> आरोप-नकली मरीजों के टेस्ट लिखे जाते थे
> भाजपा बोली-दारू के बाद अब दवा घोटाला

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की ओर से चलाए जा रहे मोहल्ला क्लीनिक में फर्जीवाड़े के आरोपों की सीबीआई जांच का राज्यपाल वीके सक्सेना ने आदेश दे दिया है। राज निवास की ओर से गुरुवार को यह जानकारी दी गई।

स्वास्थ्य विभाग की जांच में सामने आया है कि यहां ऐसे मरीजों को लैब टेस्ट कराए जा रहे थे जो वास्तव में थे ही नहीं। इन्हें 'घोस्ट पेशेंट' कहा जाता है। ऐसा प्राइवेट लैब को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। इसे लेकर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने दारू के बाद दवा घोटाला किया है। क्या इन मोहल्ला क्लिनिक में सीसीटीवी कैमरा थे? अगर थे, तो एक दिन में यहां 500 पेशेंट के आने का फुटेज भी होगा। पिछले महीने ही राज्यपाल ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में नकली दवाएं होने के आरोप पर चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार को जांच का निर्देश दिया था। 23 दिसंबर को लिखे पत्र में उन्होंने मामले की जांच सीबीआई कराने को कहा था।

सात मोहल्ला क्लिनिक्स के तीन महीने के रिकॉर्ड खंगाले गए :

एजेंसी की खबर के मुताबिक, एक सूत्र ने बताया कि पिछले साल ये पता चला था कि डॉक्टर पहले से रिकॉर्डेड वीडियो के जरिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगा देते थे और क्लिनिक आते ही नहीं थे। ये भी पता चला था कि उनकी गैर-मौजूदगी मे भी टेस्ट और दवाएं प्रिस्क्राइब की जा रही थीं। बाद में पता चला कि ये टेस्ट नकली पेशेंट्स पर किए जा रहे थे।

इसके बाद दो लैब सर्विस प्रोवाइडर्स से दिल्ली के सात मोहल्ला क्लिनिक का जुलाई, 2023 से सितंबर, 2023 के बीच लैब टेस्टिंग डेटा का सैंपल लेकर जांच की गई। पिछले साल सितंबर में इन डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी और उन्हें मोहल्ला क्लिनिक के डॉक्टरों की लिस्ट से बाहर कर दिया गया था। >14

रणजीत हनुमान की प्रभात फेरी में मर्डर

बजरंग दल कार्यकर्ता की श्वास नली तक घुसा चाकू; मुख्य आरोपी गिरफ्तार

इंदौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में रणजीत हनुमान प्रभात फेरी में गुरुवार को एक बजरंग दल कार्यकर्ता का मर्डर हो गया। मामूली विवाद में चाकूबाजी हो गई। चाकू बजरंग दल कार्यकर्ता के गले पर लगा, जो श्वास नली तक पहुंच गया। पुलिस ने एक दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है। क्राइम ब्रांच ने इस हत्याकांड के दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी अभी फरार है। घटना सुबह करीब %.30 बजे की है। प्रभात फेरी महू नाका से अन्नपूर्णा मंदिर की तरफ जा रही थी। महू नाका पर काफी भीड़ हो रही थी।

धक्का-मुक्की में पैर लगने के बाद गोमा के रहने वाले शुभम पिता नरेंद्र रघुवंशी का कुछ युवकों से विवाद हो गया। शुभम के दोस्तों ने बताया कि एक युवक ने उसके गले पर चाकू से वार कर दिया। उसके गले से खून निकला तो सब घबरा गए। शुभम को उसके दोस्त जिला अस्पताल ले गए। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। शव को एमवाय अस्पताल भेजा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों में भागीरथपुरा का अनिकेत, शुभम और लोकेश भी शामिल है। अन्य 6 को भी हिरासत में लिया है। घटना के बाद भीड़ ने एक आरोपी की पिटाई कर दी। घटना के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सामने धरने पर बैठे गए। आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त कर दिया। वे आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे।

शराब घोटाला हुआ तो पैसा कहां गया : केजरीवाल

भाजपा मेरी गिरफ्तारी चाहती है, ताकि लोकसभा चुनाव में प्रचार न कर सकूं

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को शराब घोटाला मामले में ईडी (एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट) के समन को फिर गैर कानूनी बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा का मकसद जांच कराना नहीं है, बल्कि लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकना है।

केजरीवाल ने 4 मिनट 10 सेकेंड के वीडियो के जरिए अपनी बात रखी। दरअसल, आम आदमी पार्टी के मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने 3 जनवरी की देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, खबर आ रही है कि केजरीवाल के आवास पर कल सुबह ईडी की रेड पड़ेगी। गिरफ्तारी की संभावना भी है। केजरीवाल ने कहा, नमस्कार- शराब घोटाला... पिछले 2 साल से यह शब्द आपने कई बार सुना होगा। दो साल से बीजेपी की कई सारी एजेंसी, कई रेड मार चुकी हैं। कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी हैं, लेकिन अब तक एक भी पैसे का हेरफेर नहीं मिला है। कहीं से भी एक पैसा नहीं मिला है। अगर करप्शन हुआ होता तो इतने करोड़ों रुपये गए कहां? इतना पैसा हवा में गायब हो गया। सच्चाई यह है कि किसी तरह का घोटाला हुआ ही नहीं। अगर होता तो पैसा मिलता। ऐसे फर्जी केस में आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को इन्होंने जेल में रखा है। किसी के खिलाफ कोई सबूत नहीं है। कुछ साबित नहीं हो रहा। खुलेआम गुंडागर्दी चल रही है। किसी को भी पकड़कर जेल में डाल दो। भाजपा मुझे गिरफ्तार करना चाहती है। मेरी सबसे बड़ी संपत्ति और ताकत मेरी ईमानदारी है। >14

कांग्रेस में शामिल हुईं वाईएस शर्मिला

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला कांग्रेस में शामिल हो गईं। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाईएस शर्मिला दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुईं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद वाईएस शर्मिला ने कहा, आज वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस पार्टी में विलय करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

मुझे बहुत खुशी हो रही है कि वाईएसआर तेलंगाना पार्टी आज से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का हिस्सा बनने जा रही है। कांग्रेस पार्टी अभी भी हमारे देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। शर्मिला ने अपनी वाईएसआर तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के कांग्रेस में विलय की भी घोषणा की और कहा कि उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी वह उसे निभाएंगी। कांग्रेस की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है क्योंकि यह अडिग तरीके से सभी समुदायों की सेवा करती है और सभी वर्गों के लोगों को एकजुट करती है। शर्मिला ने कहा कि राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना उनके पिता का सपना था और उन्हें इसमें योगदान देकर खुशी होगी। शर्मिला ने कहा कि उन्हें खुशी है कि वह तेलंगाना में कांग्रेस की जीत का हिस्सा थीं।

जगन मोहन रेड्डी ने की बहन को मनाने की कोशिश

वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बहन वाईएस शर्मिला को मनाने के लिए अपने चाचा वाईएसआरसीपी के पूर्व सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी को भेजा था लेकिन बातचीत विफल रही।

एक सूत्र ने कहा, शर्मिला ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी को हुई बैठकों में वाईएसआरसीपी में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया था। वाईएस शर्मिला अंध्रा प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की छोटी बहन हैं और अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी हैं।

2021 में अलग हो गए थे भाई-बहन

वाईएस शर्मिला के तेलंगाना में अपना संगठन बनाने के बाद जुलाई 2021 में भाई-बहन की जोड़ी राजनीतिक रूप से अलग हो गई थी। वाईएसआरसीपी और वाईएसआरटीपी दोनों का गठन वाईएसआर की विरासत को आगे बढ़ाने और वाईएसआर का शासन वापस लाने के घोषित उद्देश्य से किया गया था। ऐसा माना जाता है कि वाईएस शर्मिला राजनीतिक स्थान के लिए तरस रही हैं और जगन रेड्डी ने वाईएसआर की विरासत को हाईजैक कर लिया है।

कांग्रेस ने भारत न्याय यात्रा का नाम बदला

इसे भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया, पार्टी बोली- यह नाम ब्रांड बना

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने 14 जनवरी से शुरू होने वाली भारत न्याय यात्रा का नाम बदल दिया है। अब इस यात्रा का नाम भारत जोड़ो न्याय यात्रा होगा। गुरुवार को दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में हुई पार्टी की बैठक में यह फैसला लिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई बैठक में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत पार्टी के सभी महासचिव, प्रदेश प्रभारी, कांग्रेस विधायक दल के नेता भी मौजूद रहे। बैठक में यात्रा की तैयारियों और लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। खड़गे ने कहा, मीटिंग का एजेंडा 2024 के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने और भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी करने से जुड़ा है। हमारे लिए दोनों की सफलता जरूरी है, हमें इसके लिए समय देना होगा।

खड़गे ने कहा कि आप लोग पार्टी के आंख-कान हैं। अब हमारे पास सिर्फ तीन महीने हैं, इसमें रात दिन एक करके हमें एक टीम की तरह पार्टी के लिए जी जान से जुटे रहना है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी नेताओं को आपसी मतभेद मीडिया में उठाने से बचने की सलाह दी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर भी जमकर निशाना साधा। खड़गे ने कहा कि पीएम आज तक मणिपुर नहीं गए, यह बताता है कि वे राष्ट्रीय सवालों पर कितनी गैर जिम्मेदारी से काम करते हैं।

बीजेपी ने बीते 10 सालों में एक भी ऐसा काम नहीं किया, जिसे उपलब्धि माना जा सके। वे यूपीए-कांग्रेस के जमाने की योजनाओं का नाम और रूप बदलने का काम करते रहे हैं। सरकार पीएसयू और बड़ी संस्थाओं को बेच रही है। देश की लाइफलाइन रेलवे से लेकर हर संस्थान को तबाह किया है। आज सरकार ईडी, सीबीआई और आईटी जैसी संस्थाओं का खुलेआम दुरूपयोग कर रही है। दिसंबर 2023 में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी में फेरबदल किया था। इसके बाद नव नियुक्त महासचिवों और राज्य प्रभारियों के साथ पार्टी नेतृत्व की यह पहली बैठक है। दिल्ली में होने वाली इस बैठक से पहले कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें की हैं, जिनमें चुनावी तैयारियों के लिए रणनीति बनाई गई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 12 दिन बाद (14 जनवरी) से भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करेंगे। यह यात्रा मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कथित 'पकड़वा विवाह' को रद्द करने के पटना हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कथित 'पकड़वा विवाह' या 'जबरन विवाह' को रद्द करने के पटना उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बुधवार को आदेश दिया कि अगले आदेश तक, लागू फैसले के संचालन और कार्यान्वयन पर रोक रहेगी।

नवंबर 2023 में, पटना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति पी बी बजंथरी और अरुण कुमार झा की पीठ ने कहा कि विवाह का पारंपरिक हिंदू रूप 'सप्तपदी' और 'दत्त होम' के अभाव में वैध विवाह नहीं है। उच्च न्यायालय ने कहा, यदि 'सप्तपदी' पूरी नहीं हुई है, तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी नहीं माना जाएगा। उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी याचिका में, अपीलकर्ता-सैन्यकर्मी ने तर्क दिया कि उसे बंदूक की नोक पर शादी के लिए मजबूर किया गया था और कहा कि उसे बिना किसी धार्मिक या आध्यात्मिक अनुष्ठान के लड़की के माथे पर सिन्दूर लगाने के लिए मजबूर किया गया था। दूसरी ओर, प्रतिवादी ने कहा कि उनकी शादी जून 2013 में हिंदू रीति-रिवाजों के तहत हुई थी और शादी के समय उसके पिता ने उपहार में सोना, 10 लाख रुपये और अन्य सामग्री दी थी। 'पकड़वा विवाह' में लड़कों को अपहरण करके या बहला-फुसलाकर बंधक बना लिया जाता है और फिर रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार लड़की से शादी की जाती है और दूल्हा-दुल्हन बनने वाले लड़के और लड़की की इच्छाओं का कोई महत्व नहीं होता है।

भगवान राम को मांसाहारी कहने वाले विधायक ने माफी मांगी

ठाणे, 4 जनवरी (एजेंसियां)। एनसीपी (शरद गुट) के विधायक जितेंद्र आव्हाड के भगवान राम को मांसाहारी कहने पर विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने माफी मांग ली है। शिर्डी में कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान आव्हाड ने मीडिया से कहा, अगर किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। वे चुनाव के लिए श्रीराम को ला रहे हैं, लेकिन हमारे राम हमारे दिलों में हैं। आव्हाड ने कहा कि सच कितना भी कड़वा क्यों न हो, जनभावनाओं को ध्यान में रखकर मैं खेद व्यक्त कर रहा हूं, यही हमें हमारे शरद पवार साहब ने सिखाया है! माफी मांगने से पहले उनके खिलाफ राज्य में कई जगह प्रदर्शन किया गया। भाजपा नेता राम कदम ने आव्हाड के खिलाफ मुंबई के घाटकोपर पुलिस स्टेशन में शिकायत तक दर्ज करा दी है।

जामिया के प्रोफेसर समेत दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज

नागपुर में घूसखोरी मामले में चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने घूसखोरी के मामले में गुरुवार को सख्त कार्रवाई की। एक तरफ दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर समेत दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं, दूसरी ओर नागपुर में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के दो अधिकारियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

दिल्ली में दो पर केस :

पहली कार्रवाई के तहत, सीबीआई ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर खालिद मोइन और टेक्निकल प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमृत पॉल के खिलाफ कथित रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया है।

2.25 करोड़ रुपये नकद बरामद :

वहीं, घूसखोरी के मामले में सीबीआई ने पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के दो अधिकारियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से कुल 2.25 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। बता दें, जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उनमें से नागपुर का रहने वाला प्रियदर्शन दिनकर देशपांडे और राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित सुपर शिवशक्ति केमिकल का निदेशक देवी सिंह कछवाहा शामिल हैं। इनके अलावा पीईएसओ के साथ काम करने वाले दो उप-मुख्य नियंत्रकों को गिरफ्तार किया गया है।

प्राथमिकी के अनुसार, मध्यस्थ के रूप में काम करने वाले देशपांडे ने पीईएसओ अधिकारियों को रिश्वत देकर कछवाहा की फर्म के लिए काम पाने की साजिश रची। सीबीआई ने बुधवार शाम को देशपांडे और कछवाहा को यहां सेमिनरी हिल्स पर पीईएसओ कार्यालय के पास एक टाइपिंग की दुकान से कथित तौर पर 10 लाख रुपये नकद लेते हुए पकड़ा था। इसके बाद एजेंसी ने देशपांडे के आवास से कथित तौर पर 1.25 करोड़ रुपये और पीईएसओ के एक आरोपी अधिकारी के कार्यालय से 90 लाख रुपये बरामद किए।

न्याय संहिता लागू होने से 82 हजार कैदी रिहा होंगे

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटिश काल के दौर से चले आ रहे इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) की जगह बनाई गई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) इसी महीने गणतंत्र दिवस यानी 26 जनवरी से पहले लागू करने की तैयारी है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही कम गंभीर अपराधों के तहत जेल में बंद करीब 82 हजार कैदियों की रिहाई प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इनके होली से पहले जेल से बाहर आने की संभावना है।

गृह मंत्रालय के सीनियर अधिकारी का कहना है कि अंडर ट्रायल कैदियों की रिहाई प्रक्रिया शुरू करने के लिए ट्रेनर जेल अधिकारियों, पुलिस बल और वकीलों को ट्रेनिंग देंगे। 3000 ट्रेनरों की ट्रेनिंग हो चुकी है। अब ये ही बाकी लोगों को नए कानून के हिसाब से ट्रेंड करेंगे। >14

तलाक के लिए पत्नी को दी प्राइवेट वीडियो वायरल करने की धमकी, गिरफ्तार

बेलगावी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। शख्स ने तलाक नहीं देने पर पत्नी के निजी वीडियो और तस्वीरें वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान बेलगावी शहर निवासी किरण पाटिल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने प्रेमिका से शादी करने के लिए पत्नी को ब्लैकमेल करने का सहारा लिया। पत्नी ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन असफल रही। आरोपी ने पीड़िता से तलाक के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस बीच वह उसके निजी वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने के लिए उसे ब्लैकमेल भी करने लगा।

इंडिया गठबंधन में डर का माहौल?

संयोजक पद पर फिर सस्पेंस, उद्धव ठाकरे ने नीतीश को घुमाया फोन

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना के शीर्ष सूत्रों ने बताया कि बेहतर कोऑर्डिनेशन के लिए इंडिया गठबंधन के नेता एक-दूसरे से बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गठबंधन की बैठक स्थगित कर दी गई है और अब 5 जनवरी यानी कि आज होगी।

इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन के संयोजक के रूप में चुने जाने की संभावना है बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन के संयोजक के रूप में चुना जा सकता है।

सूत्रों ने बताया कि बैठक में सभी दल चर्चा के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। एक सूत्र ने कहा, 'बैठक में लगभग 10-12 पार्टियां भाग लेंगी और निर्णय से दूसरों को अवगत कराया जाएगा।" सूत्रों ने आगे कहा कि नीतीश कुमार पर लगभग आम सहमति है। क्योंकि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और ममता बनर्जी ने जनता दल (यूनाइटेड) के नेता के लिए जोर दिया है। नीतीश कुमार को चुनने के पीछे मुख्य कारणों में से एक यह है कि वह हिंदी हार्टलैंड (बिहार) से हैं, विपक्ष को लगता है कि इस बेल्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताकत और लोकप्रियता का मुकाबला करेंगे। रिपोर्ट में कांग्रेस के नेता के हवाले से कहा गया, 'ऐसे समय में जब राहुल गांधी एक महत्वपूर्ण यात्रा पर निकल रहे हैं, हम गठबंधन की स्पीड को जारी रखना चाहते हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में चले जाते हैं, तो विपक्ष को एकजुट करने का प्रयास विफल हो जाएगा। इंडिया ब्लॉक के अधिकांश सदस्य इस चिंता से सहमत प्रतीत होते हैं। कांग्रेस, वैसे भी, राष्ट्रीय अध्यक्ष या अध्यक्ष का पद खड़गे के पास रखकर गठबंधन में अग्रणी पार्टी के रूप में अपनी प्रधानता बनाए रखेगी।

बीच, कांग्रेस के बिहार अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने भी संकेत दिया कि नीतीश कुमार को उनके गठबंधन का संयोजक बनाया जाएगा। रिपोर्ट में सिंह के हवाले से कहा गया है कि नीतीश के इंडिया ब्लॉक से दूर जाने की अफवाहें उड़ाई जा रही हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं होने जा रहा है। उन्होंने विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयासों के लिए बिहार के मुख्यमंत्री की सराहना की और उन्हें उनके भारतीय गुट की धुरी बताया। कांग्रेस नेता ने कहा कि नीतीश के पास सभी कौशल हैं और उन्हें इंडिया ब्लॉक का संयोजक बनाया जाएगा। सिंह के हवाले से कहा गया, "बहुत जल्द, भ्रम दूर हो जाएगा और बीजेपी को 2024 में सबक मिलेगा। वास्तव में, जिस दिन नीतीश ने उन्हें छोड़ा, उस दिन बीजेपी के लोगों की नींद उड़ गई।" डिप्टी तेजस्वी यादव ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि बिहार के सीएम एक अनुभवी नेता हैं और अगर उन्हें इंडिया गठबंधन का संयोजक बनाया जाए तो बहुत अच्छा होगा। तेजस्वी यादव ने यह भी विश्वास जताया कि सीट-बंटवारे का जटिल मुद्दा "बिना किसी समस्या के" सुलझा लिया जाएगा।

पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में पवन खेड़ा को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने खेड़ा के खिलाफ दर्ज एफआईआर और आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने से इनकार कर दिया है। खेड़ा के खिलाफ पीएम मोदी पर गलत टिप्पणी करने पर मामला दर्ज किया गया था। दरअसल खेड़ा ने पीएम मोदी और उनके पिता के नाम पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिसपर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मामले को रद्द कराने के लिए पवन खेड़ा ने इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया था, लेकिन वहां भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी।

अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खेड़ा को मामले का सामना करना पड़ेगा। पवन खेड़ा ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी का पूरा नाम बोलते हुए उनके पिता का गलत नाम बोल दिया था। इसके बाद उन्होंने गलती सुधारी, लेकिन बाद में फिर से गलत नाम लेकर तंज भी कसा। इसके बाद भाजपा ने खेड़ा के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई और माफी की मांग भी की।

बंगाल में कांग्रेस के लिए दो सीटें छोड़ेगी टीएमसी

क्या राजी हो जाएगी खडगे की पार्टी?

कोलकाता, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग की डेडलाइन 31 दिसंबर तय की थी। कहा गया कि इस तारीख तक सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया जाएगा, लेकिन नया साल शुरू होने के बावजूद भी लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी खेमों के बीच सीट बंटवारे पर बात फाइनल नहीं हो पाई है। इस बीच, ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बंगाल में कांग्रेस के साथ सीटें साझा करने पर सहमत हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, तृणमूल 42 सीटों में से कांग्रेस के लिए केवल 2 सीटें छोड़ने पर राजी हुई है। गठबंधन में लंबे समय से सीट शेयरिंग को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। किसी राज्य में कोई पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, ये अब तक साफ नहीं हुआ है। बंगाल भी इससे अछूता नहीं है। राज्य में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस है। विधानसभा में तृणमूल को हराने के लिए कांग्रेस और सीपीएम ने हाथ मिलाया था। अब लोकसभा चुनाव के लिए, तीनों पार्टियां एक ही गठबंधन में हैं, लेकिन राज्य के कार्यकर्ता इस गठबंधन को स्वीकार करने से कतरा रहे हैं। हाल ही में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी से लेकर लेफ्ट नेता सुजन चक्रवर्ती तक ने कहा कि तृणमूल बंगाल में गठबंधन नहीं चाहती। सत्ता पक्ष सीटों के समझौते पर राजी नहीं है। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक आखिरकार सीट समझौते पर चर्चा थोड़ी आगे बढ़ी है। लोकसभा चुनाव में टीएमसी कांग्रेस को दो सीटें देने पर राजी हो गई है। हालांकि ये कौन सी सीट हैं ये पता नहीं चल पाया है। दूसरी ओर, इस बारे में भी कुछ नहीं कहा गया है कि क्या तृणमूल वाम दलों के लिए कोई सीट छोड़ेगी। सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी की बैठक में कहा गया कि राज्यों में सीटों के बंटवारे में सत्तारूढ़ दल को प्राथमिकता देनी चाहिए।

सट्टेबाजों से रकम वसूलने वाले एसआई सहित तीन आरक्षकों को डीआईजी ने किया बर्खास्त तीनों पर इनाम घोषित

ग्वालियर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में दतिया के सट्टेबाजों से रुपये वसूलने वाले सब इंस्पेक्टर मुकुल यादव क्राइम ब्रांच के प्रधान आरक्षक राहुल यादव और आरक्षक विकास तोमर को आखिरकार डीआईजी कृष्णावेणी देशावतु ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। घटना के बाद से ही तीनों पुलिसकर्मी फरार हैं। उन पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। वसूली कांड की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई थी। 23 लाख रुपये को छुपाने में इस्तेमाल बैंक खातों की संख्या 12 सामने आई थी। इसकी जांच के लिए पुलिस टीम राजस्थान और गुजरात भी गई थी। दरअसल सिरोल थाना क्षेत्र के एमपी सिटी के फ्लैट में बीते दिनों क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा खिलाया जा रहा था।

'कब चुना जाएगा इंडिया का संयोजक, कैसे होगा ऐलान'

संजय राउत ने बताया, राम मंदिर जाने को लेकर भी दिया बयान

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने एक बार फिर राम मंदिर पर अपनी बात कही है। अभी तक उद्घाटन से जुड़ा निमंत्रण न मिलने पर बीजेपी की आलोचना करने वाले संजय राउत का कहना है कि अगर कांग्रेस को अयोध्या का निमंत्रण मिलता है, तो उसे उसमें जाना चाहिए। संजय राउत ने आगे कहा कि जल्द ही इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक बैठक करेंगे और उसमें संयोजक और अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किसी को दी जा सकती है। इसे लेकर की बात नीतीश, केजरीवाल और वेणुगोपाल से हुई है।

इंडिया गठबंधन के नेताओं को किया जा रहा परेशान

संजय राउत ने इस मौके पर सरकार की तरफ से इंडिया गठबंधन के नेताओं को ईडी और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों के जरिये प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, केजरीवाल और हेमंत सोरेन को ईडी परेशान कर रही है। इंडिया ब्लॉक के अन्य दल पूरी तरह से केजरीवाल और हेमंत सोरेन के साथ हैं।

महानंद की जमीन का मुद्दा भी उठाया

संजय राउत ने इस मौके पर बीजेपी पर सरकार पर एक और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि महानंद को गुजरात लॉबी को बेचा जा रहा है। महानंद की जमीन में बड़ा घपला हो रहा है।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी ने उद्धव पर किया था हमला

बता दें कि राम मंदिर के निमंत्रण को लेकर लगातार बीजेपी और शिवसेना के बीच हमले हो रहे हैं। हाल ही में जब उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्हें निमंत्रण नहीं मिला है तो इस पर राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा था कि निमंत्रण केवल उन लोगों को दिया जाता है जो भगवान राम के भक्त हैं। यह कहना पूरी तरह से गलत है कि भाजपा भगवान राम के नाम पर राजनीति कर रही है, हमारे प्रधानमंत्री का हर जगह सम्मान किया जाता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में बहुत काम किया है। यह यह राजनीति नहीं है, यह उनकी भक्ति है।

उद्धव ने निमंत्रण न मिलने की कही थी बात

बता दें कि उद्धव ठाकरे ने रविवार (31 दिसंबर) को दावा किया था कि उन्हें अब तक निमंत्रण नहीं मिला है। उन्होंने निमंत्रण में कथित चूक को लेकर बीजेपी पर कटाक्ष करते हुए कहा था कि "प्राण प्रतिष्ठा समारोह का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। मंदिर के उद्घाटन समारोह को राजनीतिक कार्यक्रम में तब्दील नहीं किया जाना चाहिए या इसे किसी एक पार्टी के इर्द-गिर्द नहीं घूमना चाहिए।"

भाई ने अपनी ही सगी बहन के घर की चोरी, 26 तोला सोने के गहनों पर किया हाथ साफ

अहमदनगर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अहमदनगर में चोरी का एक अलग ही मामला सामने आया है। एक भाई ने अपनी ही बहन के घर सेंधमारी कर ली। उसने वहां रखे 26 तोला के सोने के जेवरात और 35 ढाई लाख रुपये चुरा लिए। मजेदार बात ये है कि शख्स ने चोरी किए गए गहनों को अपने घर में नहीं रखा था। बल्कि, गिरवी रखवा दिया था। अहमदनगर क्राइम ब्रांच ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 26 तोला सोना बरामद किया गया है। दरअसल, जैसे ही भाई को सूचना मिली कि उसकी बहन और जीजा सुजय गांधी शादी के लिए शहर के बुरुड़गांव रोड जा रहे हैं, तो आरोपी भाई सूरज लोढा ने घर की तिजोरी तोड़ दी। वह 26 तोला सोने के जेवरात और ढाई लाख रुपए नकद लेकर फरार हो गया।

दिल्ली हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

'आरोपी को गैजेट्स के पासवर्ड का खुलासा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते'

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। स्मार्टफोन, लैपटॉप समेत किसी भी डिवाइस का पासवर्ड बहुत जरूरी चीज होता है, क्योंकि पासवर्ड आपकी प्राइवेसी को सुरक्षित रखता है, और प्राइवेसी किसी भी इंसान के स्वतंत्र जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण चीज है। इसी पासवर्ड के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने एक बड़ी बात कही है। आईएएनएस की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आपराधिक मामले में किसी भी आरोपी को जांच एजेंसी उनके गैजेट या किसी डिजिटल डिवाइस के पासवर्ड का खुलासा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। दरअसल, यह फैसला तब सुनाया गया है जब कोर्ट ने भारत में कॉल सेंटर चलाने वाले एक इंसान और अमेरिकी नागरिकों से करीब 20 मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को जमानत दे दी। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि आरोपी व्यक्तियों से जांच के दौरान सहयोग की उम्मीद की जाती है, लेकिन संविधान के अनुच्छेद 20(3) के तहत सुरक्षा का हवाला देते हुए उन्हें आत्म-दोषारोपण सबूत प्रदान करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 20(3) में कहा गया है कि किसी भी अपराध के आरोपी व्यक्ति को अपने खिलाफ गवाह बनने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी के पास चल रही जांच के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारी और पासवर्ड हैं। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 20(3) के तहत सुरक्षा आरोपियों के पास सुरक्षा का अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि आरोपी पर चल रहे मुकदमे के दौरान उन्हें उनके डिवाइस का पासवर्ड बताने के लिए मजबूर करना स्वीकार्य नहीं है। आपको बता दें कि इन आरोपियों पर भारत से फर्जी फोन कॉल संचालित करने, सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करके अमेरिकी नागरिकों को धोखा देने, और उनसे अलग-अलग तरीकों से पैसे ठगने के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। कोर्ट ने इन आरोपियों को जमानत देते हुए तर्क दिया कि, आरोपियों को हिरासत में रखने से कोई सही उद्देश्य पूरा नहीं होगा, खासतौर पर तब जब व्यक्ति से इस मामले के संबंधित जांच पूरी हो चुकी हो और चार्ज शीट फाइल की जा चुकी हो। ध्यान दें, कि इस आर्टिकल में बताई गई सभी जानकारी आईएएनएस के हवाले से दी गई है।

कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और आईएनएलडी नेता दिलबाग सिंह पर ईडी का शिकंजा,

सोनीपत, 4 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को राज्य के यमुनानगर जिले में कथित अवैध खनन से जुड़े धन शोधन मामले के तहत हरियाणा कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और पूर्व इनेलो विधायक दिलबाग सिंह और कुछ अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की। सूत्रों ने कहा उन्होंने कहा कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत यमुनानगर, सोनीपत, मोहाली, फरीदाबाद, चंडीगढ़ और करनाल में दोनों राजनेताओं और संबंधित संस्थाओं के 20 ठिकानों की तलाशी ली जा रही है। मनी लॉन्डरिंग का मामला पिछले दिनों यमुनानगर और आसपास के जिलों में हुए कथित अवैध खनन की जांच के लिए दर्ज की गई

23 साल में पूरा हुआ ओडिशा सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट

12 गुना बढ़ी लागत, इस वजह से हुई देरी

भुनेश्वर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने लोअर सुकटेल सिंचाई प्रोजेक्ट का उद्घाटन कर दिया है, जिससे सूखाग्रस्त बलांगीर जिले की एक लाख एकड़ भूमि को फायदा पहुंचने वाला है। दिलचस्प बात ये है कि इसकी आधारशिला 23 साल पहले सीएम नवीन पटनायक ने ही रखी थी। इस प्रोजेक्ट को पूरा होने में दो दशकों से अधिक का समय खत्म हो गया। साथ ही साथ प्रोजेक्ट पूरा होने में हुई देरी की वजह से इसकी लागत 12 गुना से अधिक बढ़ गई है। इस प्रोजेक्ट पर ओडिशा की सरकार ने लगभग 2,723 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। हालांकि जब प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी तब इसकी लागत 217 करोड़ रुपए थी।

उस समय के योजना आयोग ने 1999 में इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी और दो साल बाद पटनायक ने इसकी आधारशिला रखी, लेकिन इसमें कई बार समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसमें भूमि अधिग्रहण के लिए स्थानीय लोगों का कड़ा विरोध भी शामिल रहा है। नवीन पटनायक सरकार की प्रमुख 5टी पहल के तहत शामिल किए जाने के बाद इस प्रोजेक्ट में 2019 में तेजी लाई गई। 5टी का मतलब टीमवर्क, टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी, टाइम लीडिंग टू ट्रांसफोर्मेशन है। सीएम के पूर्व सचिव और भरोसेमंद नौकरशाह वीके पांडियन ने लगातार साइटों का दौरा करके इसकी समीक्षा की है।

31 मीटर ऊंचे इस बांध की क्षमता लगभग 320 लाख घन मीटर पानी रखने की है। इससे 203 गांवों के लगभग 80,000 किसानों को लाभ होगा और बलांगीर शहर के 70,000 लोगों को पीने का पानी भी उपलब्ध होगा। सीएम पटनायक ने कहा कि लोअर सुकटेल प्रोजेक्ट बलांगीर जिले के सिंचाई और कृषि क्षेत्रों में परिवर्तन लाएगा। यह किसानों की दुर्दशा को हल करने में काफी मदद करेगा। किसान राज्य की अर्थव्यवस्था के रथ हैं और राज्य सरकार उन्हें विकास की ओर ले जा रही है।

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी

बने नौसेना के वाइस चीफ, कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का उप प्रमुख नियुक्त किया गया है। उन्होंने गुरुवार को वाइस चीफ का पदभार संभालने के बाद राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र चढ़ाकर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें साउथ ब्लॉक में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके पहले वाइस एडमिरल त्रिपाठी नौसेना की पश्चिमी कमान में कमांडिंग-इन-चीफ थे। उनकी जगह बुधवार को आईएनएस शिकरा में आयोजित एक औपचारिक परेड में वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह ने पश्चिमी कमान का कार्यभार संभाला है। वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के छात्र रहे हैं। वाइस एडमिरल डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन से स्नातक हैं, जहां उन्हें प्रतिष्ठित थिमैया पदक से सम्मानित किया गया था। उन्हें 01 जुलाई, 1985 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2007-08 में यूएस नेवल वॉर कॉलेज, न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड्स में नेवल हायर कमांड कोर्स और नेवल कमांड कॉलेज में भी भाग लिया, जहां उन्हें प्रतिष्ठित रॉबर्ट ई बेटमैन इंटरनेशनल पुरस्कार जीता।

देवरी निज़ाम गांव में गायों के साथ दर्दनाक कृत्य; पैरों में ठोक दी कीलें, केस दर्ज

दमोह, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा थाना के देवरी निज़ाम गांव में खेतों में मवेशी घुसने पर कुछ लोगों ने दर्जनों मवेशियों के पैरों में दो इंच की कील ठोक दी। स्थिति यह हो गई की पशुओं के पैर में घाव हो गए और चलना भी मुश्किल हो गया। पशुओं के साथ इस प्रकार की क्रूरता करने की जानकारी लगने पर भगवती कल्याण संगठन के सदस्य गांव पहुंचे। वहां मवेशियों की पीड़ा देखकर हैरत में पड़ गए। कहा कि आखिर जानवर कौन? क्या इंसान इतना क्रूर हो सकता है। सूचना मिलते ही देवरी निज़ाम गांव में भगवती कल्याण संगठन के जिला अध्यक्ष डॉक्टर सुजान सिंह अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। भगवती मानव कल्याण संगठन के सदस्यों के साथ मवेशियों के पैर में ठुकी कील निकाली। उसके बाद उनके उनका उपचार कराया गया।

महाराष्ट्र में दाऊद इब्राहिम की चार पैतृक संपत्तियों की आज होगी नीलामी, लाखों रुपए है कीमत?

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की बचपन के दौरान पैतृक संपत्तियों की नीलामी आज यानी शुक्रवार को होगी। स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स (संपत्ति की जब्ती) प्राधिकरण (एसएएफईएमए) की ओर से इन चारों संपत्तियों को नीलाम किया जाएगा। दाऊद इब्राहिम कासकर की ये पैतृक संपत्तियां महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के मुंबके गांव में हैं। मुंबके दाऊद इब्राहिम कासकर का पैतृक गांव भी है। जानकारी के मुताबिक, जिन चारों संपत्तियों की नीलामी होनी है, उनकी कीमत 19.2 लाख रुपये रखी गई है। इनमें सबसे छोटे प्लॉट का मूल्य 15,440 रुपये रखा गया है। बता दें कि इससे पहले भी 2017 और 2020 में दाऊद की 17 से अधिक संपत्तियों की नीलामी की गई थी। इन संपत्तियों को दाऊद इब्राहिम और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ तस्करी और एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) अधिनियम से संबंधित मामलों के लिए एसएएफईएमए सक्षम प्राधिकारी की ओर से अटैच किया गया था। रत्नागिरी जिले में नीलाम होने वाली चारों संपत्तियां दाऊद इब्राहिम कासकर की मां अमीना के नाम पर है। बताया जा रहा है कि इन संपत्तियों के लिए कई बोलियां प्राप्त हुई हैं और बोली प्रक्रिया 5 जनवरी को दोपहर 2:00 बजे से 3:30 बजे के बीच होने वाली है। बता दें कि पिछली बार यानी 2017 में एसएएफईएमए ने दाऊद की संपत्तियों की सफलतापूर्वक नीलामी की थी, जिसमें होटल रौनक अफरोज, शबनम गेस्ट हाउस और भिंडी बाजार के पास दामरवाला इमारत के छह कमरे शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, 2017 में हुई नीलामी से एसएएफईएमए को 11 करोड़ रुपये मिले थे। करीब 3 साल बाद यानी 2020 में एक बार फिर दाऊद की संपत्तियों को नीलाम किया गया, जिससे एसएएफईएमए को 22.79 लाख रुपये मिले। बता दें कि हाल के कुछ दिनों पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दाऊद इब्राहिम कासकर की सेहत ठीक नहीं है और उसे पाकिस्तान की अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

सरकारी आवास मामले में संपदा निदेशालय में अपील करें, हाईकोर्ट का महुआ मोइत्रा को निर्देश

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को लोकसभा से निष्कासित टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को सरकारी आवास में रहने की इजाजत के लिए संपदा निदेशालय जाने को कहा है। जस्टिस सुब्रमण्यन प्रसाद ने कहा कि नियमों के तहत किसी रहवासी को एक निश्चित समय के बाद भी सरकारी आवास में रहने की अनुमति दी जा सकती है। कोर्ट ने महुआ मोइत्रा से कहा कि वह संपदा निदेशालय में याचिका दायर करें, वहां कानून के मुताबिक कार्यवाही होगी। कोर्ट ने महुआ मोइत्रा को अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। साथ ही कहा कि किसी भी रहवासी से आवास खाली कराने से पहले उसे नोटिस देना जरूरी है। अपनी याचिका में महुआ मोइत्रा ने अपील की थी कि संपदा निदेशालय के 11 दिसंबर के आदेश पर रोक लगे और 2024 के लोकसभा चुनाव तक उन्हें सरकारी आवास में रहने की अनुमति दी जाए। बता दें कि सांसदों को सरकारी आवास सरकार के संपदा निदेशालय द्वारा ही आवंटित किए जाते हैं। टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को अनैतिक आचरण का दोषी मानते हुए बीती 8 दिसंबर 2023 को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

महुआ मोइत्रा पर आरोप है कि उन्होंने उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी से संसद में सवाल पूछने के बदले महंगे गिफ्ट लिए और साथ ही उद्योगपति के साथ अपने संसदीय लॉगइन और पासवर्ड भी साझा किए। संसद की आचरण संबंधी समिति की रिपोर्ट के आधार पर टीएमसी नेता को संसद सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया था। महुआ मोइत्रा ने अपने निष्कासन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी हुई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार: स्वभाव को सरल बनाओ तो समय व्यर्थ नहीं जायेगा

आरपीएफ एससीआर का अनुकरणीय प्रदर्शन

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वर्ष 2023 में, दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल ने व्यापक रेलवे नेटवर्क के भीतर अपराध की रोकथाम के अपने निरंतर प्रयास में अनुकरणीय समर्पण का प्रदर्शन किया। यात्रियों की सुरक्षा और रेल बुनियादी ढांचे की समग्र अखडता को बनाए रखने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, बल ने एक अटूट सकल्प प्रदर्शित किया। उनके व्यापक प्रयासों ने आपराधिक गतिविधियों को संबोधित करने और उन पर अंकुश लगाने के लिए एक सक्रिय दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिससे सभी रेलवे हितधारकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा मिला। वर्ष के दौरान रेलवे आरक्षण टिकटों की अनधिकृत खरीद और बिक्री के लिए कुल 261 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, साथ ही 2,30,59,680 रुपये मूल्य के 8770 टिकट जब्त किए गए। इस दृढ़ कार्रवाई ने न केवल अवैध टिकटिंग गतिविधियों पर अंकुश लगाया, बल्कि टिकटिंग प्रणालियों की अखंडता को बनाए रखने और रेलवे क्षेत्र के भीतर वित्तीय हितों की सुरक्षा में रेलवे सुरक्षा बल के प्रभावी उपायों को भी रेखांकित किया।

रेलवे सुरक्षा बल के समर्पित प्रयासों से रेलवे परिसरों में कानून और व्यवस्था लागू करने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिणाम मिले। परिणामस्वरूप, रेलवे परिसर में अतिक्रमण करने वाले 28,778 व्यक्तियों को पकड़ा गया और 25,77,700 रुपये का जुर्माना वसूला गया, जो रेलवे वातावरण की पवित्रता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए एक मजबूत दृष्टिकोण का संकेत देता है। सुरक्षा संबंधी चिंताएं केंद्र में रहीं क्योंकि यात्री सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में 728 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और उन पर 10,28,100 रुपये का जुर्माना लगाया गया। साथ ही, बिना उचित टिकट के आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने के लिए 702 व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया गया और उन पर 1,47,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही, बिना टिकट यात्रा करने वाले 1903 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के अलावा, 627 लोगों को फुटपाथ पर यात्रा करने के आरोप में पकड़ा गया और 1,35,750 रुपये का जुर्माना लगाया गया। आरक्षित स्थानों की पवित्रता बनाए रखने की एक केंद्रित प्रतिबद्धता के तहत महिला डिब्बे में यात्रा करने के लिए 835 व्यक्तियों को पकड़ा गया और उन पर 1,53,400 रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिससे निर्दिष्ट आवासों का सम्मान करने और उनका पालन करने की अनिवार्यता के बारे में एक स्पष्ट संदेश गया। रेलवे परिसर में धूम्रपान के खिलाफ लड़ाई में 1,586 लोगों को पकड़ा गया और 1,38,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी प्रकार, रेलवे परिसर में गंदगी फैलाने के आरोप में 18,002 व्यक्तियों को पकड़ा गया और उनसे 37,23,400 रुपये का जुर्माना वसूला गया। इसके अतिरिक्त, सीओटीपीए के तहत 11,437 व्यक्तियों से 19,41,600 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। इसके अलावा ट्रेनों में खतरनाक/विस्फोटक सामान ले जाने के आरोप में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के प्रति रेलवे सुरक्षा बल की अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण में, रेलवे संपत्ति पर अवैध कब्ज़ा करने के लिए कुल 693 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 1,97,21,178/- रुपये मूल्य की रेलवे संपत्ति बरामद की गई। इसके अलावा, चलती ट्रेनों पर पथराव करने के आरोप में 401 मामले दर्ज किए गए और 327 लोगों को गिरफ्तार किया गया। रेलवे नेटवर्क पर अवैध गतिविधियों से निपटने के समानांतर प्रयासों में, 23,09,47,065 रुपये मूल्य के 3293 किलोग्राम गांजे के परिवहन के लिए 161 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गुड़ के परिवहन पर अंकुश लगाने के एक अलग प्रयास में, 3,94,87,700 रुपये मूल्य का 22,905 किलोग्राम गुड़ जब्त करने के साथ 66 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा, 28,65,427 रुपये मूल्य की 5,429 बोतल शराब के परिवहन में शामिल 88 व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए कड़े प्रवर्तन उपाय बढ़ाए गए। सतर्कता का सराहनीय प्रदर्शन करते हुए, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे परिसर के भीतर यात्रियों के सामान की चोरी में शामिल 454 अपराधियों को पकड़ा। यात्री कल्याण के प्रति सद्भावना और प्रतिबद्धता के प्रदर्शन के रूप में, 9,35,49,925 रुपये मूल्य के सामान उन यात्रियों को लौटाए गए, जो अनजाने में ट्रेनों में या रेलवे परिसर के भीतर अपनी संपत्ति छोड़ गए थे। आरपीएफ की प्रतिबद्धता ट्रेनों और रेलवे परिसरों से 1,115 लड़कों और 228 लड़कियों को बचाने तक फैली हुई है। इसके अलावा, आरपीएफ कर्मियों के वीरतापूर्ण और निस्वार्थ कार्यों की परिणति रेलवे पटरियों पर जानलेवा दुर्घटनाओं से 22 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक बचाने में हुई। यह सामूहिक प्रयास रेल यात्रियों की सुरक्षा, भलाई और सकारात्मक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बल की उल्लेखनीय प्रतिबद्धता का एक मार्मिक प्रमाण है।

भारतीय रेल ने कोहरे के मौसम में 19,742 फॉग पास डिवाइस का बंदोबस्त किया

फॉग पास डिवाइस से ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार आएगा

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल, सर्दियों के महीनों में कोहरे के मौसम के दौरान, विशेष रूप से देश के उत्तरी हिस्सों में बड़ी संख्या में ट्रेनें प्रभावित होती हैं। सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रेल ने कोहरे के मौसम के दौरान 19,742 फॉग पास डिवाइस का बंदोबस्त किया है। यह पहल ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता में सुधार, देरी को कम करने और समग्र यात्री सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फॉग पास डिवाइस एक जीपीएस आधारित नेविगेशन डिवाइस है, जो लोको पायलट को घने कोहरे की स्थिति में ट्रेन चलाने में मदद करता है। यह लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट (मानवयुक्त और मानव रहित), स्थायी गति प्रतिबंध, तटस्थ खंड आदि जैसे निश्चित स्थलों के बारे में ऑन-बोर्ड वास्तविक समय की जानकारी (प्रदर्शन के साथ-साथ आवाज मार्गदर्शन) प्रदान करता है। इस प्रणाली से भौगोलिक क्रम में आने वाले अगले तीन निश्चित स्थलों में से लगभग 500 मीटर तक ध्वनि संदेश के साथ-साथ अन्य संकेतक मिलते हैं। क्षेत्रीय रेलवे में मध्य रेलवे 560, पूर्वी रेलवे 1103, पूर्व मध्य रेलव 1891, पूर्वी तटीय रेलवे 375, उत्तर रेलवे 4491उत्तर मध्य रेलवे 1289 पूर्वोत्तर रेलवे 1762 पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे 1101 उत्तर पश्चिम रेलव 992 दक्षिण मध्य रेलवे 1120 दक्षिण पूर्व रेलवे 2955 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 997 दक्षिण पश्चिम रेलव 60 पश्चिम मध्य रेलवे 1046, कुल 19742 प्रदान किए गए। फॉग पास डिवाइस की सामान्य विशेषताएं सभी प्रकार के अनुभागों जैसे सिंगल लाइन, डबल लाइन, विद्युतीकृत और गैर विद्युतीकृत अनुभागों के लिए उपयुक्त, सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक और डीजल इंजनों, ईएमयू/एमईएमयू/डीईएमयू के लिए उपयुक्त, 160 किमी प्रति घंटे तक की ट्रेन गति के लिए उपयुक्त, इसमें 18 घंटे के लिए बिल्ट-इन रीचार्जेबल बैटरी बैकअप है, यह पोर्टेबल, आकार में कॉम्पैक्ट, वजन में हल्का (बैटरी सहित 1.5 किलोग्राम से अधिक नहीं) और मजबूत डिजाइन वाला है, लोको पायलट अपनी ड्यूटी फिर से शुरू करने पर डिवाइस को अपने साथ आसानी से लोकोमोटिव तक ले जा सकता है। इसे लोकोमोटिव के कैब डेस्क पर आसानी से रखा जा सकता है, यह एक स्टैंडअलोन प्रणाली है, यह कोहरे, बारिश या धूप जैसी मौसमी स्थितियों से अप्रभावित रहता है।

संक्रांति त्योहार के दौरान विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति त्योहार के मौसम के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन-सिकंदराबाद और हैदराबाद-काकीनाडा टाउन-हैदराबाद के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन संख्या 07021 (सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन) विशेष ट्रेन 11 जनवरी को रात 9.00 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी जो अगले दिन सुबह 8.00 बजे काकीनाडा टाउन पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07022 (काकीनाडा टाउन-सिकंदराबाद) विशेष ट्रेन 12 जनवरी को शाम 5.40 बजे काकीनाडा टाउन से रवाना होगी जो अगले दिन सुबह 05.55 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। सिकंदराबाद-काकीनाडा टाउन-सिकंदराबाद विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में जनगांव, काजीपेट, वारंगल, महबूबाबाद, दोर्नाकल, खम्मम, रायनपाडु, गुडीवाड़ा, कैकालुरु, अकिविदु, भीमावरम शहर, तनुकु, निदादावोलु, राजमंडरी, अनापरती और सामलकोट जंक्शन स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन नंबर 07023 (हैदराबाद-काकीनाडा टाउन) विशेष ट्रेन 12 जनवरी को शाम 18.30 बजे हैदराबाद से रवाना होगी जो अगले दिन सुबह 07.10 बजे काकीनाडा टाउन पहुंचेगी।

ट्रेन नंबर 07024 (काकीनाडा टाउन-हैदराबाद) विशेष ट्रेन 13 जनवरी को रात 10.00 बजे काकीनाडा टाउन से रवाना होगी जो अगले दिन सुबह 8.30 बजे हैदराबाद पहुंचेगी। हैदराबाद-काकीनाडा टाउन-हैदराबाद विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में सिकंदराबाद जंक्शन, नलगोंडा, मिर्यालागुडा, पिदुगुराल्ला, सत्तेनापल्ले, गुंटूर जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, गुडीवाड़ा जंक्शन, कैकलूर, अकिविदु, भीमावरम टाउन, तनुकु, निदादावोलु, राजमंड्री, अनापरती और सामलकोट जंक्शन स्टेशनों पर रुकेंगी।

पालमुरु-रंगारेड्डी परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी पालमुरु रंगा रेड्डी सिंचाई परियोजना को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग वाली याचिका पेश करेंगे। विशेष रूप से, तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पिछले वर्ष नागरकर्नूल जिले के नरलापुर में पलामुरू-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना का उद्घाटन किया था। उन्होंने कृष्णा नदी से अंजनागिरी जलाशय में पानी उठाने का गीला दौर शुरू करने के लिए एक बटन दबाकर मेगा पंप हाउस को चालू किया, जिसकी क्षमता 6.4 टीएमसी है।पालमुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना की परिकल्पना नगरकुर्नूल, महबूबनगर, विकाराबाद, रंगारेड्डी और नलगोंडा जिलों के ऊपरी इलाकों में 10.00 लाख एकड़ भूमि के लिए सिंचाई क्षमता बनाने की है, (12.30 लाख एकड़ की बढ़ी हुई भूमि सिंचाई का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है) बाढ़ के मौसम के दौरान 60 दिनों के लिए प्रति दिन 2 येल्लूर के पास कृष्णा नदी पर श्रीशैलम जलाशय के अग्रभाग से लिफ्टकर गांवों, जीएचएमसी और औद्योगिक उपयोग के लिए पीने का पानीउफळब्ध कराया जाएगा।

सैलून, लॉन्ड्री, धोबी घाट की बिजली आपूर्ति न काटें : पोन्नम

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यह दोहराते हुए कि राज्य सरकार रजक और नई ब्राह्मण समुदायों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बिजली अधिकारियों से सैलून, लॉन्ड्री और तेलंगाना घाट में धोबियों की बिजली आपूर्ति नहीं काटने का आग्रह किया है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वित्तीय वर्ष 2021-22 से लॉन्ड्री, धोबी घाट और हेयर कटिंग सैलून के लिए 250 यूनिट तक मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रदान कर रही है और हालांकि, धोबी समुदाय का 78.55 करोड़ रुपये और 12.34 रुपये का बिजली बिल बकाया है। नई ब्राह्मण लाभार्थियों के लिए करोड़ों रुपये का भुगतान कुछ समय से लंबित है। उन्होंने बताया कि बीसी कल्याण विभाग पहले ही वित्त विभाग से बजट जारी करने और सभी लंबित बकाए का भुगतान करने का अनुरोध कर चुका है।

66वीं अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग कांग्रेस की मेजबानी करेगा हैदराबाद

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ हैदराबाद (ओजीएसएच) 6 से 10 जनवरी, 2024 तक एचआईसीसी और हाईटेक्स, हैदराबाद में 66वीं ऑल इंडिया कांग्रेस ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी 2024 की मेजबानी करेगी। कांग्रेस में भारत और विदेश से 12,000 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे, जिसका उद्घाटन 7 जनवरी, को शाम 5.30 बजे मुख्यमंत्री, अनुमुला रेवंत रेड्डी द्वारा किया जाएगा। सम्मानित अतिथि, तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री, दामोदर राजा नरसिम्हा और तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया (सीतक्का) प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगी और महिलाओं के स्वास्थ्य के बारे में अपने विचार साझा करेंगी।

कांग्रेस का उद्देश्य प्रसूति एवं स्त्री रोग के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों, प्रगति पर जोर देना है। यह प्रसूति चिकित्सा, प्रसूति में उभरती प्रौद्योगिकियों, पर्यावरण और प्रजनन, यौन प्रजनन अधिकार और स्वास्थ्य, पेल्विक चिकित्सा आदि विषयों पर ध्यान केंद्रित करेगा। भारत (एफआईजीओ) जिसमें 270 सोसायटी हैं और एआईसीओजी अपने द्वारा आयोजित सभी कांग्रेसों की जननी है। यह गर्व की बात है कि हम हैदराबाद में अखिल भारतीय कांग्रेस की मेजबानी कर रहे हैं, यहीं पर भारत और विदेश से अधिकांश स्त्री रोग विशेषज्ञ कांग्रेस में भाग लेंगे। एफआईजीओ के 40,000 सदस्यों में से लगभग 11,000 से अधिक सदस्य 6 से 10 जनवरी के बीच इस सम्मेलन में भाग ले रहे हैं।

66वीं अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग कांग्रेस 2024 की मुख्य विशेषताएं 25 पूर्व कांग्रेस कार्यशालाएं, सीएमई और 60 प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय संकाय, 1000 राष्ट्रीय संकाय, 1200 मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति और लगभग 12,000 प्रतिनिधियों के साथ 264 घंटे की शिक्षाविद हैं। सम्मेलन का उद्देश्य मातृ मृत्यु दर को कम करना और एसडीजी 2030 लक्ष्यों को प्राप्त करना और बड़े पैमाने पर महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार करना है। राणा दग्गुबाती, श्री नाग अश्विन, सुश्री सोबिथा धूलिपाला, सुश्री श्रीलीला, सुश्री प्रियंका दत्त, सुश्री स्वप्ना दत्त, सुश्री पलक गुलिया जैसी हस्तियां हैं, जो कांग्रेस में अपने अनुभव साझा कर रही हैं।

हैप्पी न्यू ईयर कह डीएसपी की हत्या

जालंधर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में अर्जुन अवॉर्डी डीएसपी दलबीर सिंह की हत्या एक ऑटो ड्राइवर ने की थी। पुलिस ने 48 घंटे में हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए आरोपी ऑटो ड्राइवर विजय को गिरफ्तार कर लिया। वह जालंधर में ही लांबड़ा का रहने वाला है। विजय अपने ऑटो में न्यू ईयर की रात डीएसपी दलबीर सिंह को उनके घर छोड़ने जा रहा था। रास्ते में दोनों ने साथ बैठकर शराब पी। नशे में विजय ने डीएसपी की रिवॉल्वर को छूने की कोशिश की तो उन्होंने डांटते हुए उसे रोक दिया। इस पर विजय की दलबीर सिंह से कहासुनी हो गई।

पूर्व तट रेलवे

Tender Notice No.: eT-BR-WAT-19-2023, Dtd. 29.12.2023

कार्य का नाम: वाल्टियर मंडल के ADEN/BR/ वाल्टियर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत पुलों पर कार्य करते समय कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए पुलों पर पोर्टेबल ट्रेन डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम 02 (दो) सेट की आपूर्ति एवं प्रशिक्षण।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹7,18,872/-

ईएमडी: ₹ 14,400/-

पूर्णता अवधि: 03 (तीन) माह

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 23.01.2024 को 1500 बजे

इन ई-निविदाओं के अधीन फर्म के लेटर हेड में जमा किये गये एवं समय पर प्राप्त डाक/कूरियर/फैक्स के माध्यम से भेजे गये या व्यक्तिगत रूप से जमा किये गये मैनुअल प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को अवैध माना जाएगा और उन पर कोई विचार किये बिना उन्हें तत्काल निरस्त कर दिया जाएगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

नोट: भावी निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए कृपया निविदा बंद होने की तिथि के 10 दिन पूर्व तक वेबसाइट को दोबारा देखें। वेबसाइट: www.ireps.gov.in

मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजी.), वाल्टियर

PR-950/O/23-24

महावीर बैंक की नागोल शाखा उद्घाटित

नागोल में महावीर बैंक की शाखा का उद्घाटन करते श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश सिंघी। साथ में स्ट्रांग रूम, कैश काउंटर आदि का उद्घाटन किये जाने का दृश्य। योगेश सिंघी, जगन मोहन, मदन गोपाल, तुलसीराम बंसल, गिरिराज संघी, कुलदीप भंडारी, लक्ष्मीकांत चांडक, अमरचंद कुमावत, राघव रेड्डी, नरसिंह राव, अमरेन्द्र एवं जगनमोहन रेड्डी का सम्मान करते अशोक कोठारी, हरिनारायण व्यास महावीरचंद कोठारी, खुशपत डी.जैन, सतीशचन्द्र के. खिवसरा, नेमीचंद जैन, सुधा कीमती एवं विजय कुमार चौधरी।

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महावीर को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की छठी शाखा नागोल स्थित ममता नगर (स्ट्रीट 2, किया ऑटोमोटिक के पास) में आरंभ हुई।

आज यहां शाखा का उद्घाटन श्री जैन सेवा संघ अध्यक्ष योगेश सिंघी ने किया। अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में तुलसीराम अग्रवाल, गिरिराज संघी, कुलदीप भंडारी, लक्ष्मीकांत चांडक, अमरचंद कुमावत व अन्य उपस्थित थे। बैंक के चेयरमैन अशोक कोठारी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि महावीर बैंक ने अपनी शुरूआत 1999 में की थी। 25 वर्षों से सभी को उल्लेखनीय सेवा प्रदान कर रहे बैंक को आज तक न तो आरबीआई और न ही सहकारी विभाग से किसी प्रकार का कोई रिमार्क मिला है। बैंक सभी नियमों का सतत पालन करता है। उन्होंने कहा कि नागोल क्षेत्र काफी समृद्ध है। यहां बडी संख्या में लोग रहते हैं। कई लोग आज भी ऐसे हैं, जिनका बैंक में खाता नहीं है। ऐसे लोगों के लिए महावीर बैंक बहुत ही सही विकल्प होगा। बैंक यहां पर कार्य करने वाले कर्मचारियों, व्यापारियों, उद्यमियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए नियमों का पालन कर आवश्यक लोन उपलब्ध करवाएगा। खाता खुलवाने के साथ एफडी आदि भी जमा कर सकते हैं, जिसके लिए आकर्षक ब्याज दर दी जा रही है। उन्होंने सभी नागोल वासियों से बैंक की सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए कहा कि महावीर बैंक की अब 6 शाखाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रहीं है।

बैंक का जमा एवं लोन 400 करोड़ से ऊपर है। भविष्य में महावीर बैंक की मड़चल और बोड उप्पल शाखा आरंभ की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को बैंकों की सेवा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बैंक का स्टाफ सभी की सेवा के लिए तत्पर है। बैंक के वरिष्ठ वाइस चेयरमैन हरिनारायण व्यास ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी सहयोगियों निदेशक मंडल, क्षेत्र के पदाधिकारियों का आभार प्रकट करते हुए सभी को बैंक में खाता खुलवाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश कुमार सिंघी, स्पेक्ट्रा ग्रुप ऑफ कम्पनीजी के प्रबंध निदेशक जगन मोहन, आदर्श बैंक के चेयरमैन मदन गोपाल, तुलसीराम बंसल, गिरिराज संघी, कुलदीप भंडारी, लक्ष्मीकांत चांडक, अमरचंद कुमावत, राघव रेड्डी, नरसिंग राव, अमरेन्द्र एवं पहले खाता धारक जगनमोहन रेड्डी का सम्मान निदेशक मंडल के चेयरमैन अशोक कोठारी, वरिष्ठ वाइस चेयरमैन हरिनारायण व्यास, वाइस चेयरमैन महावीरचंद कोठारी, खुशपत डी. जैन, सतीशचन्द्र के. खिंवसरा, नेमीचंद जैन, सुधा कीमती आदि ने किया।

महावीर बैंक के निदेशक मंडल में चेयरमैन अशोक कोठारी, वरिष्ठ वाइस चेयरमैन हरिनारायण व्यास, वाईस चेयरमैन महावीरचंद कोठारी, निदेशक अनीता जैन, दामोदर विजयवर्गीय, दामोर झंवर, गौतमचंद अलिजार, सीए जयप्रकाश सारडा, खुशपत डी. जैन, कीर्ति व्यास, सज्जनराज नाहर, सीए सतीशचन्द्र के. खिंवसरा, गोपाल बंग, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सीए डी.के. जैन, नेमीचंद जैन, सुधा कीमती, प्रबंध निदेशक-सीईओ निजयकुमार चौधरी व अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

तेलंगाना में महीने के अंत तक एक और गारंटी लागू की जाएगी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार एक और गारंटी के कार्यान्वयन पर काम कर रही है। चुनाव में किये गये वादे के मुताबिक महालक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देने का कार्यक्रम इस माह के अंत तक शुरू किया जायेगा।

कांग्रेस ने चुनाव में घोषणा की थी कि अगर वे सत्ता में आये तो 6 गारंटी लागू करेंगे। जिस दिन रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसी दिन उन्होंने गारंटी के कार्यान्वयन से संबंधित मसौदे पर हस्ताक्षर किए। इसमें पहली गारंटी.. महालक्ष्मी योजना के तहत आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा, छठी गारंटी में 10 लाख रुपये के साथ राजीव आरोग्यश्री बीमा लागू किया गया है। अब महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देने के वादे को अमल में लाने की कोशिश की जा रही है।खबर है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वित्त विभाग से लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम से पहले क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की है। बताया गया है कि कांग्रेस सरकार जहां इसे कर्नाटक में लागू कर रही है, वहीं मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में लागू ऐसी ही योजनाओं का अध्ययन करने और रिपोर्ट करने का सुझाव दिया गया है कि हर महीने कितनी जरूरत है।

बालिकाओं को सशक्त बनाने के लिए सेवा भारती की 'रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड'

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। समाज के कल्याण के लिए समर्पित गैर सरकारी संगठन सेवा भारती रविवार, 11 फरवरी, 2024 को हैदराबाद के गच्चीबौली स्टेडियम में अपने वार्षिक धन संग्रहण करने वाले कार्यक्रम 'रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड' के 8 वें संस्करण का आयोजन करेगा। इससे प्राप्त होने वाली धन राशि को हैदराबाद की झुग्गी-झोपड़ियो में रहने वाली बालिकाओं के उत्थान के लिए "सेवा भारती किशोरी विकास योजना" में लगाया जाएगा। सेवा भारती द्वारा किशोरी विकास परियोजना में अब तक 10,236 लड़कियों को सशक्त बनाया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से, सेवा भारती 2030 तक 1,00,000 लड़कियों तक पहुंचने की उम्मीद करती है। कार्यकारी सदस्य उषा अय्यर ने कई कंपनियों से मिले समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सेवा भारती के अध्यक्ष डी. दुर्गा रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। सेवा भारती ने दानदाताओं और धावकों से 'रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड' कार्यक्रम के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.runforagirlchild.org पर पंजीकरण कराने का आह्वान किया है।

पुराने अपराधियों पर निगरानी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऐसे समय में जब महिलाओं और बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन अपराध बढ़ रहे हैं। तेलंगाना महिला सुरक्षा विभाग नवीन गतिविधियों में लगा हुआ है। यह पुराने अपराधियों पर नजर रखेगी जो अक्सर महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाते हैं। उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।. अपने संबंधित सोशल मीडिया खातों पर साइबर गश्ती करना और उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल बनानाआदि शामिल है। पिछले साल इसने 561 ऐसे लोगों की प्रोफाइल तैयार की जो लगातार अपराधों में शामिल थे।

3,706 शी टीम मामलों में 2,878 आरोपी, 2,226 मानव तस्करी मामलों में 2,127 अपराधी, 919 साइबर मामलों में 2%2 अपराधीकी पहचान की गई। उनकी पहचान महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध करने की मानसिकता वाले लोगों के रूप में की गई है और उन पर ऑनलाइन निगरानी बढ़ा दी गई है। ऐसे अपराधियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट जैसे फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन, व्हाट्सएप आदि पर लगातार नजर रखी जा रही है। चूंकि उनका महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध करने का इतिहास है, इसलिए यह गतिविधि दोबारा ऐसे अपराध करने से पहले उनकी पहचान करने और उन्हें नियंत्रित करने के इरादे से की गई थी।

IN THE COURT OF HON'BLE II SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT: HYDERABAD
OS No. 507 of 2023
Between:
Usha Sexena & others ..PLAINTIFFS
And
1. The Tahsildar/MRO.
2. All Concerned ....DEFENDANTS
To,
All Concerned ... Defendant No.2
Take notice that the above named Plaintiffs has filed above suit OS No. 507 of 2023 for LEGAL HEIR DECLARATION of Late Anirudh Prasad Saxena. The said case is posted on 17-01-2024 before II SENIOR CIVIL JUDGE at 10:30 AM for your appearance and written statement/ counter if any, failing to appear before the said court on the said date and time mentioned above, the matter will be decided as per law.
// BY ORDER OF COURT //
M/s.Praveen C, K Parikshith, Advocates
H.No. 8-3-833/202, Phase II, Kamalapuri Colony, Srinagar Colony, Hyderabad-073.

यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका

इंडिया गठबंधन में मिलेंगी एक दर्जन सीटें; दावेदारी पर एक बार फिर होगा मंथन

उत्तर प्रदेश के लिए कांग्रेस ने बनाया प्लान
पिछले दो विधानसभा चुनावों के परिणाम बनेंगे आधार
गठबंधन की सीटों पर होगा मंथन

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के लिए आने वाले लोकसभा चुनाव विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में सीटों की भागीदारी उत्तर प्रदेश में एक दर्जन सीटों तक भी सिमट सकती है। कांग्रेस नेता भले ही अब तक विपक्षी गठबंधन में उसके हिस्से सम्मानजनक सीटें आने की बात कहते रहे हों, पर नए समीकरण उनकी उम्मीदों को झटका देने वाले हो सकते हैं। कांग्रेस को पिछले दो विधानसभा चुनावों में उसके प्रदर्शन के अनुरूप ही सीटें मिलने की उम्मीद है। हालांकि कांग्रेस के कुछ नेताओं का मानना है कि उनके हिस्से डेढ़ दर्जन सीटें जरूर आएंगी। दिल्ली केंद्रीय नेतृत्व सभी प्रदेशों के प्रभारी व अध्यक्षों के साथ विशेष बैठक करेगा।

यूपी जोड़ो यात्रा छोड़ दिल्ली पहुंचे अजय राय

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय यूपी जोड़ो यात्रा छोड़कर दिल्ली रवाना हो गए। वह बैठक में शामिल होने के बाद फिर यूपी जोड़ो यात्रा में शामिल हो जाएंगे। पार्टी सूत्रों का कहना कि बैठक में राहुल गांधी की 14 जनवरी से प्रस्तावित भारत न्याय यात्रा की तैयारियों के साथ ही विपक्षी गठबंधन में अलग-अलग राज्यों में सीटों की दावेदारी को लेकर मंथन होगा।

खोये जनाधार को बढ़ाना है चुनौती

कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में अपने खोए जनाधार को बढ़ाना ही सबसे बड़ी चुनौती रहा है। वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव की बात करें तो रायबरेली की सीट से केवल सोनिया गांधी ही जीत दर्ज कर सकी थीं। कांग्रेस अपने गढ़ अमेठी तक में चुनाव हार गई थी। यहां राहुल गांधी को हार का सामना करना पड़ा था।

कांग्रेस का था बुरा हाल

2019 लोकसभा चुनाव की बात करें तो कांग्रेस केवल तीन सीटों फतेहपुर सीकरी, अमेठी व कानपुर में ही दूसरे पायदान पर रही थी। 2014 लोकसभा चुनाव की बात करें तो रायबरेली में सोनिया गांधी व अमेठी में राहुल गांधी ही जीत सके थे। कांग्रेस तब छह सीटों सहारनपुर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी व कुशीनगर में दूसरे स्थान पर रही थी।

ऐसा रहा था दो लोकसभा चुनावों का परिणाम

दोनों पिछले लोकसभा चुनावों में कानपुर से कांग्रेस प्रत्याशी श्रीप्रकाश जायसवाल दूसरे नंबर पर रहे थे। सहारनपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद 2019 लोकसभा चुनाव में दूसरे तथा 2014 लोकसभा चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे थे। ऐसे में बसपा छोड़कर कांग्रेस में वापस आए इमरान मसूद पर पार्टी फिर दांव लगाना चाहेगी। इसके अलावा कांग्रेस वाराणसी व लखीमपुर खीरी की सीट भी अपने पास रखने का प्रयास करेगी। 2014 व 2019 दोनों लोकसभा चुनाव में वाराणसी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अजय राय तीसरे स्थान पर रहे थे। लखीमपुर खीरी सीट से बीते दिनों सपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए रवि वर्मा अथवा बेटी डा।पूर्वी वर्मा को चुनाव मैदान में उतारने के लिए कांग्रेस इस सीट पर अपना दावा कर सकती है।

गठबंधन में राहुल का लचीला रुख

राहुल गांधी भाजपा को हराने के लिए विपक्षी गठबंधन के प्रति अपना लचीला रुख पहले ही जाहिर कर चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस उप्र में उन सीटों पर ही दांव लगाएगी, जहां गठबंधन में शामिल दलों के सहयोग से जीत सुनिश्चित की जा सके। प्रदेश अध्यक्ष राय का कहना है कि उप्र में कांग्रेस की दावेदारी कितनी सीटों पर होगी, इसका निर्णय जल्द हो जाएगा। सीटों में भागीदारी केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर सीएम योगी ने की समीक्षा

बैठक में मिले निर्देशों का अनुपालन कराने की प्रक्रिया शुरू

अयोध्या, 4 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में हुई बैठक के दूसरे दिन ही एडीजी जोन पीयूष मोर्डिया ने यहां पहुंच कर स्थानीय प्रशासन एवं राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य आयोजन के दिन वीवीआइपी मूवमेंट के मध्य यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए स्पेशल कॉरिडोर बनाया जाएगा। यह कॉरिडोर अयोध्या एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन समेत अयोध्या के प्रमुख क्षेत्रों को वीवीआइपी मूवमेंट के दौरान आपस में जोड़ेगा।

इन लोगों को मिला आमंत्रण

मंडलायुक्त ने बताया कि करीब आठ हजार आमंत्रित आगंतुकों की आवभगत की तैयारियों का रोड मैप बन रहा है। संत समाज के करीब पांच हजार लोग इस कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए हैं, जो कि विभिन्न माध्यमों के जरिए यात्रा करके अयोध्या पहुंचेंगे। इसके अतिरिक्त आमंत्रित वीवीआइपी आगंतुकों के मूवमेंट समेत अन्य कार्यक्रमों के विवरणों को संकलित कर उचित संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी।

500 रिहायशी भवन बने होम स्टे

जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि आगंतुकों के रहने के लिए 500 रिहायशी भवनों को होम स्टे में बदला गया है। अयोध्या में 21-22 सौ कमरे होम स्टे के तौर पर श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए होंगे, जिन्हें होली अयोध्या एप के माध्यम से आरक्षित कराया जा सकता है।

सैप जवान का हत्यारा शराब तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के पकड़ीदयाल थाना क्षेत्र से पुलिस ने सैप जवान का स्कार्पियो से कुचलकर हत्या करने में शामिल एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी पकड़ीदयाल सुबोध कुमार के नेतृत्व में राजेपुर एसएचओ पुनि संदीप कुमार,एसआई अशोक कुमार पाण्डेय,मनीष कुमार,श्याम बिहारी सिंह व राजेपुर थाना के सशस्त्र बल के जवानों ने सघन छापामारी करते हुए 06 वर्ष से फरार चल रहे एक अभियुक्त दिनेश राम, थाना-मधुबन, जिला-पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी को गिरफ्तार किया है। उक्त अपराधी राजेपुर थाना अन्तर्गत स्कॉर्पियों गाड़ी से शराब परिवहन के दौरान सैप जवान को कुचलकर हत्या करने का मुख्य आरोपी है।

मंत्री न बनाए जाने से नाराज चल रहे राजभर ने की अमित शाह से मुलाकात

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आई है। आपको बता दें कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभापसा) के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। बता दें कि राजभर ने शाह से ऐसे समय मुलाकात की है, जब वह अपनी सहयोगी भारतीय समाज पार्टी से (भाजपा) से नाराज बताए जा रहे हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि यूपी की योगी सरकार में मंत्री न बनाए जाने से राजभर नाराज चल रहे हैं। खबर में आगे जानिए राजभर ने शाह से मुलाकात में क्या बातचीत की। राजभर ने कहा, "नई दिल्ली में देश के यशस्वी गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी से नव वर्ष पर आत्मीय मुलाकात हुई। उत्तर प्रदेश और बिहार की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, लोकसभा चुनाव की तैयारियों सहित भर/राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल किए जाने के लिए प्रस्ताव, यथा शीघ्र उत्तर प्रदेश सरकार से दिल्ली सरकार से रिपोर्ट मंगाने पर चर्चा हुई। इसके अलावा बंजारा जाति की सामाजिक समस्याओं व गोंड, खरवार जाति के जातिप्रमाण पत्र, उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में सरकार द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र के शासनादेश का पालन कराकर जाति प्रमाण पत्र जारी कराने पर चर्चा हुई। साथ ही वंचित शोषित वर्गों के हितों से जुड़े अहम विषयों पर भी सकारात्मक बात हुई।"

एक्ट्रेस जयाप्रदा को गिरफ्तार करने हैदराबाद पहुंची यूपी पुलिस

रामपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आचार संहिता उल्लंघन के दो मामलों में वांडेट चल रहीं फिल्म अभिनेत्री एवं पूर्व सांसद जयाप्रदा की गिरफ्तारी को जिले की पुलिस मुंबई और दिल्ली की खाक छानने के बाद हैदराबाद भी पहुंच गई है। हालांकि पुलिस को यहां भी मायूसी मिली है। पुलिस को उन्हें 10 जनवरी तक गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करना है। जयाप्रदा के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन के दोनों मामले वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के हैं। तब जयाप्रदा रामपुर सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं थीं। उनके विरुद्ध एक मामला स्वार थाने का है। इनमें उन पर आचार संहिता के बावजूद 19 अप्रैल को नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन करने का आरोप है।

आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

दूसरा मामला केमरी थाने का है, जिसमें उन पर पिपलिया मिश्र गांव में आयोजित जनसभा में आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। दोनों मामलों में पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए विशेष न्यायालय (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। इन मामलों में पिछली कई तारीखों से वह न्यायालय में पेश नहीं हो रही थीं, जिस पर उनके खिलाफ चार बार गैर जमानती वारंट जारी हो चुके हैं।

न्यायालय ने सख्ती करते हुए पुलिस अधीक्षक को गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित करने के आदेश किए थे। न्यायालय के आदेश पर पुलिस अधीक्षक ने उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर दी है। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने बताया कि टीम रामपुर से लेकर दिल्ली, मुंबई, हरियाणा और हैदराबाद तक तलाश कर चुकी हैं, लेकिन अभियुक्त का कहीं पता नहीं चला है। टीमों द्वारा तलाश जारी है।

'राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर'

सुर्खियों में आया अनामिका अंबर का नया गाना; अनुराग ठाकुर ने किया पोस्ट

मेरठ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में बाबा। गीत से चर्चा में आईं कवयित्री अनामिका जैन अंबर का एक नया गीत धूम मचाने लगा है। राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर, राम प्रतिष्ठित किए जिन्होंने अवधपुरी के आसन पर। उनका यह वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, खेल एवं युवा मामले के मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी उनके वीडियो को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को टैग करते हुए इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि 'आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा व अवसरों की असीम उपलब्धता से आज भारत के कलाकारों की रचनात्मकता और उनकी प्रतिभा का डंका विश्व में बज रहा है। प्रभु श्रीराम को समर्पित अनामिका अंबर का यह गीत कला व प्रतिभा के संगम का उल्लेखनीय उदाहरण है।

अनामिका ने खुद दिया गीत को स्वर

मेरठ निवासी कवि सौरभ जैन सुमन की पत्नी अनामिका का यह तीन मिनट सात सेकेंड का वीडियो है। श्रद्धालु की पोशाक में अभिनय करते हुए गीत को स्वर उन्होंने स्वयं दिया है।

ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में सीबीआई ने नहीं पेश की डायरी

अब अगली सुनवाई एक फरवरी को

आरा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बहुचर्चित ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड में आरा के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (तृतीय) ने अगली सुनवाई के लिए एक फरवरी की तारीख तय की है। हालांकि, इस मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआइ ने डायरी पेश नहीं की है।

सीबीआइ द्वारा पूरक आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद दूसरी तारीख थी। इस मामले में लोजपा (रामविलास) के प्रदेश संसदीय बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष हुलास पांडे समेत आठ लोगों को आरोपित बनाया गया है।

जून 2012 में हुई थी हत्या

रणवीर सेवा के सुप्रीमो ब्रह्मेश्वर मुखिया की हत्या एक जून, 2012 को उस समय कर दी गई थी, जब वे सुबह में घर से टहलने निकले थे। एक साल बाद 2013 में राज्य सरकार ने इस हत्याकांड की जांच सीबीआइ को सौंप दी थी। कानून के जानकारों के अनुसार डायरी समर्पित नहीं होने से यह पता नहीं चल पा रहा है कि किस आरोपित पर किस साक्ष्य के साथ आरोप-पत्र दायर किया गया है। अब डायरी पर ही सबकी निगाहें टिकी हुईं हैं। चार्जशीट में हुलास पांडेय के अलावा अभय पांडेय, नंद गोपाल पांडेय उर्फ फौजी, रीतेश कुमार उर्फ मोनू, अमितेश कुमार पांडेय उर्फ गुड्डू पांडे, प्रिंस पांडेय, बालेश्वर पांडेय और मनोज राय उर्फ मनोज पांडेय के नाम शामिल हैं।

इंडिया गठबंधन में शामिल हो सकती है बसपा

क्या मायावती अपने जन्मदिन पर कर सकती हैं बड़ा एलान

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच 'इंडिया' गठबंधन में अब सीटों को लेकर मंथन शुरू हो गया है। इस बीच बसपा को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं कि वो चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन में शामिल होगी या नहीं। बसपा के भीतर भी इसी तरह की बेचैनी देखने को मिल रही है। बसपा सुप्रीमो मायावती क्या फैसला लेंगी, माना जा रहा है कि मायावती 15 जनवरी को अपने जन्मदिन पर कोई बड़ा एलान भी कर सकती है। इंडिया गठबंधन को लेकर इन दिनों बसपा कार्यकर्ताओं में भी बेचैनी देखने को मिल रही है। माना जा रहा है कि कार्यकर्ता इंडिया गठबंधन में शामिल होना चाहते है। अब उनकी नजरें पार्टी की मुखिया मायावती पर टिकी है, कि वो गठबंधन को लेकर क्या फ़ैसला लेंगी। क्या वो गठबंधन का हिस्सा बनेगी या फिर उन्होंने जो अलग चुनाव लड़ने का एलान किया है वो अपने उसी फ़ैसले पर टिकी रहेंगी।

इंडिया गठबंधन में शामिल होगी बसपा!

बसपा की ओर से इंडिया गठबंधन में शामिल होने के संकेत मिले थे, जब मायावती ने बिना किसी का जिक्र किए कहा था कि कब, किसको किसकी जररूत पड़ जाए कुछ कहा नहीं जा सकता है। वहीं बसपा सांसद मलूक नागर ने भी दावा किया था बिना बसपा के और मायावती को पीएम उम्मीदवार घोषित किए बिना इंडिया गठबंधन का कुछ नहीं हो सकता और बीजेपी यूपी में 75 सीटें जीत जाएगी।

जन्मदिन पर मायावती कर सकती है एलान

बसपा में चर्चा चल रही है कि 15 जनवरी को मायावती के जन्मदिन पर कोई बड़ा एलान हो सकता है। क्या बसपा सुप्रीमो इंडिया गठबंधन को लेकर कोई बड़ा एलान कर सकती है, ख़बरों की माने तो ऐसा कुछ नहीं होने जा रहा। बसपा की टॉप लीडरशिप में ऐसी कोई बात नहीं चल रही है और न ही गठबंधन को लेकर औपचारिक चर्चा शुरू हुई है। ऐसे में फिलहाल तो बसपा का गठबंधन होता नहीं दिख रहा है अभी न तो बसपा को कांग्रेस से कोई बात चल रही है और न ही समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के साथ कोई बात चल रही है। सपा और रालोद तो पहले ही बसपा को गठबंधन में शामिल करने का दबी ज़ुबान में विरोध जता चुके हैं।

महिला कांस्टेबल अंशी तिवारी ने की अपनी जिंदगी खत्म

सामने आया एफबी फ्रेंड का ये एंगल

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला कांस्टेबल की अपने फेसबुक फ्रेंड से लड़ाई हो गई। इसके बाद महिला कांस्टेबल ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला कांस्टेबल के भाई ने फेसबुक फ्रेंड पर बहन को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है महिला कांस्टेबल की मौत से उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि महिला कांस्टेबल अपने फेसबुक फ्रेंड से पिछले 5 सालों से बात कर रही थी। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। बता दें कि मृतक महिला कांस्टेबल का नाम अंशी तिवारी था। अंशी की उम्र सिर्फ 27 साल थी। वह उन्नाव की रहने वाली थी। फिलहाल वह राजधानी लखनऊ के कैंट थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहती थी।

भाई ने बताई ये बात

मृतक महिला कांस्टेबल के भाई प्रशांत के मुताबिक, वह लगातार बहन को फोन कर रहा था। मगर वह फोन नहीं उठा रही थी। तब उसने आलमबाग में रहने वाले अपने जीजा आशुतोष मिश्रा को उसके घर भेजा। आशुतोष ने भी कमरे का दरवाजा खटखटाया। मगर गेट नहीं खुला। इसके बाद जैसे ही आशुतोष ने कमरे की खिड़की से देखा तो अंशी का शव पंखे ले लटकता हुआ मिला। मामले की जानकारी फौरन पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को पंखे से नीचे उतारा। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। मृतक महिला कांस्टेबल के भाई का कहना है कि बहन पिछले 5 सालों से इटावा के रहने वाले एक युवक से बात करती थी। घटना वाले दिन भी दोनों ने बात की। मगर किसी बात को लेकर दोनों की लड़ाई हो गई। युवक ने बहन का फोन उठाना बंद कर दिया। इसी दौरान युवक का मेरा पास फोन आया और बोला कि अंशी से लड़ाई हुई है और वह सुसाइड करने की बात बोल रही है। मैंने फोरन बहन से बात की तो सब ठीक था। बता दें कि मृतक महिला कांस्टेबल के भाई ने फेसबुक फ्रेंड पर बहन को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

'पीएम प्राण प्रतिष्ठा करेंगे तो मैं वहां ताली बजाऊंगा क्या'

पुरी के शंकराचार्य ने किया अयोध्या नहीं जाने का ऐलान

जगन्नाथपुरी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, जिसे लेकर जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। इस समारोह को भव्य बनाने के लिए यूपी सरकार और अयोध्या प्रशासन दमखम से जुटा हुआ है। राम मंदिर का प्रथम तल बनकर तैयार है, जिसे सजाया-संवारा जा रहा है। पीएम मोदी को श्रीराम जन्मभूति तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में आमंत्रित किया गया है। यानी इस बात की पूरी संभावना है कि प्रधानमंत्री अपने हाथों से ही रामलला की मूर्ति को गर्भ गृह में सिंहासन पर विराजमान करवाएंगे। इसे लेकर ओडिशा के जगन्नाथपुरी मठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने विरोध जताया है। उन्होंने बुधवार को रतलाम में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह 22 जनवरी 2024 को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में शामिल होने के लिए अयोध्या नहीं जाएंगे। रतलाम में त्रिवेणी तट पर हिंदू जागरण सम्मेलन को संबोधित करने आए शंकराचार्य निश्चलानंद ने मिडिया से बातचीत में कहा, 'मोदी जी लोकार्पण करेंगे, मूर्ति का स्पर्श करेंगे तो मैं वहां तालियां बजाकर जय-जयकार करूंगा क्या? मेरे पद की भी मर्यादा है। राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा शास्त्रों के अनुसार होनी चाहिए, ऐसे आयोजन में मैं क्यों जाऊं'। राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से मिले निमंत्रण के बारे में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा, 'मुझे जो आमंत्रण मिला है

साबरमती एक्सप्रेस में पति के शव के साथ

13 घंटे तक सफर करती रही पत्नी, झांसी का ये केस चौंकाऊ है

झांसी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। साबरमती एक्सप्रेस, अहमदाबाद से चलकर अयोध्या जा रही थी। मगर इस ट्रेन में यात्री एक शव के साथ सफर कर रहे थे। हैरानी की बात ये थी कि यात्रियों को खुद नहीं पता था कि वह एक शव के साथ पिछले 13 घंटों से यात्रा कर रहे हैं। जब इस मामले का खुलासा हुआ तो पूरी ट्रेन में हड़कंप मच गया। दरअसल गुजरात के सूरत से मृतक युवक अपने साथी और अपनी पत्नी-बच्चों के साथ अयोध्या जाने के लिए साबरमती ट्रेन में बैठा। यात्रा के दौरान युवक ट्रेन में सो गया। इसी दौरान उसकी मौत हो गई और वह कभी नींद से उठा ही नहीं।

उसकी पत्नी समेत सभी को लगा कि युवक सो गया है। मगर जल्द ही उन्हें पता चल गया कि उसकी मौत हो चुकी है। मगर उन लोगों ने किसी को भी इसकी जानकारी नहीं दी। ऐसे करते-करते करीब 13 घंटे गुजर गए। फिर जाकर ट्रेन के अन्य यात्रियों को पता चला कि वह सभी शव के साथ सफर कर रहे हैं। फिर झांसी में जीआरपी ने शव को ट्रेन से नीचे उतारा और आगे की कार्रवाई शुरू की।

शव के साथ सफर करते रहे यात्री

मिली जानकारी के मुताबिक, अयोध्या के थाना इनायत नगर के ग्राम मजलाई में रहने वाला रामकुमार अपनी पत्नी प्रेमा, दो छोटे-छोटे बच्चों व साथी सुरेश यादव के साथ यात्रा कर रहा था। इन सभी ने अहमदाबाद से चलकर अयोध्या जाने वाली साबरमती एक्सप्रेस के स्लीपर कोच एस-6 में अपनी सीट बुक की। इन्होंने गुजरात के सूरत से ट्रेन पकड़ी और सभी सीट नंबर 43,44 और 45 में जाकर बैठ गए। ट्रेन में सफर के दौरान राजकुमार सो गया। मंगलवार की सुबह 8 बजे पत्नी और साथी युवक ने राजकुमार को जगाने की कोशिश की। मगर वह नहीं उठा।

राजकुमार की हो चुकी थी मौत

मिली जानकारी के मुताबिक, राजकुमार की पत्नी और उसके दोस्त ने उसे उठाने की काफी कोशिश की। मगर वह नहीं उठा। इसके बाद राजकुमार के साथी ने उसके दिल की धड़कन को देखा तो वह चौंक गया। दरअसल राजकुमार का दिल काम नहीं कर रहा था। उसकी दिल की धड़कन बंद हो चुकी थी।

बता दें कि राजकुमार की पत्नी को ये बात पता चल गई। उसे लगा कि रास्ते में अन्य यात्रियों को कोई दिक्कत ना हो, इसलिए वह चुप रही। रात करीब 8 बजे ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पहुंची तब जाकर परिवार ने जीआरपी की मदद ली और शव को ट्रेन से नीचे उतरवाया। जैसे ही ट्रेन में लोगों को पूरे मामले का पता चला तो सभी सन्न रह गए। किसी को यकीन ही नहीं हुआ कि वह पिछले 13 घंटों से एक शव के साथ सफर कर रहे थे। इसके बाद जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल ये मामला चर्चाओं में बना हुआ है।

जस्टिस अग्रवाल के लिए आसान नहीं था फैसला सुनाना

हर पल बढ़ रहा था खतरा; इस वजह से हो गई थी पत्नी की मौत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में रामलला के विराजने का आज सभी को इंतजार है। हर नागरिक 22 जनवरी को भगवान राम के दिव्य-भव्य और अलौकिक दर्शन को आतुर और उल्लास में डूबे राम भक्त निश्चित ही इस वास्तविकता से अनभिज्ञ होंगे कि इस संवेदनशील मुकदमे की सुनवाई के दौरान एक ऐसे भी जज थे जिनकी जान जोखिम में पड़ गई थी। मुकदमे की सुनवाई कर रहे पीठ में शामिल न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) सुधीर अग्रवाल (वर्तमान में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के न्यायिक सदस्य) के इर्द-गिर्द हर पल मौत की आहट थी। उनके स्वजन हर दिन इसे लेकर आशंकित रहते थे कि घर से न्यायालय के लिए निकले सुधीर सुरक्षित वापस घर आएंगे या नहीं? मंदिर निर्माण के स्वर्णिम अध्याय में वह स्याह पन्ना अदृश्य है कि न्यायमूर्ति की हत्या के लिए पांच करोड़ रुपये की सुपारी की खबर ने उनके पूरे परिवार को गहरा आघात पहुंचाया था।

अचानक घर के आस-पास दिखने लगे अलग समुदाय के लोग

न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल बताते हैं कि निर्णय सुनाने की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही थी, वैसे-वैसे अफवाहों का बाजार गर्म हो रहा था और धमकियां मिलनी तेज हो रही थीं। सुनवाई के अंतिम चरण में लखनऊ स्थित गेस्ट हाउस से लेकर इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के घर के आसपास संप्रदाय विशेष की बढ़ती गतिविधियों को महसूस किया। साथ ही कई बार विदेशी नंबर से फोन आए और धमकाने के लहजे में बात की गई।

सिमी के सदस्य हुए थे गिरफ्तार

निर्णय के व्यक्तिगत जीवन में पड़े असर का सवाल सामने आया तो न्यायमूर्ति अग्रवाल का दर्द और बेबसी दोनों छलक पड़े। उन्होंने बताया कि उस दौरान यह अफवाह हर स्तर पर फैली थी कि मामले को तय करने में सबसे सक्रिय भूमिका मेरी है, इसलिए खतरा भी मुझे और मेरे परिवार को था। इसकी पुष्टि तब हुई, जब प्रतिबंधित संगठन स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के सदस्य गिरफ्तार हुए और उनके पास से मेरी व परिवार की तस्वीरें मिलीं। यह भी पता चला कि वे कोर्ट रूम में रेकी करके भी गए थे।

पांच करोड़ की मिली थी सुपारी

निर्णय सुनाने से पहले खुफिया एजेंसियों को उन्हें मारने के लिए पांच करोड़ रुपये की सुपारी देने की बात पता चली और जानबूझकर यह जानकारी उनके परिवार के सदस्यों तक पहुंचाई गई। मेरी मां को यह पता चला तो निर्णय सुनाने से तीन दिन पहले 27 सितंबर 2010 को वह भाई के साथ आगरा से इलाहाबाद स्थित घर आ गईं। मेरे बगल में बैठीं मां बस रोए जा रही थीं और इस केस से हटने की गुजारिश कर रही थीं, बाद में मैंने उन्हें मना लिया।

खतरा बर्दाश्त न कर सकी पत्नी की हृदयाघात से हुई मृत्यु

न्यायमूर्ति अग्रवाल ने बताया कि निर्णय सुनाने से पहले और इसके बाद परिवार व उनके ऊपर खतरे को लेकर अफवाह व खबरें आ रही थीं। सुरक्षा कारणों को देख अपने स्थानांतरण के लिए तत्कालीन सीजेआई से गुजारिश की थी, कुछ हुआ नहीं। निर्णय सुनाने के बाद भी खतरा बढ़ता रहा। खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली थी कि मुझ पर रैपिड फायरिंग, सुसाइड बॉम्बिंग से हमला हो सकता है। इस बीच सिमी के सदस्यों के मप्र की जेल से फरार होने की सूचना भी आई। हालांकि, सिमी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन परिवार पर बढ़ते खतरे के दबाव को पत्नी नूतन बर्दाश्त नहीं कर सकीं और दिसंबर 2012 में हृदयाघात से उनका निधन हो गया।न्यायमूर्ति अग्रवाल बताते हैं वह ऐसा समय था, जब एक जज होने के बाद भी खुद को असहाय महसूस किया।

जब दबंग देखने पहुंचे तो

न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल बताते हैं कि 19 और 20 सितंबर को निर्णय लिखने की प्रक्रिया पूरी करके लंबे समय के बाद मैं आराम की मुद्रा में लखनऊ के गेस्ट हाउस में बैठा था। मुझे देखकर बेटी ने कहा कि आप आज निश्चिंत लग रहे हैं। मैंने जवाब दिया कि सारी प्रक्रिया पूरी हो गई।

इस पर उसने कहा कि चलिए फिर सेलिब्रेट करते हैं। बेटी ने दबंग फिल्म देखने की इच्छा जाहिर की, तब फिल्म हाउसफुल चल रही थी। मैंने सुरक्षाकर्मी से कहा अगर टिकट मिल जाए तो बताएं। कुछ देर में सुरक्षाकर्मी ने टिकट मिलने की बात की और हम फिल्म देखने फन सिनेमा पहुंचे तो वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। जैसे ही हम हाल में दाखिल हुए, पूरा हाल खाली देखकर हम दंग रह गए। हम तीन लोगों ने बैठकर फिल्म देखी। निश्चित तौर पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने ऐसा किया हो, लेकिन मुझे इसका पूर्व आभास नहीं था।

अयोध्या मामले पर फिर बोले तेजस्वी यादव

कहा- चोट लगेगी तो डॉक्टर के पास जाएंगे या मंदिर में

पटना, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इससे पहले विपक्षी दलों द्वारा खूब राजनीति की जा रही है। इस बीच बिहार में तेजस्वी यादव ने एक जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर चोट लग जाएगी तो मंदिर में जाकर पंडित जी को दिखाइएगा या डॉक्टर के पास जाइएगा। पेट खाली रहेगा तो क्या मंदिर में जाएंगे। वहां तो उल्टा दान ही देना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मैं किसी धर्म के खिलाफ नहीं हूं, अपनी बेटी का मुंडन कराने में खुद तिरुपति मंदिर गया, जहां अपने बाल भी अर्पण कर दिए। देश की जो मौजूदा स्थिति है, यहां देश, संविधान को बदलने और लोकतंत्र को खत्म करने कोशिश की जा रही है। हम लोगों को नौकरी बांटने की तैयारी कर रहे हैं और ये लोग ईडी और सीबीआई घुसा देते हैं।' उन्होंने कहा कि हम तो बचपन से ही ईडी और सीबीआई देख रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

तेजस्वी यादव ने अपने सभा में कहा कि हमारी लड़ाई नरेंद्र मोदी से नहीं है। हम तो मुद्दों की लड़ाई लड़ना चाहते हैं। हम तो बस इतना ही पूछ रहे हैं कि आपने कहा था कि 15-15 लाख रुपये हर खाते में देंगे। वो 15 लाख कहां गए। काला धन अबतक क्यों नहीं आया। आपके प्रधानमंत्री बनने के बाद मेहुल चोकसी, ललित मोदी और नीरव मोदी ये देश से भाग गए। आपको चकमा देके ये लोग कैसे भाग गए। ये लोग बैंक लूट कर भाग गए और बैंक को कंगाल कर दिया। ये पैसा किसका था। उन्होंने कहा कि अगर ये सवाल हम पूछते हैं तो क्या गलत करते हैं। भगवा क्या मोदी जी लेकर आए हैं। भगवा कब से चल रहा है। भगवा हमारा है। इनका देन थोड़े ही है। हमारे तिरंगा में भी भगवा है। हरा भी है। ये लोग देश को लूट सकें इसके लिए नफरत पैदा किया जा रहा है।

भगवान राम पर कही ये बात

उन्होंने कहा कि मोदी की बात नहीं बल्कि मुद्दे की बात कीजिए। मोदी जी हर जगह केवल भाषण ही देते हैं। भाषण के अलावा कुछ किए हैं। हजारों-लाखों करोड़ रुपये अगर अयोध्या में खर्च हो रहे हैं तो उससे कितने लोगों को सैलरी मिलती, लोगों को शिक्षा और इलाज की सुविधा मिलती। भगवान राम को क्या चाहिए। उन्हें चाहिए कि सबलोग खुश, सुखी और संपन्न रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब आपको नौकरी मिलेगी। शिक्षा की व्यवस्था होगी। सभी खुश हो जाएंगे।

अब इस दरगाह में मंदिर होने का दावा, सीएम शिंदे ने कहा, जल्द कराएंगे मुक्त

ठाणे, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अब महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित हाजी मलंग दरगाह पर मंदिर होने का दावा किया जा रहा है। यह मामला अब राजनीतिक रूप लेने लगा है। इस मामले में अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी कूद गए हैं। उन्होंने हाजी मलंग दरगाह को 'मुक्त' करने की बात कही है। आपको बता दें कि हाजल मलंग दरगाह एक ऐसी जगह जिस पर हिंदू और मुस्लिम दोनों दावा करते हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि मलंगगढ़ के बारे में सभी की भावना मुझे पता है। कुछ साल पहले धर्मवीर आनंद दिघे साहब ने मलंग गडमुक्ति आंदोलन शुरू किया और अब हम सभी जय मलंग श्री मलंग कहने लगे। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है और इसके लिए हम सभी जानते हैं। कुछ बातें हम सार्वजनिक रूप से नहीं कह सकते, लेकिन आपकी भावना मलंगगढ़ मुक्ति का हैं। इसे पूरा किए बिना यह एकनाथ शिंदे आराम से नहीं बैठेगा। इसके लिए मैं आपको बता दूं कि जो कुछ इस महाराष्ट्र में कुछ वर्षों में नहीं हुआ वह सब मैंने कर के दिखाया हैं।

यह हाजी मलंग दरगाह मलंगगाड पश्चिमी घाट की प्रकृति से समृद्ध सह्याद्री पहाड़ी श्रृंखला पर ठाणे-रायगढ़ बेल्ट में फैली माथेरान पहाड़ी श्रृंखला पर स्थित है। मध्य रेलवे के मार्ग के साथ-साथ ठाणे जिले के कल्याण से इस पहाड़ी तक पहुंचा जा सकता है, जबकि यहां सूफी संत हाजी अब्द-उल-रहमान की दरगाह है जिसे हाजी मलंग बाबा के नाम से जाना जाता है, कई दक्षिणपंथी समूह इसे नाथ पंथ के नवनाथ के अवतार श्री मछिंद्रनाथ का मंदिर होने का दावा करते हैं। यह दरगाह करीब 800 साल पुरानी है। फरवरी-मार्च के महीनों में, दरगाह का वार्षिक उर्स आयोजित किया जाता है। गौरतलब है कि शिंदे के गुरु स्वर्गीय 'धर्मवीर' आनंद दिघे ने अस्सी के दशक से माघ पूर्णिमा के अवसर पर पहाड़ी पर पूजा करने की प्रथा शुरू की थी। शिंदे ने एक बार फिर इस मुद्दे को उठाया है, जब मंगलवार को मलंगगाड हरिनाम महोत्सव में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस स्थल को मुक्त कराने की बात कहीॠ मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि मैं मलंग-गाड की मुक्ति के बारे में आपकी गहरी मान्यताओं से अवगत हूं।

गबन के दोषी सेल्समैन और लिपिक 25 वर्ष बाद जाएंगे जेल

उज्जैन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन जिले के कायथा में स्थित सेवा सहकारी संस्था में 25 वर्षों पूर्व हुए एक गबन के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश तराना ने प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट के फैसले को यथावत रखते हुए एक फैसला सुनाया है। इसके बाद संस्था के सचिव, सेल्समैन और लिपिक को अब जेल भेजने के आदेश हो चुके हैं। शासकीय अधिवक्ता सरदार सिंह चौहान ने इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 25 अक्टूबर 1999 को कायथा के तत्कालीन थाना प्रभारी एनपी शुक्ला को यह शिकायत प्राप्त हुई थी कि सेवा सहकारी संस्था सुमराखेड़ी में सदस्यों की राशि के साथ लाखों की गड़बड़ी हुई है। इस शिकायत के बाद जब दल गठित कर पूरे मामले की जांच की गई तो अनियमितता सामने आई। जांच में पता चला कि सहकारी संस्था के जिम्मेदारों ने यहां के सदस्यों को फर्जी रसीद थमाकर रुपया उनके खातों में जमा नहीं कराया।

25 सदस्यों के साथ 1,86,330 की गड़बड़ी की गई, जिसकी अनियमितता रसीद कट्टों में मिली। इसके साथ ही सदस्यों को 3,21,070 की गड़बड़ी खाद के रूपों के नाम पर की गई। वहीं सार्वजनिक राशन वितरण में भी 1,086 रुपये कुल मिलाकर 5,08,486 रुपये की अनियमितता पाई गई।

लाउडस्पीकर बंद करने को लेकर भड़के काजी

बोले- कानून के मानने वालों को सड़कों पर उतरने को मजबूर न करें

खंडवा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद से शुरू हुआ लाउडस्पीकर को लेकर विवाद अब तक थमने का नाम नहीं ले रहा है। खंडवा में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर की आवाज को पूरी तरह बंद करने को लेकर जिला प्रशासन ने बुधवार देर शाम शहर की सभी धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों के साथ पुलिस कंट्रोल रूम में मीटिंग रखी थी। मीटिंग में जिला प्रशासन के इस फरमान के खिलाफ शहर काजी का जमकर आक्रोश देखने को मिला। यही नहीं, बैठक के दौरान खंडवा शहर काजी ने साफ शब्दों में प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि हम सब कानून के मानने वाले लोग हैं। हमारी गुजारिश है कि आप हमारे साथ ऐसा कोई व्यवहार न करें, जिससे हमको मजबूरन सड़कों पर आना पड़े। बता दें कि यहां जिला प्रशासन इससे पहले धार्मिक स्थलों पर एक चिलम (पीए हॉर्न स्पीकर) लगाने के फरमान के साथ ही उनका ऑडियो डेसीबल टेस्ट भी पूरा कर चुका है। खंडवा जिले के पुलिस कंट्रोल रूम में बुधवार देर शाम जिला प्रशासन ने शहर के सभी धार्मिक संस्थाओं के प्रमुखों के साथ एक मीटिंग का आयोजन किया था। इसमें खंडवा एसडीएम अरविंद चौहान और सीएसपी अरविंद तोमर सहित शहर काजी सैयद निसार अली के साथ ही सभी मस्जिद कमेटियों के प्रमुख और सिख एवं हिंदू धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। मीटिंग की शुरुआत में ही एसडीएम चौहान ने सभी को बताया कि जिले में 55 डेसीबल की आवाज के पैरामीटर का वायलेशन हो रहा है। इस आवाज की कैटेगरी में कोई भी साउंड सिस्टम नहीं आता है, इसलिए पड़ोस के जिलों की तरह ही हमें भी जितनी भी धार्मिक संस्थाएं हैं वहां से सभी तरह के साउंड सिस्टम को हटाना है। वहीं सीएसपी तोमर ने भी सभी से कहा कि अब आप लोग किसी भी धार्मिक स्थल में किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग नहीं करेंगे, और यह अकेले खंडवा का नहीं बल्कि पूरे प्रदेश का निर्णय है।

देश में फिर से पांव पसार रहा कोरोना वायरस

पिछले 24 घंटे में दो मरीजों की मौत; अब तक 4423 मामले दर्ज

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत में कोरोना वायरस फिर से पैर पसार रहा है और मामलों में इजाफा हो रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 760 नए मामले दर्ज किए गए। साथ ही कोविड-19 से दो मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि नए मामले सामने आने से देश में कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4,423 हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे में केरल और कर्नाटक से एक-एक मरीज मौत हुई है। बता दें कि पिछले साल पांच दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक में पहुंच गई थी, कोरोना के नए वेरिएंट मिलने के बाद इसके मामले में तेजी से वृद्धि हुई है। जब कोरोना वायरस अपने चरम पर था, तब रोजाना लाखों मामले दर्ज हो रहे थे।

2020 से अब तक भारत में 4.5 करोड़ से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित हुए हैं और 5.3 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई है। मंत्रालय ने बताया कि कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों की संख्या 4.4 करोड़ से अधिक है। उसने बताया कि ठीक होने का दर 98.81 प्रतिशत है। वहीं, देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराकें लगाई जा चुकी हैं।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में रची जा रही थी अयोध्या में हमले की साजिश, एटीएस के रडार पर 11 संदिग्ध

लखनऊ, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है और 22 जनवरी को रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। एक तरफ जहां देश के अधिकांश लोगों में इस मौके को लेकर उत्साह का माहौल है, वहीं कुछ लोग रंग में भंग डालना चाहते हैं। बता दें कि पिछले दिनों यूपी एटीएस ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में कई संदिग्धों की तलाश में अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान यूपी एटीएस के अधिकारियों को माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे संदिग्धों के मोबाइल फोन तो बरामद हो गए लेकिन किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई।

'समुदाय विशेष के लोगों को भड़का रहे थे'

सूत्रों के मुताबिक, यूपी एटीएस को जानकारी मिली थी कि महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में कुछ युवक अयोध्या में राम मंदिर की स्थापना को लेकर समुदाय विशेष के लोगों को भड़का रहे थे। इनका इरादा भगवान राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले बड़ी वारदात को अंजाम देने का था। इसकी सूचना जैसे ही यूपी एटीएस के अधिकारियों को मिली, उन्होंने 11 संदिग्धों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी। मिर्जा सैफ, अब्दुल वाहिद, यासिर, जियाउद्दीन सिद्दीकी, थोरभान, एसके खालिद ताहिर समेत कई संदिग्धों के खिलाफ मामला दर्ज कर यूपी एटीएस ने जांच शुरू कर दी।

कई संदिग्धों को पूछताछ के लिए बुलाया गया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूपी एटीएस ने कई संदिग्धों को 15 से 20 जनवरी के बीच लखनऊ स्थित हेडक्वार्टर में पूछताछ के लिए बुलाया है। आपको बता दें कि जैसे ही यूपी एटीएस को युवाओं को भड़काने के बारे में जानकारी मिली, के अधिकारियों ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद में रेड की। छापेमारी के दौरान किसी की गिरफ्तारी तो नहीं हो पाई लेकिन कई आरोपियों के मोबाइल फोन जरूर बरामद हो गए। यूपीएटीएस अब पूरे मामले की विस्तार से जांच कर रही है। बता दें कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश-दुनिया की कई बड़ी हस्तियां शामिल होंगी।

एनएचआरसी ने पिछले महीने 13 लोगों की हत्या पर मणिपुर सरकार को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पिछले महीने जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर में एक ही घटना में 13 लोगों की हत्या पर स्वतः संज्ञान लिया है और राज्य सरकार को नोटिस जारी कर नागरिकों की सुरक्षा के अपने कर्तव्य की याद दिलाई। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि ग्राम रक्षा स्वयंसेवकों ने 4 दिसंबर को कुकी जनजाति क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद 13 लोगों की हत्या कर दी थी। बीते 3 मई यानी 8 महीने से राज्य में जारी बहुसंख्यक मेईतेई और कुकी समुदायों के बीच झड़पों में यह एक दिन में सबसे ज्यादा मौतें थीं, जिसमें लगभग 200 लोग मारे गए हैं। अपने नोटिस में एनएचआरसी ने इस घटना को 'खतरनाक और परेशान करने वाला' बताया, जो कानून लागू करने वाली एजेंसियों और शांति, कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वहां तैनात बलों की ओर से चूक को दर्शाता है। इसने राज्य पुलिस से प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) की स्थिति और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर एक रिपोर्ट सौंपने को कहा। एक अधिकारी ने कहा कि मणिपुर पुलिस ने जवाब दाखिल किया है और विवरण उपलब्ध कराया है। उन्होंने विस्तार से नहीं बताया। असम राइफल्स को बीते 4 दिसंबर को म्यांमार सीमा के करीब मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में कम से कम 13 लोगों के शव मिले थे। मई में भड़की जातीय हिंसा के बाद से यह एक दिन में हुआ जान-माल का सबसे ज्यादा नुकसान था।

पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल आरोपी निखिल गुप्ता को झटका, शीर्ष अदालत ने याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नु की हत्या की साजिश रचने के आरोपी निखिल गुप्ता को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। उसकी ओर से कांसुलर पहुंच और चेक गणराज्य में उसकी गिरफ्तारी व प्रत्यर्पण कार्यवाही के खिलाफ दायर याचिका शीर्ष अदालत ने खारिज कर दी। दरअसल, अमेरिका ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नु की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में हिरासत में लिया गया था। उसके परिवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। याचिका में निखिल को हिरासत में लिए जाने को अवैध बताया गया था। इसके साथ ही मदद व जांच के निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी। परिवार ने सुप्रीम कोर्ट से मदद के लिए विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय को निर्देश देने और चेक अधिकारियों से हस्तक्षेप की गुहार लगाई थी। याचिका में कहा गया था कि निखिल गुप्ता कानून का पालन करने वाले भारतीय नागरिक हैं। उन्हें हिरासत में लेकर प्राग के जेल में रखा गया है। उनकी जान को खतरा है। निखिल जून से चेक गणराज्य के जेल में बंद है। याचिका में कहा गया था कि 30 जून 2023 से निखिल चेक अधिकारियों की अवैध हिरासत में है। बता दें कि चेक गणराज्य के न्याय मंत्रालय ने निखिल गुप्ता की गिरफ्तारी की पुष्टि की थी। यह कार्रवाई अमेरिका के आदेश पर की गई थी। अमेरिका ने गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि एक अज्ञात भारतीय सरकारी कर्मचारी के कहने पर निखिल गुप्ता ने अमेरिकी धरती पर पन्नू को मारने की साजिश रची। अमेरिका का आरोप है

कि निखिल गुप्ता ने पन्नू की हत्या के लिए एक शख्स को काम देने की कोशिश की। निखिल ने जिससे संपर्क साधा वह अमेरिका का खुफिया जासूस था। हत्या की साजिश के आरोप में दोषी पाए जाने पर निखिल को 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। अमेरिका ने भारत सरकार के एक कर्मचारी पर भी आरोप लगाया है। उसकी पहचान फिलहाल गुप्त रखी गई है।

डेंगू मरीज को अस्पताल के बेड पर बांधा, दो बार किया रेप अब मिली सजा; पाकिस्तानी डॉक्टर फरार

गांधीनगर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात में गांधीनगर के अपोलो अस्पताल में एक सफाई कर्मचारी को जिला अदालत के द्वारा साल 2016 में 19 साल की डेंगू मरीज से दुष्कर्म करने के आरोप में सात साल की सजा सुनाई है। इस घिनौनी हरकत में पाकिस्तान मूल का भी एक डॉक्टर शामिल था, जिसे अदालत ने भगौड़ा घोषित किया हुआ है। आरोप था कि पीड़िता को अस्पताल के अंदर बेड से बांधकर उसके साथ रेप किया गया। साल 2016 में अपोलो अस्पताल के सफाई कर्मचारी चंद्रकांत ने डेंगू की एक मरीज के साथ दो बार दुष्कर्म किया। इसके अलावा एक पाकिस्तानी मूल के डॉक्टर पर भी मरीज से बलात्कार करने का आरोप लगा था। यह डॉक्टर मुकदमे के दौरान जमानत पर रिहा हुआ। इसके बाद फरार हो गया। डॉक्टर कार्रवाई के लिए कभी हाजिर नहीं हुआ। सफाईकर्मचारी चंद्रकांत वानकर पर मरीज से दो बार दुष्कर्म करने का आरोप लगा था। जबकि पाकिस्तान के उमरकोट के डॉ। रमेश चौहान पर कथित तौर पर पीड़िता के साथ एक बार बलात्कार करने का आरोप लगा था। मामले की शिकायत मिलने के बाद अडालज पुलिस ने जांच करते हुए दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। पीड़िता एससी/एसटी समुदाय की है इसीलिए इस मामले में अत्याचार अधिनियम को भी जोड़ा गया है।

पाकिस्तान के डॉक्टरों की हुई छटनी जांच में पता चला कि डॉक्टर के पास अहमदाबाद शहर में काम करने का परमिट तो था लेकिन अपोलो अस्पताल में वो गैर-कानूनी से रूप से काम कर रहा था। इस वजह से डॉक्टर पर विदेशी अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद प्राइवेट अस्तपतालों में अवैध तरीके से पाकिस्तानी मूल के डॉक्टरों की भर्ती पर हंगामा खड़ा हो गया था। कई डॉक्टर जिनके पास पाकिस्तान की डिग्री थी लेकिन वो भारत में प्रेक्टिस करने के लिए योग्य नहीं थे, सबकी छटनी कर दी गई। मामले के तूल पकड़ने के बाद डॉ। चौहान को इस्तीफा देना पड़ा। इस दौरान शिकायत दर्ज होने के बाद वह जमानत पर छूटा लेकिन बाद में कभी मुकदमे में शामिल नहीं हुआ। जमानत मिलने के बाद डॉ। चौहान फरार हो गया और अदालत ने उसे भगौड़ा घोषित कर दिया। बेड से हाथ बांधा, फिर किया रेप मुकदमे के दौरान सरकारी वकील प्रीतेश व्यास ने 23 गवाहों की जांच और वानकर के द्वारा किए गए अपराध को साबित करने के लिए करीब 35 सबूत पेश किए। इनमें उन्होंने बताया कि मरीज के साथ बलात्कार करने से पहले उसे बेहोश करके बेड से उसके हाथ बांधे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने अडानी-हिंडनबर्ग विवाद पर जैसे ही महत्वपूर्ण फैसला सुनाया उससे शेयर मार्केट में अडानी का शेयर झूम उठा। देखते ही देखते अडानी के शेयर कुलांचे भरने लगा। दूसरे दिन यानी गुरुवार को भी उसकी स्पीड जारी रही। बता दें कि शीर्ष अदालत का फैसला रिपोर्टों की प्रामाणिकता और सेबी के अधिकार क्षेत्र पर केंद्रित था। अडानी ग्रुप की तरफ से कथित स्टॉक मैनिपुलेशन की रिपोर्टों को सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता नहीं दी। इसके साथ ही सेबी की तरफ से जारी फ्रेमवर्क पर भी अदालत ने संतोष जाहिर करते हुए जो फैसला दिया, जाहिर है वह नियामक निकायों के कामकाज पर भी असर डालेगा। इस विवाद पर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला अहम इसलिए भी है कि यह कई नाजुक पहलुओं पर भी बेहद संजीदा दिखता है। इसलिए इस फैसले को सावधानी से देखने और समझने की जरूरत है। राजनीतिक विवाद का हिस्सा होने की वजह से इस मसले से जुड़े कई पहलू आपस में उलझे हुए लगते थे, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर अपना सारा ध्यान इसके बुनियादी सवालों पर केंद्रित रखा। उसका यह नजरिया फैसले में भी दिखाई देता है। यह फैसला मुख्यतः दो बिंदुओं- रिपोर्ट की प्रामाणिकता और सेबी के अधिकार क्षेत्र - पर कोर्ट के मूल्यांकन पर आधारित है। अडाणी ग्रुप द्वारा कथित स्टॉक मैनिपुलेशन पर दी गई ओसीसीआरपी रिपोर्ट और हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बारे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इनकी सचाई को स्वतंत्र रूप से परखा नहीं जा सकता। इसीलिए इन रिपोर्टों को प्रामाणिक सूचना के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। यही नहीं, कोर्ट ने उन एफपीआई रेग्युलेशंस की वैधता भी स्वीकार की, जिनका इस्तेमाल अडाणी ग्रुप ने कथित तौर पर स्टॉक मूल्यों को बढ़ाने में किया था। कोर्ट ने साफ किया कि इन रेग्युलेशंस को रद्द करने का कोई ठोस आधार दिखाई नहीं देता है। जहां तक सेबी के अधिकार क्षेत्र का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट ने असाधारण संवेदनशीलता का परिचय देते हुए न सिर्फ अपनी सीमाओं का खयाल रखा बल्कि संस्थानों की स्वायत्तता के सिद्धांत को नए सिरे से रेखांकित भी किया। फैसले में कोर्ट ने कहा कि सेबी के रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क में प्रवेश करने का उसका अधिकार सीमित है। सेबी जैसे नियामक निकायों की अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता और स्वायत्तता के सम्मान के लिहाज से कोर्ट का यह रुख आगे अन्य मामलों में भी न्यायिक प्रक्रिया के लिए दिशानिर्देश का काम करेगा। यह इस बात का संकेत है कि जब तक नियमों, कानूनों के उल्लंघन के स्पष्ट सबूत न हों तब तक इन नियामक निकायों के कामकाज में दखल देने से बचना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त एक्सपर्ट कमिटी के सदस्यों के खिलाफ हितों के टकराव संबंधी दलीलों को भी कोर्ट ने इस आधार पर खारिज कर दिया कि किसी थर्ड पार्टी की अपुष्ट रिपोर्ट को कानूनी प्रक्रिया में सबूत के तौर पर पेश नहीं किया जा सकता। कुल मिलाकर देखा जाए तो सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इस विवाद को पूरी तरह शांत भले न कर पाए, लेकिन इस मसले से जुड़े कानूनी पहलुओं को इसमें महत्वपूर्ण ढंग से संबोधित किया गया है। इसी वजह से यह जटिल पहलुओं वाले एक अहम मामले में दिए गए ऐतिहासिक फैसले के रूप में याद रखा जाएगा। जब भी किसी को मौका मिलेगा तो इस फैसले को नजीर के रूप में भी पेश किया जाता रहेगा।

रेल की खिड़की वाली सीट

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक समय की बात है, मीलों लंबी रेलवे पटरियों के देश में, ट्रेनों में रहस्यमय, प्रतिष्ठित और अत्यधिक मांग वाली जगह - खिड़की की सीट - के बारे में एक किंवदंती मौजूद थी। हां, आपने इसे सही सुना। ट्रेन की साधारण खिड़की वाली सीट कोई साधारण सीट नहीं थी। यह यात्रियों के बीच एक प्रतिष्ठित, लगभग पौराणिक, विवाद का मुद्दा था, और यदि आप इस पर अपना दावा करने का साहस करते हैं, तो महाकाव्य अनुपात की लड़ाई के लिए तत्पर भी रहना चाहिए।यह सब सभी सवार हैं! की घोषणा के साथ शुरू हुआ। चूँकि यात्री अपने निर्धारित स्थानों को ढूँढ़ने की जल्दी में थे। जैसे ही ट्रेन प्लेटफार्म पर पहुंची तो खिड़की वाली सीट के लिए होड़ शुरू हो गई। आप लोगों को एक छोटी, गंदी खिड़की के माध्यम से मायावी बाहरी दुनिया की एक झलक पाने के लिए भीड़ भरी ट्रेन में दौड़ते, धक्का मारते और कोहनी मारते हुए लोग आसानी से दिख जायेंगे। लेकिन आइए एक पल रुकें और इस मायावी सीट के पीछे के कारणों पर विचार करें। खिड़की की सीट के बारे में ऐसा क्या है जो अन्यथा तर्कसंगत व्यक्तियों को दृढ़, एक-दिमाग वाले योद्धाओं में बदलने का कारण बनता है, जो गुजरते दृश्यों को देखने के अवसर के लिए युद्ध करने के लिए तैयार होते हैं? ऐसा लगता था कि खिड़की की सीट में एक विशेष शक्ति थी - बाहर के बदलते दृश्यों से मंत्रमुग्ध होकर, बैठे हुए व्यक्ति को ट्रान्स जैसी स्थिति में ले जाने की शक्ति।अब, आप सोच रहे होंगे, खिड़की वाली सीट में आखिर कौन सी बड़ी बात है? खैर, जो लोग ट्रेन यात्रा की कला से अनभिज्ञ हैं, उनके लिए खिड़की की सीट आपकी थकी हुई हड्डियों को आराम देने की जगह से कहीं अधिक है। यह एक गौरवशाली सिंहासन, एक लक्ष्य, एक प्रतिष्ठा का प्रतीक और शायद, जीवन का एक तरीका भी है। सबसे पहले, आइए इसके एर्गोनोमिक कौशल पर गौर करें। खिड़की की सीट, अपने आर्मरेस्ट के साथ, एक आरामदायक कोना जो किसी के साथ साझा नहीं किया जाता है, और एक अबाधित दृश्य, एक लंबी ट्रेन यात्रा पर आराम का प्रतीक है। खिड़की की सीट की साइड टेबल एक अचानक भोजन स्थल, एक कार्य केंद्र और एक बेचैन यात्री की बेचैन उंगलियों के लिए एक अंतहीन खेल का मैदान के रूप में कार्य करती है। खिड़की की सीट हरे-भरे घास के मैदानों से लेकर राजसी पहाड़ों, सुरम्य गांवों और हलचल भरे शहरों तक, परिदृश्यों का एक कभी-बदलने वाला बहुरूपदर्शक प्रस्तुत करती है। जैसे-जैसे ट्रेन आगे बढ़ती है, खिड़की की सीट पर बैठा व्यक्ति प्रकृति के भव्य रंगमंच का दर्शक बन जाता है, और विस्मयकारी आँखों से दृश्यों का आनंद लेता है। यह एक सुपर-आकार, हाई-डेफिनिशन, 3डी टेलीविजन के बाहर की दुनिया से लाइव स्ट्रीमिंग जैसा लगता है। इसे चित्रित करें तो मानो ऐसा लगता है कि एक अकेला यात्री एक खाली खिड़की वाली सीट देखता है और उसके लिए दौड़ता है, लेकिन अंतिम क्षण में उपद्रवी किशोरों के एक समूह द्वारा उसे निराश कर दिया जाता है। एक बुजुर्ग जोड़ा सीट की ओर बढ़ता है, उनकी आंखें उम्मीद से भरी होती हैं, लेकिन एक चतुर, तेज़-तर्रार यात्री जो पुरस्कार जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित होता है, उससे आगे निकल जाता है। जैसे ही ट्रेन चलने लगती है, खिड़की वाली सीट की चल रही कहानी सामने आने लगती है। जिस किसी ने भी खिड़की वाली सीट पर बैठने की हिम्मत की है, उसे सहयात्रियों के अनुरोधों की झड़ी लगानी पड़ी है, जो कुछ ही क्षणों के लिए प्रतिष्ठित सिंहासन पर बैठने का मौका पाने के लिए छटपटा रहे हैं।

खिड़की की सीट पर बैठे किसी निर्दोष व्यक्ति के लिए यह असामान्य बात नहीं है कि वह इस रस्साकशी के बीच में फंस जाए कि वहां अगला कौन बैठेगा, क्योंकि उनकी सीट ईर्ष्या और इच्छा की मुख्य अचल संपत्ति बन जाती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने में देरी क्यों कर रही है सरकार

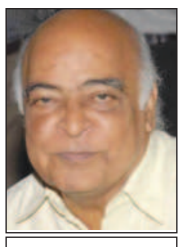

अशोक भाटिया

समाचार पत्रों में छपे समाचारों के अनुसार भले ही लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के नियमों को अधिसूचित किये जाने की रिपोर्ट है पर यह बात अभी भी लोगों के जहन में है कि दृढ निर्णय लेने वाली मोदी सरकार नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने में क्यों देर कर रही है ?गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम दिसंबर 2019 में अधिनियमित किया गया था और 10 जनवरी, 2020 को लागू भी हुआ था लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। इसी वजह से अभी तक इस क़ानून के तहत किसी को नागरिकता नहीं दी जा सकी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफ़ग़ानिस्तान के नागरिकों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है। इन देशों के हिंदू, सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध और पारसी समुदाय के उन लोगों को नागरिकता दिए जाने का प्रावधान है जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए थे। सवाल यह भी है कि क़रीब पाँच साल में भी इसके नियमों को अधिसूचित क्यों नहीं किया जा सका तो संसद के नियम इस बारे में क्या कहते हैं? यह भी जानना जरुरी है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम लाने का मक़सद क्या है और इसको लेकर बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन क्यों हुए थे । दरअसल नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के अंत में और 2020 की शुरुआत में देश में प्रमुख मुद्दा था। इसको लेकर देश के कुछ हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। इस क़ानून को भेदभावपूर्ण क़रार दिया गया था और इसकी व्यापक रूप में आलोचना की गई थी। ऐसा इसलिए था कि यह धर्म के आधार पर नागरिकता देने की बात करता है। आलोचकों का कहना है कि नियोजित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर या एनआरसी के साथ इस क़ानून से लाखों मुसलमान अपनी नागरिकता खो देंगे हालांकि, केंद्र का कहना है कि कोई भी भारतीय अपनी नागरिकता नहीं खोएगा जबकि पहले गृह मंत्री अमित शाह क्रोनोलॉजी समझाते हुए कह चुके हैं कि नागरिकता संशोधन अधिनियम के बाद एनआरसी और फिर एनपीआर आएगा। इसी आशंका को देखते हुए देश भर के अलग-अलग जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। जामिया के शाहीन बाग में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भी बड़े पैमाने पर विरोध हुआ था। उत्तरप्रदेश में कई जगहों पर ऐसे ही प्रदर्शन किए गए थे। उत्तर पूर्वी राज्यों में भी तब बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। कई जगहों पर सार्वजनिक संपत्ति को नुक़सान पहुँचाने के आरोप में बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया था। कई जगहों पर लोगों के मारे जाने की ख़बर भी आई थी। शाहीन बाग का आंदोलन तीन महीने से ज़्यादा समय तक चला था। कंपकंपाती सर्द रात में भी महिलाएँ डटी रहीं। इस बीच उनको हटाने की लगातार कोशिशें हुईं। सुप्रीम कोर्ट तक में मामला गया और आख़िरकार कोविड लॉकडाउन के दौरान उन्हें बड़ी मुश्किल से हटाया गया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ था। तब पुलिस पर आरोप लगा था कि उसने जामिया के होस्टल में घुसकर छात्रों पर लाठी चार्ज किया था। हालाँकि पुलिस इन आरोपों को खारिज करती रही। शाहीन बाग़ जैसा विरोध प्रदर्शन होने पर मौजपुर जाफराबाद क्षेत्र में तब दंगा हो गया था जब उस प्रदर्शन के विरोध में भाजपा नेता कपिल मिश्रा की अगुवाई में सैकड़ों लोग मौजपुर इलाक़े में जमा हो गये थे और इसके बाद क़ानून के विरोध में और समर्थन में उतरे लोगों के बीच पत्थरबाज़ी हुई थी। इसके बाद दंगा हो गया था। उत्तरप्रदेश में नागरिकता संशोधन अधिनियम के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन के दौरान पथराव की घटनाएँ हुई थीं। आरोप लगाया गया था कि प्रदर्शन करने वालों ने सार्वजनिक संपत्ति को नुक़सान पहुँचाया। तब बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया गया था। योगी सरकार की ओर से नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्तियों के नुकसान की भरपाई को लेकर एक कानून बनाया गया था। इसके तहत बड़ी संख्या में लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। इस कानून के मुताबिक़ किसी को अगर सरकारी या निजी संपत्ति को नुक़सान पहुंचाने का दोषी पाया जाता है तो उसे 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है या फिर जेल में जाना पड़ सकता है। जब यह मामला शीर्ष अदालत में पहुँचा था तो सुप्रीम कोर्ट ने योगी आदित्यनाथ सरकार से कहा था कि वह नागरिकता संशोधन क़ानून (नागरिकता संशोधन अधिनियम) के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों से वसूल की गई रकम को उन्हें वापस लौटाए। तब नागरिकता संशोधन क़ानून को लेकर पूर्वोत्तर अशांत हो गया था। मेघालय में इस क़ानून को लेकर खासी स्टूडेंट्स यूनियन और ग़ैर आदिवासियों के बीच हुई झड़प में कई लोगों की मौत हो गयी थी। असम में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन हुए थे। जेएनयू के छात्र शरजील इमाम के ख़िलाफ़ नागरिकता संशोधन अधिनियम यानी नागरिकता संशोधन अधिनियम के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन के दौरान अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय और दिल्ली के जामिया इलाक़े में भड़काऊ भाषण देने के आरोप लगे थे। उन पर राजद्रोह का केस चला। कोविड लॉकडाउन के बाद धीरे-धीरे विरोध प्रदर्शन बंद हो गए। इसके बाद भी नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित नहीं किया जा सका। हालाँकि, जब तक उठते सवालों पर गृहमंत्री अमित शाह कहते रहे कि कोरोना संक्रमण ख़त्म होने के बाद इसको लागू किया जाएगा। अगस्त 2022 में अमित शाह ने कहा था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम कोविड वैक्सीनेशन अभियान पूरा होने के बाद लागू करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसी बीच यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुँच गया। कई लोगों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम को धर्म के आधार पर नागरिकता देने वाला बताते हुए चुनौती दी। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके ने 2022 में सुप्रीम कोर्ट में एक शपथपत्र दाखिल करके नागरिकता संशोधन अधिनियम को देश की धर्मनिरपेक्षता के ताने-बाने के खिलाफ बताया। उसने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम धर्म के आधार पर भेदभाव करता है। यह तमिल लोगों के खिलाफ है। तमिलनाडु और डीएमके पहला ऐसा राज्य और पार्टी है जो नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ कोर्ट पहुंची। अब ख़बर आई है कि लोकसभा चुनाव से पहले इसको अधिसूचित किया जाएगा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को एक समाचार एजेंसी को बताया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (नागरिकता संशोधन अधिनियम) के कारण देश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू होने के चार साल बाद, सरकार नागरिकता संशोधन अधिनियम नियमों के साथ तैयार है और लोकसभा चुनाव 2024 से काफी पहले उन्हें लागू करेगी। पदाधिकारी ने कहा, 'नियम तैयार हैं और ऑनलाइन पोर्टल भी मौजूद है और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। आवेदकों को उस वर्ष की घोषणा करनी होगी जब उन्होंने यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश किया था। आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। जो लोग पहले ही नागरिकता के लिए आवेदन कर चुके हैं उन्हें नए सिरे से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।' तो सवाल है कि ऐन चुनाव से पहले ही नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित क्यों किया जा रहा है? संसदीय प्रक्रियाओं की नियमावली के अनुसार, किसी भी कानून के नियम राष्ट्रपति की सहमति के छह महीने के भीतर तैयार किए जाने चाहिए या लोकसभा और राज्यसभा में अधीनस्थ कानून पर समितियों से विस्तार मांगा जाना चाहिए। सवाल है कि छह महीने के अंदर ही नियमों को अधिसूचित क्यों नहीं किया गया? दृढ निर्णय लेने वाली मोदी सरकार नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने वाली मोदी सरकार को क्या 2024 का इंतज़ार हो रहा था? चुनावों से पहले ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप झेल रही भाजपा क्या किसी चुनावी मक़सद से इसे अब अधिसूचित करने जा रही है?

बलात्कारियों की जगह अब जेल है

सुरेश गांधी

ताजा मामला, बीएचयू आईआईटी छात्रा के संग हुई गैंगरेप का है। देर से ही सही पुलिस ने पीड़िता के बयान पर दर्ज गुमनाम आरोपियों को ढूढ़ निकाला और जेल भेज दिया। खास है कि ये आरोपी कोई और नहीं बल्कि भाजपा के आईटी सेल के चार मनबढ़ युवक थे और इनके वीआईपीज फोटो देखकर एकबारगी पुलिस के भी रोंगटे खड़े हो गए, लेकिन योगीराज के जीरो टॉलरेंस अपराध नीति के आगे पुलिस ने साहस का परिचय देते हुए इन्हें न सिर्फ जेल भेज दिया, बल्कि उसके पास इतना पुख्ता सबूत है कि सजा होने से भी इन्हें कोई नहीं बचा सकता।

जबकि ये आरोपी अगर सपाई होते और अखिलेश का राज होता तो हस्र क्या होता वो विजय मिश्रा व गायत्री प्रजापति जैसे अपराधियो का नाम बताने के लिए काफी है। उस दौर में सपाई गुंडो का हाल यह था कि अपराधी पार्टी के है तो कार्रवाई भूल जाइए, ये जेबकतरों, लूटेरे व हत्यारों को बचाने के लिए पुलिस की वर्दी तक फाड़ डालते थे और किसी पत्रकार ने इनके कारनामों की बखिया उधेड़ने की कोशिश की तो फर्जी रपट दर्ज कर न सिर्फ उसके घर-गृहस्थी तक लूटवा लेते थे, बल्कि जगेन्द्र जैसे पत्रकारों की हत्या तक करवा देते थे। फिरहाल, आमआदमी को छोड़िए बुलडोजरराज में सर्वाधिक प्रभावशाली माफिया डॉन मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद व विजय मिश्रा जैसे अपराधियों के साथ क्या हो रहा है, ये सर्वविदित है। ताबड़तोड़ न सिर्फ बुलडोजर उनके अवैध कब्जों पर गरज रहे है, बल्कि अवै संपत्ति भी सील हो रही है, सजाएं धड़ाधड़ हो रही है। यह अलग बात है कि कुछ सपाई चहेतो को यह सब नहीं दिख रहा है, लेकिन जनता सब समझ रही है। 2022 का परिणाम तो योगी के बुलडोजर संस्कृति पर जनता ने दिया है। बता दें, योगीराज में हर अपराध पर कार्रवाई होती है। किसी बेगुनाह को नेताओं के प्रभाव में फसाया नहीं जाता है। अपराधियों के अवैध कब्जे एक-एक कर ढहाएं जा रहे है। एनसीआरबी के आंकड़े देखने से लगता है बाबा ने यूपी को ठंडा कर दिया है। जहां हर तीसरे रोज दंगा होते थे, वहां आज तक एक भी दंगा नहीं हुए। मतलब साफ है 2017 के पहले और 2017 के बाद का उत्तर प्रदेश बदल चुका है। तमाम सर्वे रिपोर्टो की मानें तो योगी सरकार की 'पुलिस कार्रवाई' में अखिलेश सरकार से चार गुना अधिक है। 2017-18 से 2021-2022 की अवधि में 'पुलिस कार्रवाई' में 162 व्यक्ति मारे गए, जबकि 2012 से 2017 तक 41 लोगों की जान गई थी। मार्च 2017 में सत्ता में आने के बाद से यूपी में आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार कथित गोलीबारी में संदिग्ध अपराधियों को गोली मारने के लिए कुख्यात हुई है। यह अलग बात है कुछ कुंठाग्रस्त आलोचकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा इन पुलिस 'मुठभेड़ों' को न्यायेतर, फर्जी हत्याएं करार दिया गया है, जिन्हें आदित्यनाथ सरकार द्वारा अपराध के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस नीति' बताती है। आंकड़े के मुताबिक 2017 से 2022 तक पुलिस ने 3,574 व्यक्तियों या संदिग्ध अपराधियों को गोली मार दी। हालांकि, अखिलेश यादव के कार्यकाल के दौरान मारे गए संदिग्ध अपराधियों की संख्या या मारे गए व्यक्तियों के वर्षवार विवरण के उपलब्ध नहीं कराया गया था। पुलिसकर्मियों पर हमलों के मामले में भी आदित्यनाथ का पहला कार्यकाल यादव के शासन की तुलना में आगे रहा है। 2012-2017 में पुलिसकर्मियों पर हमले की 4,361 घटनाएं हुईं, जो 2017 से 2022 तक बढ़कर 5,972 पहुंच गईं। योगी सरकार पर लगातार 'फर्जी मुठभेड़' करने का आरोप लगता रहा है, दूसरी ओर, यूपी पुलिस का कहना है कि वे अपराधियों को केवल आत्मरक्षा में गोली मारते हैं। आंकड़े के मुताबिक योगीराज में आईपीसी की धाराओं के तहत हर साल औसतन 3 लाख 40 हजार 170 मामले दर्ज हुए। इनमें हिंसक वारदातों की संख्या 59 हजार 277 थी। जबकि अखिलेश सरकार मे हर साल अपहरण की औसतन 17 हजार 784 मामले दर्ज किए गए। वहीं चोरी की 49 हजार 874 मामले दर्ज हुए। वहीं रेप के हर साल औसतन 3 हजार 507 मामले दर्ज किए गए। वहीं आईपीसी और स्थानीय कानूनों के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराध के 56 हजार 174 मामले हर साल दर्ज किए गए। इसी तरह दंगों के हर साल औसतन 7 हजार 345 मामले दर्ज किए गए। बता दें, अखिलेश यादव 2012 से 2017 तक मुख्यमंत्री थे। इस दौरान आईपीसी की धाराओं के तहत हर साल औसतन 2 लाख 37 हजार 821 मामले दर्ज किए गए। वहीं हिंसक वारदातों के हर साल औसतन 44 हजार 39 मामले दर्ज किए गए। इसी तरह अपहरण के 12 हजार 64 मामले औसतन हर साल दर्ज किए गए। वहीं चोरी के मामले दर्ज करने का औसत हर साल 42 हजार 57 का था। इस दौरान बलात्कार के 3 हजार 264 मामले औसतन हर साल दर्ज किए गए। वहीं आईपीसी और स्थानीय कानूनों के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराध के 36 हजार 41 मामले हर साल दर्ज किए गए। अखिलेश की सरकार में दंगों के हर साल औसतन 6 हजार 607 मामले दर्ज किए गए। अखिलेश यादव की सरकार में ही मुजफ्फरनगर में सांप्रदायिक दंगे हुए थे। इसमें 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। बसपा प्रमुख मायावती 2007 से 2012 तक प्रदेश की मुख्यमंत्री थीं।

उनके कार्यकाल में आईपीसी की धाराओं के तहत हर साल औसतन 1 लाख 72 हजार 290 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान हिंसक वारदातों का औसत हर साल 28 हजार 248 मामलों का था। इस दौरान अपहरण के 6 हजार 162 मामले औसतन हर साल दर्ज किए गए। वहीं चोरी के 16 हजार 1 मामले औसतन हर साल दर्ज किए गए। बलात्कार के औसतन 1 हजार 777 मामले हर साल दर्ज किए गए। आईपीसी और स्थानीय कानूनों के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराध के 22 हजार 125 मामले दर्ज किए गए। दंगों के 4 हजार 469 मामले औसतन हर साल दर्ज किए गए।

अब साकार होगी राम राज्य की परिकल्पना

प्रो. महेश चंद गुप्ता

देश में सबको 22 जनवरी का इंतजार है। जैसे-जैसे 22 तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे देशवासियों की अधीरता बढ़ती जा रही है। वक्त काटे नहीं कट रहा है। हर सनातनी और राष्ट्रवादी देशवासी उस घड़ी का साक्षी बनने को आतुर है, जब अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। सनातन संस्कृति के आस्थावान इस अवसर को दिव्य, अद्भुत, अलौकिक तथा देश के सम्मान की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त करने वाला मान रहे हैं। आशा की जा रही है कि श्रीराम लला के अयोध्या में विराजमान होने के बाद भारत फिर से राम राज्य बनने की ओर अग्रसर होगा। 22 तारीख के इंतजार में देश में कुछ वैसा ही माहौल है, जिस प्रकार दीपावली पर्व और स्वाधीनता दिवस से पहले हुआ करता है। देश का हर नागरिक इस दिन दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए तत्पर है। सनातन धर्म और संस्कृति में जिनकी आस्था है, उनके लिए जितना 15 अगस्त के दिन का महत्व है, उतना ही जनवरी की 22 तारीख का भी होगा। यह कोई साधारण दिन नहीं है और न ही आसानी से देखना नसीब हो रहा है। यह कई पीढिय़ों द्वारा सदियों तक किए गए प्रयासों-संघर्षों का परिणाम है। श्रीराम के प्रयोजन के लिए जिन लोगों ने अपना सर्वस्व होम कर दिया, यह उन हुतात्माओं के बलिदान का प्रतिफल है। अयोध्या में बना यह मंदिर देश के लिए सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि यह हमारे लिए तप, त्याग और संकल्प प्रतीक और स्थायी प्रेरणापुंज बनने जा रहा है। इसकी वजह साफ है-श्रीराम का यह भव्य मंदिर जिस आंदोलन की बदौलत आकार ले पाया है, वह अर्पण, तर्पण और संकल्प से ओत-प्रोत आंदोलन था। उसी अर्पण, तर्पण और संकल्प की बदौलत ये मंदिर कोटि-कोटि लोगों की सामूहिक संकल्प शक्ति और हमारे राष्ट्र का प्रतीक बनने जा रहा है। जन मान्यता है कि इसी मंदिर में श्री रामलला के विराजित होने के उपरांत राम राज का शिलान्यास भी हो जाएगा। उस राम राज की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी परिकल्पना न जाने कब से हम भारत के लोग कर रहे हैं। सदियों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है। राम राज की परिकल्पना के साकार होने का वक्त नजदीक आ रहा है।

अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनः अंगीकार कर रहे हैं।

नए युग के ज्ञानी

रजनीश कपूर

सोशल मीडिया के इस आधुनिक युग में आजकल जिसे भी कोई जानकारी चाहिए होती है वो तुरंत अपने स्मार्टफ़ोन पर इंटरनेट की मदद से उसे खोज लेता है। परंतु कभी-कभी कुछ विशेष जानकारी पाने के लिए आपकी सहायता करने कुछ अनजाने लोग भी आ जाते हैं, जो आपको संबंधित वस्तु या स्थान के बारे में हर पहलू से वाक़िफ़ कर देते हैं। ऐसा काम पहले ब्लॉगर करते थे, जो विभिन्न विषयों पर उपयुक्त जानकारी को जनहित में किसी वेबसाइट पर प्रकाशित कर देते थे। आजकल के युग में ब्लॉगर की जगह व्लॉगर्स ने ले ली है। यह ब्लॉगिंग का ही आधुनिक रूप है जिसमें एक ब्लॉगर स्वतंत्र माध्यम से लोगों के साथ अपनी बात, ज्ञान, कौशल, अनुभव इत्यादि को वीडियो के माध्यम से शेयर करता है। व्लॉगिंग शब्द अंग्रेजी भाषा के दो शब्द 'वीडियो' और 'लॉग' को मिलाकर बनाया गया है। इस तरह से यह पूरा शब्द वीडियोलोग बना जिसका मतलब वीडियो की क्रमानुसार एंट्री होता है। जब से लोगों के हाथों में स्मार्टफ़ोन आए हैं वे सोशल मीडिया के विशाल सागर में किसी न किसी माध्यम से डुबकी लगा रहे हैं। फिर वो चाहे अजीबो-ग़रीब रील्स का बनाना हो या किसी न किसी विषय पर व्लोगिंग करना हो। सोशल मीडिया के इस युग में हर कोई अपनी जगह बनाना चाहता है। सोशल मीडिया में काफ़ी समय से अपना स्थान बनाए हुए जाने माने प्लेटफार्म में सबसे ऊपर है यूट्यूब। यह एक ऐसा माध्यम है जहां आप किसी भी विषय पर जानकारी को साझा कर सकते हैं। यदि आपकी जानकारी वाला वीडियो यूट्यूब के मानकों पर सही उतरता है तो आप इस माध्यम से कमाई भी कर सकते हैं। आज के युग में लोग किसी भी जानकारी को पढ़ने से ज्यादा देखना पसंद करते हैं। वीडियो के माध्यम से उन्हें चीजें जल्दी समझ में भी आती हैं।

व्लॉगिंग के माध्यम से व्लॉगर अपने विचारों को दर्शकों तक वीडियो के माध्यम से बहुत आसानी के साथ पहुंचा सकते हैं। व्लॉगर अपनी रूचि या इच्छा के अनुसार किसी भी विषय पर वीडियो बना सकते हैं और अगर वे किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी राय देना चाहते हैं तो वह भी दे सकते हैं। इसके साथ-साथ अगर कोई व्लॉगर किसी प्रोडक्ट के बारे में लोगों को यह बताना चाहते हैं कि उसके फायदे और नुकसान क्या क्या है तो इसे भी व्लॉगिंग के माध्यम से लोगों के साथ शेयर किया जा सकता है। व्लॉगिंग के द्वारा व्लॉगर अपनी ऑडियंस के साथ सीधे जुड़ जाते हैं । क्योंकि जब वे किसी एक विशेष मुद्दे या विषय पर वीडियो बनाते हैं तो उनके दर्शकों को यह पता होता है कि वे किस विषय में बेहतर हैं और यही विषय उन्हें उनके दर्शकों से जोड़े रखता है। ज़ाहिर सी बात है कि जैसे ही किसी व्लॉगर के दर्शकों की संख्या बढ़ने लगती है वे उनके बीच मशहूर होने लग जाते हैं। जितने ज़्यादा दर्शक, उतने ही ज़्यादा फ़ायदे। यहाँ से वे यूट्यूब के साथ-साथ अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी अपनी पहचान बनाना शुरू कर सकते हैं। जैसे ही इनके दर्शकों की संख्या हज़ारों-लाखों में पहुँच जाती है तो इन्हें 'सोशल मीडिया इंफ्ल्यूएंसर' की उपाधि मिल जाती है। इसके बाद ये किसी भी मुद्दे पर बोलेंगे तो इनकी बात सुनी जाएगी। जैसे ही कोई व्लॉगर इस उपाधि को पा लेता है तो उसका कमाई का ज़रिया भी खुल जाता है। सोशल मीडिया में ऐसे तमाम ज़रिये हैं जहां पर न सिर्फ़ विज्ञापन के ज़रिये इन व्लॉगर्स को आर्थिक मदद मिलती है बल्कि कई ऐसे उत्पादन भी हैं जिनका विज्ञापन करने से इनको फ़ायदा पहुँचाता है। आज के युग में जहां युवाओं के पास रोज़गार के कुछ ठोस अवसर नहीं हैं तो कम ख़र्च में व्लॉगर बनना एक अच्छा विकल्प है जिससे आप सीमित साधनों से न सिर्फ़ ख़ुद का बल्कि औरों का फ़ायदा भी करसकते हैं। अक्सर बड़े-बड़े शहरों में रहते हुए हमें अपने ही शहरों में कई मशहूर जगहों के बारे में मालूम ही नहीं होता। परंतु जब से यह व्लॉगर काल शुरू हुआ है अपने शहर ही नहीं दुनिया भर की मशहूर जगहों को बताने वालों की एक लंबी फ़ेहरिस्त है। जैसे ही आप सोशल मीडिया पर अपनी रुचि के विषयों को खोजना शुरू करते हैं, उस विषय से संबंधित व्लॉगर के वीडियो ख़ुद- ब-ख़ुद आपके सामने आने लग जाते हैं। इन व्लॉगर्स के वीडियो को कितनी बार देखा गया है या उनके कितने दर्शक हैं, इस बात से आपको इनके बारे में पता चल जाता है। इतना ही नहीं इनके वीडियो के नीचे तमाम दर्शकों की प्रतिक्रिया भी अंकित होती है जो आपको काफ़ी मददगार सिद्ध होती है। इसके बाद यदि आप इस वीडियो के आधार पर स्वयं उस वस्तु, स्थान या विषय का अनुभव करते हैं तो आपको पता चल जाता है कि उस वीडियो की सच्चाई क्या है। अक्सर ऐसे वीडियो में दी गई जानकारी सही ही साबित होती है। परंतु आज ऐसे भी कई व्लॉगर आ चुके हैं जो अपने स्वार्थ के चलते दर्शकों को भ्रामक जानकारी भी देते हैं।

इनका पर्दा तब उठता है जब कोई दर्शक इनके बताए ज्ञान को स्वयं जाँच लेता है। शायद इसीलिए कहा गया है कि हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। सोच-समझ कर ही इनके कहे पर चलें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ग्रहों के राजा सूर्य के राशि परिवर्तन करने का असर 12 राशियों के जीवन पर जरूर पड़ता है। बता दें कि इस समय ग्रहों के राजा सूर्यदेव गुरु की राशि धनु राशि में विराजमान है। वहीं दूसरी ओर देवताओं के गुरु बृहस्पति अपनी स्वराशि मेष राशि में मार्गी अवस्था में मौजूद है। ऐसे में सूर्य और गुरु त्रिकोण अवस्था में है जिसके कारण 'नवपंचम राजयोग' का निर्माण हो रहा है। बता दें कि ऐसा संयोग करीब 12 साल के बाद बना है। दरअसल, गुरु को एक राशि में दोबारा आने में पूरा 12 साल का वक्त लगता है। नवपंचम राजयोग को काफी शुभ योगों में एक माना जाता है।

मेष राशि

इस राशि में गुरु पहले भाव में और सूर्य नौवें भाव में विराजमान है। ऐसे में नवपंचम राजयोग इस राशि के जातकों के लिए काफी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। संतान की ओर से कोई खुशखबरी मिल सकती है। इसके साथ ही व्यापार में भी खूब लाभ मिलने के आसार है। लंबे समय से रुकी डील अब हासिल हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को भी लाभ मिलने वाला है। कार्यस्थल में आपके काम की प्रशंसा होगी। ऐसे में आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। नई नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। भाई-बहन के साथ अच्छा समय बीतेगा। शिक्षा के क्षेत्र में भी लाभ मिलने के पूरे आसार है।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए भी ये राजयोग काफी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लंबे समय से रुके काम पूरे होने के साथ धन-धान्य की बढ़ोतरी होगी। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों को सफलता हासिल होगी। उच्च शिक्षा पाने का भी सपना पूरा हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों की बात करें, तो सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध रहेंगे। मिलजुल कर काम करेंगे। ऐसे में सफलता हासिल हो सकती है। दोस्तों के साथ किसी पार्टी या फिर ट्रिप में जा सकते हैं। व्यापारियों को भी खूब मुनाफा मिलने के आसार नजर आ रहे हैं। नई डील साइन हो सकती है। इसके साथ ही सट्टेबाजी या फिर शेयर में पैसा लगाना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक राशि

नवपंचम राजयोग इस राशि के जातकों पर भी अनुकूल असर डालेगा। परिवार के साथ यादगार पल बीतेंगे। इसके साथ ही माता-पिता का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। काम के सिलसिले में कोई यात्रा पर जाना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन में खुशियां ही खुशियां बनी रहेगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे जातकों को भी लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही वरिष्ट लोगों के सहयोग से कई क्षेत्रों पर सफलता हासिल हो सकती है।

बुराई नाव में छेद की तरह होती है। छेद छोटा हो या बड़ा, नाव को डूबो देता है। ठीक इसी तरह बुराई छोटी हो या बड़ी, इंसान को बर्बाद कर सकती है।

अपने दोष देखे बिना दूसरों पर दोष लगाना गलत है। हमें दूसरों के नहीं अपने दोषों पर ध्यान देना चाहिए।

जो व्यक्ति अपनी कमियां दूर नहीं करता है और उन्हें छिपाता है, वह कभी भी श्रेष्ठ इंसान नहीं बन पाता है।

स्कंदगिरिश्री सुब्रमण्यम मंदिर हैदराबाद

यह मंदिर, जिसे 'स्कंदगिरि मंदिर' भी कहा जाता है, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से लगभग 2 किमी दूर पद्मरावनगर में स्थित है। 'स्कंदगिरि' शब्द का अर्थ है भगवान स्कंद की पहाड़ी, जो भगवान सुब्रमण्यम स्वामी का दूसरा नाम है। भगवान सुब्रमण्यम यहां के प्राथमिक देवता हैं, उनके साथ श्रीवल्ली और श्रीदेवसेना भी हैं। अन्य महत्वपूर्ण सन्निधि हैं भगवान सुंदरगणपति, एकम्बरेश्वर (भगवान शिव) देवी कामाक्षी के साथ, श्री वरदराज पेरुमल देवी श्री देवी और श्री भूदेवी और देवी जयदुर्गा के साथ। श्री सुब्रमण्यस्वामी मंदिर अनुष्ठानों के मामले में तमिल संप्रदाय का पालन करता है, हालांकि, तमिल और तेलुगु दोनों कैलेंडर के अनुसार महत्वपूर्ण त्योहार मनाता है।

जगद्गुरु श्री श्री श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती स्वामी ने संकुस्तपन, महाकुंभाभिषेकम किया और इस मंदिर के मुख्य देवता की स्थापना की।

भक्त हैदराबाद के इस प्रसिद्ध मंदिर, श्री सुब्रमण्यम मंदिर में विशेष रूप से मंगलवार को जाते हैं क्योंकि यह श्री सुब्रमण्यम और देवी जयदुर्गा दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

अपने ऐतिहासिक महत्व और संपूर्ण वैभव के लिए प्रसिद्ध स्थान, सिकंदराबाद, भगवान मुरुगन के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक, सिकंदराबाद के वेस्ट मेरेडपल्ली में श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर का घर है। यह मंदिर न केवल भगवान की प्रार्थना करने के लिए, बल्कि बीमारी से छुटकारा पाने के लिए भी बड़ी संख्या में लोगों द्वारा दौरा किया जाता है, यह पांचवें अरूपदैवेदु भगवान मुरुगन को समर्पित है। दक्षिण में एक बहुत प्रसिद्ध मंदिर, श्री सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर राज्य की समृद्ध विरासत, सांप्रदायिक सद्भाव और समृद्धि का प्रतीक है। यह भी माना जाता है कि भगवान मुरुगन अपने भक्तों के शरीर के प्रत्येक अंग की रक्षा करते हैं और यहां तक कि शक्तिशाली नवग्रह भी उनकी कृपा के कारण निष्क्रिय और शांत हो जाते हैं। भक्त, उपासक और आगंतुक इस मंदिर में भगवान का आशीर्वाद लेने के लिए सुबह 5.30 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक और शाम को 4.00 बजे से 8.00 बजे तक आ सकते हैं।

स्कंदगिरि सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर का समयः सुबहः 5:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक शामः 4:00 बजे से 8:00 बजे तक

मंगलवार, शुक्रवार और रविवार को दोपहर 12:00 बजे तक खुला 4:30 दोपहर से 9:00 रात तक मंगलवार के दौरान दोपहर 3:00 बजे खुला

नए साल में घर या ऑफिस डेस्क पर रखें ये छोटा सा पौधा, सालभर मिलेगी तरक्की

जिस घर में बांस का पौधा होता है, वहां से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है। वास्तु के विशेषज्ञों के अनुसार आर्थिक संकट को दूर करने के लिए घर या दफ्तर में बैम्बू प्लांट जरूर लगाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई पेड़ पौधों का जिक्र मिलता है, जो सुख-समृद्धि में सहायक माने जाते हैं। इन्हीं में से एक है बैम्बू प्लांट यानी बांस का पौधा। वास्तु शास्त्र और फेंगशुई में बैम्बू प्लांट को बहुत शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि जिस घर में बांस का पौधा होता है, वहां से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है।

वास्तु के विशेषज्ञों के अनुसार आर्थिक संकट को दूर करने के लिए घर या दफ्तर में बैम्बू प्लांट जरूर लगाना चाहिए। बैम्बू प्लांट न सर्फ देखने में सुंदर लगते हैं, बल्कि इससे घर का वास्तु दोष भी दूर होता है। फेंगशुई में इस पौधे को सुख-समृद्धि का प्रतीक माना गया है। ऐसे में यदि आप नए साल 2024 में खुशहाली और समृद्धि चाहते हैं, तो घर या ऑफिस डेस्क पर बैम्बू प्लांट जरूर रखें। आइए जानते हैं नए साल में बैम्बू प्लांट को घर में रखने के नियम और लाभ...

इस दिशा में लगाएं बैम्बू प्लांट

घर में बैम्बू प्लांट को हमेशा दक्षिण पूर्व दिशा में ही लगाना चाहिए। इस दिशा में बम्बू प्लांट लगाना शुभ माना जाता है, क्योंकि ये धन की दिशा मानी जाती है। इस पौधे को घर में उत्तर दिशा में रखने से काम कारोबार में तरक्की मिलती है।

इसके अलावा बच्चों के स्टडी रूम या पढ़ाई करने वाले कमरे में रखने से उनका पढ़ाई में मन लगता है। साथ ही ऑफिस डेस्क पर इसे रखने से मनचाही तरक्की के योग बनते हैं।

बैम्बू प्लांट के फायदे

इस पौधे को घर या ऑफिस डेस्क पर रखना बहुत ही ज्यादा शुभ माना जाता है। घर या ऑफिस में जिस जगह भी बैम्बू प्लांट रखा जाता है, वहां सुख-समृद्धि आती है। साथ ही सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

बैम्बू प्लांट लगाने के नियम

बांस के डंठल को लाल रंग के रिबन से बांध कर कांच के बर्तन में रखना ज्यादा फायदेमंद होता है।

घर में रखे गए बैम्बू प्लांट में हमेशा पानी डालते रहना चाहिए।

बांस के पौधे को कभी भी सूखने नहीं देना चाहिए।

बैम्बू प्लांट को जिस बर्तन में लगाना है उसमे नीले रंग का पत्थर जरूर डालें।

बैम्बू प्लांट की इस तरह करें देखभाल

बैम्बू प्लांट में बहुत ज्यादा पानी का इस्तेमाल न करें इससे पौधे में सड़न होने लगती है।

इस पौधे को डायरेक्ट तेज धूप में नहीं रखना चाहिए। इससे पौधा मुरझा जाता है।

इस पौधे का पानी समय-समय पर बदलते रहें।

पौधे में अगर पत्तियों का रंग पीला पड़ गया है तो इसे हटा हटा देना चाहिए।

अहंकार लेने की भाषा समझता है प्रेम देने की भाषा है

तब वह एक छोटा सा ठूंठ रह गया। और वह दूर यात्रा पर निकल गया। और वह ठूंठ भी प्रतीक्षा करता रहा कि वह आए, आए। लेकिन अब उसके पास कुछ भी नहीं है देने को। शायद वह नहीं आएगा, क्योंकि अहंकार वहीं आता है जहां कुछ पाने को है, अहंकार वहां नहीं जाता जहां कुछ पाने को नहीं है। मैं उस ठूंठ के पास एक रात मेहमान हुआ था, तो वह ठूंठ मुझसे बोला कि वह मेरा मित्र अब तक नहीं आया! और मुझे बड़ी पीड़ा होती है कि कहीं नाव डूब न गई हो, कहीं वह भटक न गया हो, कहीं किसी दूर किनारे पर विदेश में कहीं भूल न गया हो, कहीं वह डूब न गया हो, कहीं वह समाप्त न हो गया हो! एक खबर भर कोई मुझे ला दे। अब मैं मरने के करीब हूं। एक खबर भर आ जाए कि वह सकुशल है, फिर कोई बात नहीं! फिर सब ठीक है! अब तो मेरे पास देने को कुछ भी नहीं है, इसलिए बुलाऊं भी तो शायद वह नहीं आएगा, क्योंकि वह लेने की ही भाषा समझता है। अहंकार लेने की भाषा समझता है। प्रेम देने की भाषा है।इससे ज्यादा और कुछ मैं नहीं कहूंगा। जीवन एक ऐसा वृक्ष बन जाए और उस वृक्ष की शाखाएं अनंत तक फैल जाएं, सब उसकी छाया में हों और सब तक उसकी बांहें फैल जाएं, तो पता चल सकता है कि प्रेम क्या है।

प्रेम का कोई शास्त्र नहीं है, न कोई परिभाषा है, न प्रेम का कोई सिद्धांत है। तो मैं बहुत हैरानी में था कि क्या कहूंगा आपसे कि प्रेम क्या है। वह तो बताना मुश्किल है। आकर बैठ सकता हूं।।गर मेरी आंखों में दिखाई पड़ जाए तो दिखाई पड़ सकता है, अगर मेरे हाथों में दिखाई पड़ जाए तो दिखाई पड़ सकता है। मैं कह सकता हूं। यह है प्रेम।

लेकिन प्रेम क्या है, अगर मेरी आंख में न दिखाई पड़े, मेरे हाथ में न दिखाई पड़े, तो शब्दों से बिल्कुल भी दिखाई नहीं पड़ सकता है कि प्रेम क्या है! मेरी बातों को इतने प्रेम और शांति से सुना, उससे बहुत-बहुत अनुगृहीत हूं। और अंत में सबके भीतर बैठे परमात्मा को प्रणाम करता हूं, मेरे प्रणाम स्वीकार करें।(**समाप्त**)

क्यों तिब्बती रामायण है अलग, जिसमें सीता रावण की बेटी और राम दशरथ के छोटे बेटे

तिब्बत में रामायण के तिब्बती वर्जन की पांडुलिपियां 20 सदी की शुरुआत में मिलीं। दरअसल प्राचीन समय में राम कथा वहां से भारत आने वाले व्यापारियों और यात्रियों के जरिए वहां गईं लेकिन ये रामायण असल वाली बाल्मीकि रामायण से बहुत कुछ अलग है। जिसमें बहुत कुछ ऐसा है, जो हैरान कर देगा।

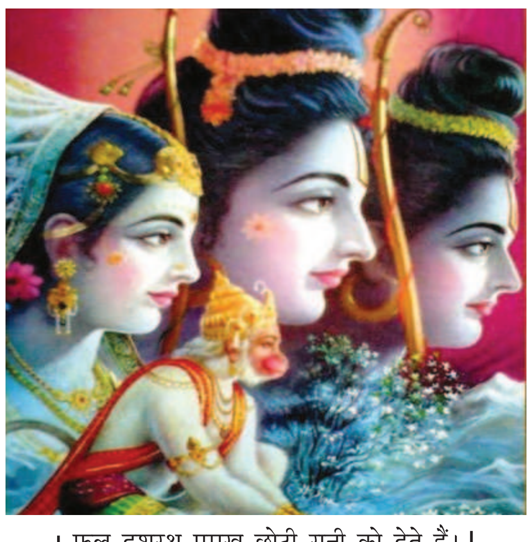

रामायण के तिब्बती संस्करण की खोज 1929 में एफडब्ल्यू थॉमस द्वारा की गई थी। एक शाही रामायण है, दरअसल ये रामायाण दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के राजाओं के बीच लोकप्रिय थी। हालांकि तिब्बत में इस रामायण की पांडुलिपियां एक गुफा में मिलीं। उसके आधार पर पता लगा कि तिब्बती रामायण में राम सीता की कहानी कुछ अलग सी है। मसलन सीता का असल पिता रावण था। उसे पहले ही बता दिया गया था कि इस बेटी के कारण उसे जान से हाथ धोना होगा।

रामायण एक हिंदू महाकाव्य है जो लगभग 300 वर्ष पुराना है। पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में रामायण के 30 से ज्यादा संस्करण हैं। खुद भारत में जैन रामायण और बौद्ध रामायण अलग तरह की कहानियां कहती हैं। रामायण का सबसे पुराना संस्करण संस्कृत में है, जिसका श्रेय ऋषि नारद को दिया जाता है। नारद ने ये कहानी बाल्मीकि को बताई, जिन्होंने फिर बाल्मीकि रामायण लिखी, जो रामायण का सबसे पुराना संस्करण है।

20वीं सदी की शुरुआत में चीन के शिनजियांग प्रांत में सिल्क रोड के पूर्वी छोर पर एक पुरातात्विक स्थल दुनहुआंग की मोगाओ गुफाओं में रामायण के अंशों वाली 06 अधूरी पांडुलिपियां मिलीं। ये तिब्बती भाषा में लिखी गईं थी, जो 8वीं शताब्दी की मानी गईं। ये शाही रामायण की प्रारंभिक शैली से संबंधित है, जो भारत के बाद के भक्ति रामायणों के विपरीत, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के राजाओं के बीच लोकप्रिय थी।

यहां दशरथ अर्हतों (बौद्ध संतों) की पूजा करते हैं। उन्हें बच्चे नहीं हो रहे होते हैं तो देवताओं द्वारा एक फूल दिया जाता है। ये फूल ये कहकर दिया जाता है कि ये तुम अपनी प्रिय रानी को दे देना, उससे संतान पैदा होगी। ये फूल दशरथ प्रमुख छोटी रानी को देते हैं। छोटी रानी पुत्र राम को जन्म देती है लेकिन उससे कुछ दिन पहले ही बड़ी रानी लक्ष्मण को जन्म देती है। इस तरह ये रामायण ये कहती है कि लक्ष्मण बड़े भाई होते हैं और राम छोटे। ये रामायण भरत और शत्रुध्न के बारे में कोई चर्चा नहीं करती।

राजा दशरथ ये तय करने में असमर्थ रहते हैं कि राजा किसको बनाया जाए। छोटी रानी के बेटे राम को राजा चुना जाता है, लेकिन वह लक्ष्मण के लिए राजगद्दी छोड़ देते हैं। हालांकि लक्ष्मण भी इसको स्वीकार नहीं करते। बदले में राम की पादुकाएं सिंहासन पर रखते हैं और खुद मंत्री बनना चुनते हैं। ये रामायण राम के वनवास के बारे में कुछ नहीं कहती।

यहां सीता रावण की बेटी हैं (जैसा कि जैन रामायण में है)। उसे चेतावनी मिलती है ये बेटी उसकी मृत्यु का कारण बनेगी।लिहाजा रावण अपनी इस बेटी के त्याग करने का फैसला करता है। उसे एक तांबे के बक्से में रखकर समुद्र में फेंक देता है। ये बक्सा एक एक किसान को मिलता है, जो सीता को पालता और बड़ा करता है। वह सीता का नाम रोलर्नेडमा रखता है।

ये कन्या राम से विवाह कर लेती है। विवाह के बाद राम उसका नाम सीता रखते हैं। रावण की बहन फुरपाला चाहती है कि राम उससे शादी कर लें लेकिन जब उसे वह अस्वीकार कर देते हैं तो वह नाराज होकर रावण से शिकायत करती है।

तिब्बती रामायण में राम को रमण के तौर पर उद्धृत किया जाता है। जब राम हिरन के शिकार पर जाते हैं तो लक्ष्मण भी उनके पीछे जाते हैं। तब रावण को मौका मिलता है और वह सीता का हरण के लिए एक सुंदर हाथी का रूप धरकर आता है। उन्हें अपने ऊपर बैठने के लिए ललचाता है। फिर वह घोड़े का रूप धारण कर लेता है। सीता दोनों ही बार जब मना कर देती है तो वह सीता को जमीन समेत उखाड़कर अपहरण कर लेता है। वह सीता को इसलिए नहीं छूता क्योंकि उसको डर है कि सहमति के बगैर छूने पर वह आग की लपटों में घिर जाएगा।

सीता की तलाश करते समय राम का सामना एक काली नदी से होता है, जहां सुग्रीव से मुलाकात होती है, जिसकी आंखों, कानों और नाक से खून बह रहा है, क्योंकि उसके बड़े भाई बाली ने उसे बुरी तरह पीटा है। राम की मदद से सुग्रीव हिंसक बड़े भाई बाली को मार देता है। इसके बदले वह सीता को खोजने में मदद का वादा करता है।

तिब्बती रामायण की एक अनूठी विशेषता पत्रलेखन है। लंका पर आक्रमण टालने पर राम सुग्रीव को पत्र लिखते हैं। वह सीता को पत्र लिखकर बताता है कि वह आ रहा है, सीता दूसरे पत्र से उत्तर देती है। बाद में सुग्रीव की मृत्यु के बाद हनुमान सुग्रीव का राज्य संभालते हैं। जब वह राम के सीता को खोजने के काम को लेकर उदासीन हो जाते हैं तब राम उन्हें पत्र लिखकर संपर्क में नहीं रहने के लिए डांटते हैं।

जब राम और रावण का युद्ध होता है तो रावण अदृश्य हो जाता है। तब राम ने उसको क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुए अपने शरीर का कम से कम एक हिस्सा दिखाने की चुनौती देते हैं। तब रावण केवल अपने दाहिने पैर का अंगूठा प्रकट करता है। इसको राम ये पता लगाने में सक्षम हो जाते हैं कि उनके दसों सिर कहां होंगे। वह सारे सिरों को खत्म कर देते हैं।

तिब्बती रामायण में राम सीता की पवित्रता पर संदेह करते हैं। उन्हें महल से बाहर भेज देते हैं। तब हनुमान सीता की बेगुनाही को लेकर बहस करते हैं। राम इससे सहमत होते हैं और सीता को वापस बच्चों के साथ महल में लेकर आते हैं। फिर वो खुशी से एक साथ रहने लगते हैं।

दौड़कर शादी में पहुंचे नुपुर से आयरा ने किया मजाक : स्टेज पर बोलीं- गुड बाय.. गो शॉवर

आमिर खान की बेटी आयरा खान ने बुधवार रात फिटनेस ट्रेनर और अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से शादी कर ली है। दोनों ने मुंबई के होटल ताज लैंड्स एंड में रजिस्टर्ड मैरिज की। अपनी ही शादी में नुपुर अपने घर से वेडिंग वेन्यू तक दौड़कर पहुंचे। अपनी ही बारात में ढ़ोल बजाया और डांस भी किया। इसके बाद जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करके नुपुर और आयरा ऑफिशियली हसबैंड-वाइफ हो गए। अब इस शादी के कई इनसाइड वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इन्हें शादी में पहुंचे नुपुर और आयरा के दोस्तों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। ऐसे ही एक वीडियो में आयरा स्टेज पर नुपुर से मजाक करती नजर आ रही हैं। रजिस्टर्ड मैरिज करने के बाद उन्होंने मेहमानों के सामने ही नुपुर से कहा कि अब जाओ और शॉवर करो.. गुड बाय..। कपल के फनी इंट्रैक्शन का वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

बता दें कि नुपुर ने जिम के कपड़ों में ही अपनी शादी की सारी औपचारिकताएं पूरी की थी। इसके बाद वो तैयार होकर ट्रेडिशनल आउटफिट्स में आए और फिर मीडिया से मुखातिब हुए। शादी में 'कारवां' और 'लिटिल थिंग्स' फेम बॉलीवुड एक्ट्रेस मिथिला पालकर और आमिर की फिल्म 'धूम-3' और 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' के डायरेक्टर रहे विजय कृष्ण आचार्य भी इस शादी में शामिल हुए। इवेंट से दोनों की तस्वीरें सामने आई हैं।

तृषा कृष्णन से इस हसीना ने छीन ली सलमान खान की फिल्म, पहली बार करेंगे ऑन स्क्रीन रोमांस

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के लिए साल 2023 खास अच्छा नहीं रहा। इस साल उनकी महज 2 फिल्में ही सिनेमाघर पहुंच सकी। जिसमें से सिर्फ एक मूवी 'टाइगर 3' ही दर्शकों को कुछ लुभा सकी। हालांकि 'टाइगर 3' का रिस्पॉन्स वैसा नहीं देखा गया जैसा कि उम्मीद थी। ये मूवी बमुश्किल हिट का स्टेट्स हासिल कर पाई थी। इसके बाद अब सुपरस्टार सलमान खान अपनी अगली फिल्मों पर ध्यान देना शुरू कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जल्दी ही सुपरस्टार सलमान खान निर्माता करण जौहर के साथ अपनी फिल्म 'द बुल' लेकर आएंगे।

तृषा कृष्णन के साथ से निकली सलमान खान की फिल्म 'द बुल'

ये एक एक्शन एंटरटेनर मूवी होगी। जिसे लेकर एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में फैंस के बीच अभी से ही भारी बज है। इधर, खबर है कि इस मूवी को लेकर कास्टिंग जोर-शोर से चल रही है। पहले रिपोर्ट्स थीं कि फिल्म स्टार सलमान खान के साथ इस मूवी में तमिल एक्ट्रेस तृषा कृष्णन की धांसू एंट्री होने वाली है। तृषा कृष्णन पोन्नियिन सेल्वन में राजकुमारी कुंदवई का किरदार निभाकर दर्शकों को पहले ही इंप्रेस कर चुकी हैं। ऐसे में सलमान खान के साथ तृषा कृष्णन की जोड़ी देखने के लिए लोग बेताब थे। मगर अब सामने आ रहीं मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अदाकारा तृषा कृष्णन के हाथ ये मूवी फिसल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक अब उनकी जगह इस मूवी में साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु की धांसू एंट्री हो चुकी है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने फिल्म इंडस्ट्री के राज खोले स्टार्स के साथ काम करने पर उनसे दोस्ती की उम्मीद ना रखें

सिद्धांत चतुर्वेदी की फिल्म 'खो गए हम कहां' हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। इस फिल्म में उनके साथ अनन्या पांडे, आदर्श गौरव भी हैं। सिद्धांत को फिल्म में निभाए गए किरदार के लिए तारीफें मिल रही हैं। ऐसे में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में उनका कोई खास दोस्त नहीं है।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'गली बॉय' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मेन लीड में नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'खो गए हम कहां' में सिद्धांत ने इमाद का किरदार निभाया। सिद्धांत ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा- मेरे लिए फिल्म का सेट एक ऐसी जगह है जहां मैं आता हूं, काम करता हूं और घर वापस चला जाता हूं। इस दौरान आपके दोस्त बनते हैं।

मैंने भी दोस्त बनाए तो हैं, पर सिर्फ दो। एक अर्जुन वरैन सिंह ('खो गए हम कहां' के डायरेक्टर) और दूसरा गौरव आदर्श। बतौर एक्टर्स हमारी जॉब्स बहुत अजीब सी होती हैं। आपको पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। अगर आप दोस्त बनाते हैं, तो उनसे मिल नहीं पाते हैं। जैसे कि ईशान खट्टर मेरा एक अच्छा दोस्त है, मगर मैं लंबे समय से ईशान से नहीं मिल पाया हूं। फिल्म इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं जो मेरे दोस्त हैं, लेकिन हमारे पास कनेक्ट करने का समय नहीं होता है।

सिद्धांत ने आगे कहा- मैंने काफी बड़े स्टार्स के साथ भी काम किया है। उनके पास मिलने का समय ही नहीं होता, इसलिए उनसे दोस्ती की उम्मीद ना रखें। मैं समझता हूं कि उन पर बहुत सारी निगाहें होती हैं। लाइफ को बैलेंस करना इतना आसान नहीं होता है। हम अक्सर इवेंट्स के दौरान मिलते हैं। इवेंट में गले मिलकर एक दूसरे का हाल-चाल पूछते हैं और फिर अपने-अपने घर वापस चले जाते हैं। मैं मानता हूं ये एक प्रोसेस की तरह है, जहां वे स्टार्स दुनिया से अलग होकर अपनी शेल में चले जाते हैं। हालांकि फिल्म इंडस्ट्री में काम करने का यही तरीका है, इसलिए मैं शिकायत भी नहीं कर रहा हूं।

सिद्धांत चतुर्वेदी इंडस्ट्री में एक आउटसाइडर हैं। ऐसे में फिट होने की बात पर उन्होंने कहा- मैं यहां बाहर से आया हूं। फिल्म इंडस्ट्री में हर कोई मेरे प्रति रिसेप्टिव (काम करने की चाहत) है। मैंने बड़े-बड़े स्टार्स के साथ काम किया है। उनका बर्ताव मेरे साथ बहुत अच्छा रहा है। मैं चाहता हूं कि आगे भी स्टार्स के साथ काम करता रहूं। इससे ज्यादा की उम्मीद करना मेरी बेवकूफी होगी। मैं अच्छी तरह समझता हूं कि हर चीज में बैलेंस बनाना मुश्किल होता है।

पुलिस की वर्दी पहने दिखे रणबीर कपूर मूंछ लगाए रोहित शेट्टी के साथ दिया पोज

रणबीर कपूर को अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता 'एनिमल' से मिली। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में तकरीबन 817 करोड़ का कलेक्शन किया। इंटरनेट पर हाल ही में रणबीर कपूर की कुछ फोटोज वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में रणबीर पुलिस की वर्दी पहने, रोहित शेट्टी के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं।

रणबीर कपूर मूंछ लगाए पुलिस की वर्दी में दिखे

रणबीर कपूर ने 'एनिमल' फिल्म में जबरदस्त परफॉर्मेंस दी। फिल्म में उनका खूंखार और अल्फा मेल का किरदार लोगों ने भी खूब पसंद किया। बुधवार से रणबीर की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। फोटोज में रणबीर पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उन्होंने मूंछ भी लगाई हुई है।

डायरेक्टर रोहित शेट्टी के साथ रणबीर एक फोटो में पोज देते भी दिखाई दिए। रणबीर और रोहित शेट्टी को साथ में देखकर फैंस अनुमान लगाने लगे कि शायद रणबीर डायरेक्टर की आने वाली

मल्टीस्टारर फिल्म 'सिंघम अगेन' में कैमियो करते नजर आ सकते हैं। फैंस को लगा कि शायद रणबीर रोहित की कॉप यूनिवर्स का हिस्सा बन सकते हैं। फोटोज देखें..

जहां एक फैन ने लिखा- हम रणबीर को इस लुक में देखना चाहते हैं। वहीं दूसरे ने लिखा- रणबीर को देखकर कॉप वाली वाइब आ रही है। बता दें, रणबीर और रोहित ने किसी फिल्म नहीं बल्कि एक एड शूट के लिए साथ में कॉलेबोरेट किया है।

डायरेक्टर रोहित शेट्टी इन दिनों 'सिंघम अगेन' की शूटिंग में व्यस्त हैं। ये एक मल्टीस्टारर फिल्म है जिसमें अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ जैसे कलाकार हैं। रोहित शेट्टी ने भी फिल्म के क्रेज को बरकरार रखने के लिए एक-एक करके सारे स्टार्स के लुक रिवील किए थे।

ये फिल्म 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें, ये रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म होगी। इसके अलावा रोहित शेट्टी अमेजन प्राइम वीडियो पर अपनी पहली वेब सीरीज- इंडियन पुलिस फोर्स की रिलीज का भी इंतजार कर रहे हैं। इस वेब सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी नजर आएंगे।

फिल्म 'सर्कस' के लिए रोहित ने अपनी गलती मानी

करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' के 8वें सीजन में रोहित शेट्टी और अजय देवगन साथ नजर आए थे। शो के दौरान रोहित ने अपनी आखिरी रिलीज 'सर्कस' की असफलता के बारे में बात की। उन्होंने कहा- हां हमसे गलती हुई। ये फिल्म कोविड के समय बनी थी।

'सर्कस' को 'सूर्यवंशी' से पहले बनाया गया था। मैं मानता हूं कहीं न कहीं एक डायरेक्टर के तौर पर मुझसे 'सर्कस' फिल्म में गलती हुई। हालांकि ये उतनी बड़ी फिल्म नहीं थी, शायद इसलिए फिल्म की रिलीज के तीन दिन बाद से ही मैं अपनी आने वाली वेब सीरीज की शूटिंग करने लगा था। बता दें, 150 करोड़ के बजट में बनी फिल्म 'सर्कस' बॉक्स ऑफिस पर एक फ्लॉप साबित हुई थी। इस फिल्म ने दुनियाभर में तकरीबन 61 करोड़ का कलेक्शन किया था।

फिल्म का फेक रिव्यू और रेटिंग करवाते हैं करण जौहर : खुलासा कर कहा- हमने ऐसे क्रिटिक्स ढूंढे हैं, जो खुद अपना नाम नहीं जानते थे

बॉलीवुड के पॉपुलर फिल्ममेकर करण जौहर ने हाल ही में फिल्म रिव्यू और रेटिंग को लेकर बड़ा खुलासा किया है। करण ने बताया है कि जब उन्होंने फ्लॉप फिल्में बनाईं तो नेगेटिव रेटिंग से बचने के लिए उन्होंने नकली रिव्यू और रेटिंग करवाए, जिससे लोगों को लगे कि फिल्म अच्छी है।

हाल ही में करण जौहर गलाटा प्लस की राउंड टेबल कन्वर्सेशन में पहुंचे थे। बातचीत के दौरान करण ने साफ कहा है कि कई बार उन्होंने बुरी फिल्में बनाईं, लेकिन फ्लॉप के डर से उन्होंने नकली पीआर टीम के जरिए फिल्म की झूठी तारीफ करवाई, जिससे लोग फिल्म देखने आएं।

उन्होंने कहा है, कई बार हमारी पीआर टीम नकली लोगों को भेजती है फिल्म की तारीफ करने के लिए। कई बार हम अच्छा वीडियो दिखाना चाहते हैं तो हम उनसे कहते हैं ये जाकर बोल दो। कई बार हम क्रिटिक, क्रिटिक, क्रिटिक करते हैं। हम ऐसे क्रिटिक्स को ढूंढते हैं, जिन्हें फिल्म पसंद आई और जिन्होंने फिल्म को 5 स्टार रेटिंग दी। फिर हम उन लोगों की रेटिंग का एक बड़ा पोस्टर बनवाते हैं। उनमें से कुछ क्रिटिक्स तो ऐसे भी होते हैं, जिन्होंने खुद अपना नाम नहीं सुना होता।

आगे करण ने कहा, सिर्फ हम ही जानते हैं कि हमने उन क्रिटिक्स को कहां से ढूंढा। हम आखिर तक हर मुमकिन कोशिश करते हैं कि फिल्म लोगों तक पहुंचे। जब कोई फिल्म एवरेज होती है तो हम उसे हिट बताते हैं। एक प्रोड्यूसर का काम फिल्म रिलीज से शुरू हो जाता है। अगर फिल्म अच्छी चल रही है तो हम बैठकर कहते हैं कि मुझे कोई इंटरव्यू देने की जरुरत नहीं है, लेकिन अगर फिल्म नहीं चल रही होती तो हमें उसके लिए लड़ना पड़ता है। आपको उसका ओरा क्रिएट करना पड़ता है।

कई बार पकड़ी जाती है चोरी

करण ने बातचीत में बताया है कि कई बार हम जो 4 लाइन्स लिखते हैं फिल्म की तारीफ में, सारे क्रिटिक वही लाइन लिख देते हैं। इससे हम पकड़े जाते हैं कि रिव्यू नकली है। फिर हमें वहां भी क्रिएटिव होना पड़ता है।

अजय देवगन ने सालों पहले लगाए थे करण पर फेक रेटिंग करवाने के आरोप

बताते चलें कि साल 2016 में करण जौहर की फिल्म ऐ दिल है मुश्किल और अजय देवगन की फिल्म शिवाय एक साथ 28 अक्टूबर 2016 को रिलीज हुई थी। क्लैश के बीच करण की फिल्म को बेहतरीन रिव्यू मिले थे, जबकि शिवाय चर्चा में नहीं थे। इस बीच अजय देवगन ने सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि करण पैसे देकर अपनी फिल्म के फेक रिव्यू करवाते हैं। इस बहस के चलते ही करण जौहर और अजय का सपोर्ट कर रहीं काजोल की दोस्ती टूटी थी।

जॉली एलएलबी-3 में दिखेगी अक्षय और अरशद वारसी की जोड़ी

अक्षय कुमार और अरशद वारसी स्टारर फिल्म जॉली एलएलबी-3 मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है। खबरों की मानें तो फिल्म की स्क्रिप्टिंग पर काम शुरू हो गया है। जॉली एलएलबी का डायरेक्शन सुभाष कपूर करेंगे। आपको बता दें जॉली एलएलबी-3 में अक्षय कुमार और अरशद वारसी कोर्ट में एक दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आएंगे। फिल्म की पिछली दोनों पार्ट्स को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म 2025 में रिलीज की जाएगी। इसकी शूटिंग कुछ महीनों बाद जयपुर में शुरू होगी। मेकर्स जल्द की फिल्म की कास्ट को लेकर अनाउंसमेंट करेंगे। अभी फिल्म के नाम को लेकर कोई पुष्टि नहीं हुई है।

जयपुर से शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग इसी साल शुरू होगी जिसकी शुरुआत जयपुर से की जाएगी। फिलहाल बाकी शूट लोकेशन फाइनल की जा रही हैं। अक्षय और अरशद के अलावा फिल्म में सौरभ शुक्ला भी प्राइमरी किरदार निभाते नजर आएंगे। हर बार की तरह वो फिल्म में इस बार भी जज की भूमिका में नजर आएंगे। अक्षय और अरशद कोर्ट में एक दूसरे के खिलाफ डिबेट करते दिखाई देंगे। फिल्म में दोनों एक्टर के बीच डिबेट के लिए बहुत ही मजाकिया सब्जेक्ट उठाया जाएगा।

इस फिल्म में ड्रामा, थ्रिल से लेकर कॉमेडी तक कई प्रकार के जॉनर होंगे। स्क्रिप्टिंग पूरी होने के बाद टीम प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर जाएगी। इस फिल्म को डिज्नी और अक्षय कुमार का प्रोडक्शन हाउस केप ऑफ गुड फिल्म्स मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं अक्षय कुमार 'जॉली एलएलबी 3' से पहले 'वेलकम टू जंगल' की शूटिंग खत्म करेंगे।

फिल्म में बराबरी के रोल में नजर आएंगे अक्षय-अरशद

इसके अलावा ये भी कहा जा रहा है कि इस फिल्म में अक्षय और अरशद दोनों का लगभग बराबरी का किरदार होगा। फिल्म में वो एक-दूसरे को टक्कर देते नजर आएंगे। बता दें अक्षय और अरशद इससे पहले 'जानी दुश्मनः एक अनोखी कहानी' (2002) और 'बच्चन पांडे' (2022) में साथ काम कर चुके हैं।

फाइटर के मेकर्स से नाराज हैं दीपिका पादुकोण, मेकर्स का फोकस सिर्फ ऋतिक रोशन पर

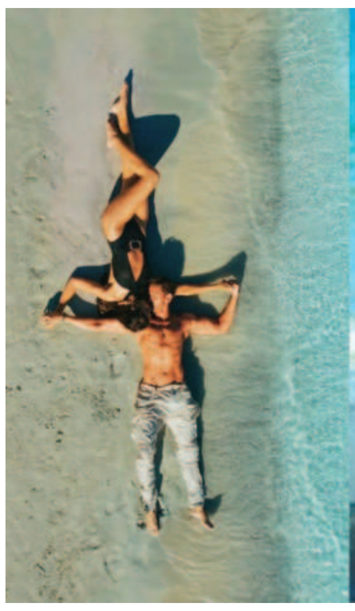

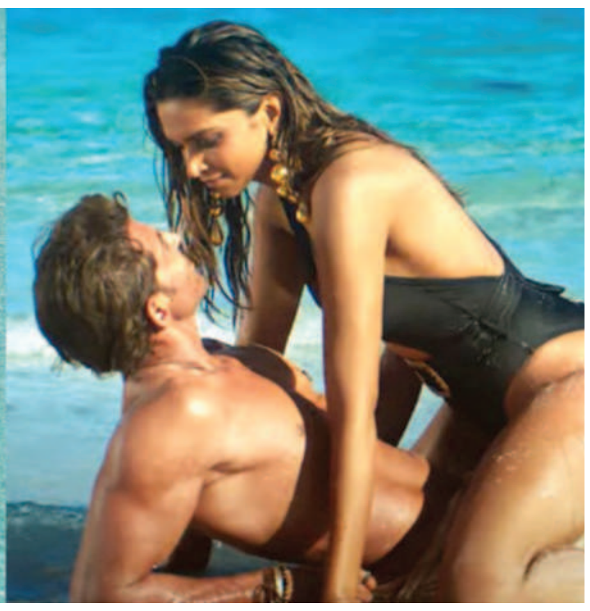

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म फाइटर इस महीने 25 जनवरी को रिलीज होने वाली है। 250 करोड़ में बनी इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया जा चुका है, हालांकि फिल्म को कोई बज नहीं है। इससे मेकर्स चिंतित हैं। फिल्म के टीजर और गाने को मिले ठंडे रिएक्शन से मेकर्स ने अब प्रमोशन एक्सपेंस पर लिमिट लगा दी है। हाइप क्रिएट करने के लिए मेकर्स चाहते थे कि शाहरुख फिल्म में कैमियो करें, लेकिन उन्होंने भी इनकार कर दिया है। वहीं दीपिका पादुकोण भी मेकर्स से नाराज हैं।

शाहरुख ने क्यों किया फाइटर में कैमियो करने से इनकार?

हाल ही में आई रेडिट की रिपोर्ट के अनुसार, फाइटर के डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने शाहरुख खान से रिक्वेस्ट की थी कि वो फिल्म में कैमियो करें, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। रिपोर्ट की मानें तो शाहरुख फिल्म के जॉनर की वजह से इसका हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। रेडिट की रिपोर्ट की मानें तो दीपिका पादुकोण भी फिल्म फाइटर के मेकर्स से नाखुश हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म को चर्चा में लाने के लिए मेकर्स का पूरा फोकस सिर्फ ऋतिक रोशन पर है। टीजर के बाद भी सिर्फ ऋतिक की मामूली चर्चा हुई और दीपिका का कहीं कोई जिक्र नहीं है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से लिखा गया है कि फिल्म फाइटर के गाने शेर खुल गए से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन गाना भी चर्चा में नहीं रहा। ऐसे में मेकर्स चाहते थे कि बैंग-बैंग सॉन्ग चैलेंज की तरह इस गाने को सेलेब्स की मदद से प्रमोट किया जाए। मेकर्स ने कई सेलेब्स से अप्रोच की थी कि वो इस गाने का इस्तेमाल कर वीडियो बनाएं, लेकिन कई सेलेब्स ने ये कहते हुए प्रमोशन से इनकार कर दिया कि वो पहले फिल्म का ट्रेलर देखना चाहेंगे। अब प्रमोशन के लिए ट्रेलर का इंतजार है।

भगवान परशुराम नहीं इस किरदार में नजर आएंगे ऋषभ शेट्टी!

कन्नड़ सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी ने अपनी फिल्म अपकमिंग मूवी 'कांतारा' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। ऋषभ शेट्टी के टीजर के सामने आने के बाद उनके 'कांतारा 2' होने वाले रोल को लेकर खूब चर्चा हो रही है। पहले दावा किया जा रहा था कि 'कांतारा 2' में ऋषभ शेट्टी भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं। तो अब वहीं अब मीडिया रिपोट्र्स में दूसरे किरदार को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

टीचर में ऋषभ शेट्टी का लुक देख लोग उनके दीवाने हो गए। टीचर के बाद 'कांतारा 2' में एक्टर के किरदार को लेकर चर्चा शुरू हो गई। पहले बोला जा रहा था कि 'कांतारा 2' में भगवान परशुराम का किरदार निभाने वाले हैं। लेकिन अब नई मीडिया रिपोट्र्स में कहा जा रहा है कि 'कांतारा 2' में ऋषभ शेट्टी भगवान शिव के रोल में नजर आ सकते हैं।

जापान भूकंप में फंसे थे जूनियर एनटीआर! हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर बताया, भूकंप के झटकों से गहरे सदमे में

जहां पूरी दुनिया नए साल का जश्म मना रही थी, वहीं जापान में 1 जनवरी को 7.6 तीव्रता का भूकंप आया। जापान के इशिकावा शहर में तबाही मच गई, जिसमें कई लोगों की जान चली गई है। अब जूनियर एनटीआर ने हाल ही में एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि वो भी नए साल की शुरुआत करने के लिए जापान गए हुए थे, जब वहां भूकंप आया है। जूनियर एनटीआर ने बताया कि भूकंप के झटकों से वो गहरे सदमे में हैं। जूनियर एनटीआर ने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है, आज में जापान से वापस आ चुका हूं और भूकंप के झटकों से गहरे सदमे में हूं। मैंने जापान में पूरा एक सप्ताह बिताया है। भूकंप पीड़ितों के लिए मेरी संवेदना। लोगों के लचीलेपन के लिए बहुत शुक्रगुजार हूं। उम्मीद करता हूं कि सब जल्द ही स्वस्थ हो जाएं। मजबूत बने रहो जापान। फिल्म आरआरआर के बाद जूनियर एनटीआर जल्द ही फिल्म देवारा में नजर आएंगे। ये फिल्म इसी साल रिलीज होने वाली है। इसके अलावा जूनियर एनटीआर बॉलीवुड फिल्म वॉर 2 में भी नजर आएंगे। ये उनकी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म होने वाली है।

अरबाज के बेटे के साथ नजर आई रवीना की बेटी राशा, यूजर्स ने लगाए डेटिंग के कयास

अरबाज खान के बेटे अरहान खान और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी इन दिनों खबरों में छाए हुए हैं। दरअसल हाल ही में दोनों एक साथ घूमते हुए नजर आए। राशा और अरहान को साथ देखकर यूजर्स उनके डेटिंग के कयास लगा रहे हैं। बता दें इसके पीछे की वजह उनकी वायरल वीडियो है जिसमें दोनों साथ में नजर आ रहे हैं। इससे पहले दोनों अरबाज की शादी में भी नजर आए थे। अरबाज और राशा की मां रवीना पुराने दोस्त हैं।

अरहान खान और राशा थडानी एक साथ नजर आए

2 जनवरी, 2024 को अरहान खान और राशा थडानी एक साथ घूमते नजर आए। अरहान सफेद टी-शर्ट और ब्राउन ट्राउजर में डैपर लुक में नजर आए, जबकि राशा डेनिम ब्लू जींस के साथ ब्लैक ऑफ-शोल्डर टॉप में स्टाइलिश दिखीं। पैपराजी को देखकर दोनों जल्दी से अपनी कार की तरफ जाते हैं। अरहान आगे की सीट पर बैठते हैं, उनके पीछे राशा बैठती हैं। वैसे तो दोनों दोस्त हो सकते हैं, लेकिन नेटिजन्स उनके डेटिंग की अफवाहें उड़ा रहे हैं। इसी बीच अरहान खान बाइक पर बैठकर पैपराजी की फोटो क्लिक करते हुए नजर आए थे। ये

वीडियो भी उनकी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

अरबाज खान और शूरा खान की शादी में राशा थडानी मां रवीना के साथ नजर आई थीं। अरबाज की शादी बहन अर्पिता खान के घर में हुई थी। राशा थडानी अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। फिल्म का डायरेक्शन अभिषेक कपूर करेंगे। रिपोट्र्स के मुताबिक, ये एक्शन-एडवेंचर फिल्म फरवरी 2024 में रिलीज होगी। वहीं अरहान ने मां मलाइका के वेब शो मूविंग विद मलाइका में पिछले साल काम किया था।

बिपाशा बसु को 'काली बिल्ली' कहने के दावे पर फूटा था करीना कपूर का गुस्सा, इंटरव्यू में उगला सच

बॉलीवुड स्टार करीना कपूर खान और बिपाशा बसु 2020 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस रही थीं। दोनों ने साल 2001 में आई अक्षय कुमार और बॉबी देओल स्टारर फिल्म अजनबी में साथ काम किया था। हालांकि इसी दौरान दोनों के बीच सेट पर हुए कैट-फाइट की खबरों ने जमकर सुर्खियां बटोरी थीं। उस वक्त 'अजनबी' के सेट पर करीना कपूर खान के फैशन डिजायनर विक्रम फडनीस ने बिना उनकी सहमति के बिपाशा बसु को मदद करने की कोशिश की थी। जिसके बाद करीना कपूर खान आग बबूला हो गईं। जिसके बाद कथित तौर पर दोनों का सेट पर ही बुरा झगड़ा हुआ और करीना ने बिपाशा पर हाथ तक उठा दिया था। साथ ही

एक्ट्रेस ने उन्हें 'काली बिल्ली' तक कहकर पुकार दिया।

बिपाशा बसु को करीना कपूर खान ने कहा था 'काली बिल्ली'

इन रिपोट्र्स ने उस दौर में काफी बवाल मचाया था। बाद में बिपाशा बसु ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि मीडिया ने तिल का ताड़ बना दिया। एक्ट्रेस ने कहा था, 'मेरे साथ कभी कोई मुद्दा नहीं रहा। वो डिजायनर के पास गई थीं। और मुझे नहीं पता मुझे क्यों इसमें खींचा गया। ये काफी नया था।' इसके बाद बिपाशा बसु ने अपनी बात जारी रखते हुए करीना कपूर खान संग कभी काम न करने की कसम खा ली थी। कुछ मीडिया रिपोट्र्स की मानें तो करीना कपूर खान का बर्ताव बिपाशा बसु के गले नहीं उतरा था। वो इस घटना से काफी आहत थीं।

करीना कपूर खान ने किया था ये खुलासा

इस मुद्दे पर साल 2002 में करीना कपूर ने फिल्मफेयर को दिए एक इंटरव्यू में एक बार फिर बिपाशा बसु पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, 'उनके (बिपाशा बसु) अंदर अपने टैलेंट को लेकर ही कॉन्फिडेंस नहीं है। उन्होंने 4 पन्ने का इंटरव्यू दिया जिसमें 3 पन्ने उन्होंने मेरे बारे में ही बात की। आपने अपने काम के बारे में क्यों बात नहीं की? मुझे लगता है कि उनके दावे सिर्फ फेम पाने के लिए हैं कि उन्होंने अजनबी के सेट पर मुझसे डिजायनर विक्रम फडनीस को लेकर लड़ाई की। उन्होंने बयान दिया कि मैंने उन्हें रेसिस्ट नाम से बुलाया। अब आप उनके विचारों की गहराई समझ सकते हैं।'

बिपाशा बसु ने कॉफी विद करण में कही ये बात

इसके बाद इस घटना पर अदाकारा बिपाशा बसु ने कॉफी विद करण के एक एपिसोड में भी बात की थी। उन्होंने बताया, 'सही बताऊं तो मुझे फिल्म को लेकर किसी तरह के पूर्वाग्रह नहीं थे। जब मैं फिल्म के सेट पर पहुंची तो स्विटजरलैंड गईं जहां 80 लोगों की यूनिट थी। हर कोई मुझसे बात कर रहा था। ऐसा नहीं की सब जरूरत से ज्यादा अच्छे थे। मगर सब बात कर रहे थे। करीना से बात करना थोड़ा मुश्किल था। मगर मुझसे हर कोई बात कर रहा था। फिल्म के दूसरे शिड्यूल में ही मुझे पता लगा कि करीना मुझे पसंद नहीं करती।' इसके आगे अपनी बात जारी रखते हुए अदाकारा ने कहा था, 'उन्होंने मुझसे बात करना बंद कर दिया। लेकिन इसने मेरी जिंदगी मुश्किल नहीं बनाई। क्योंकि जब कोई इंसान अपने विचारों के साथ क्लियर होता है कि वो मुझे पसंद नहीं करता या मुझसे बात नहीं करना चाहता तो दरअसल, ये मेरे लिए अच्छा है।

शाहरुख खान की 'भक्षक' में जर्नलिस्ट बनीं भूमि पेडनेकर

पहले शाहरुख खान करने वाले थे भूमि का किरदार

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'भक्षक' की शूटिंग पूरी कर ली है, मेकर्स ने 2 साल पहले 2022 में फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। बता दें फिल्म की कहानी सच्ची घटना से प्रेरित है साथ ही महिलाओं के खिलाफ किए जाने वाले अपराधों की हकीकत से भी जुड़ा हुआ है। शाहरुख खान ने बिहार की वास्तविक घटनाओं पर आधारित एक गंभीर थ्रिलर फिल्म भक्षक बनाने का फैसला लिया था। फिल्म की शूटिंग कोविड के समय में शुरू की गई थी और इसकी शूटिंग 2022 में ही पूरी हो गई थी। वहीं अब फिल्म की रिलीज होने की खबर सामने आई है। भक्षक में भूमि के अलावा एक्टर संजय मिश्रा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

फिल्म 2 घंटे 16 मिनट 47 सेकंड लंबी है। बता दें फिल्म अगले कुछ महीनों में रिलीज होगी और फिल्म मार्च के अंत या अप्रैल तक रिलीज हो सकती है। फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है। रिपोट्र्स के मुताबिक, 'भक्षक' बिहार के विवादित मुजफ्फरपुर शेल्टर होम केस पर आधारित एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होगी। इस शेल्टर होम में रहने वाली दर्जनों असहाय लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार, बलात्कार और अत्याचार की खबरें सामने आई थीं। देश में आक्रोश और विरोध के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मामले को अपने हाथ में लिया था। मामले में 2020 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्य आरोपी ब्रजेश ठाकुर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

आपको जानकर हैरत होगी कि फिल्म 'भक्षक' में जो किरदार भूमि निभा रही हैं। पहले वो किरदार शाहरुख खान खुद निभाने वाले थे। लेकिन उस दौरान कोविड आ गया था, फिर उनकी बाकी बड़े बजट वाली फिल्म 'पठान' और 'जवान' की शूटिंग शुरू हो गई तो शाहरुख की प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म में पुरूष की जगह महिला पत्रकार की भूमिका में बदलते हुए भूमि पेडनेकर को फिल्म में लिया।

कौन हैं जर्नलिस्ट संतोष सिंह

बता दें कि फिल्म में भूमि जो किरदार निभा रही हैं, वो संतोष सिंह से इंस्पायर्ड है। महिलाओं के साथ हो रहे अपराध को सामने लाने में इनका बहुत बड़ा योगदान था। संतोष रोसड़ा में अखबार से पत्रकारिता की शुरुआत करते हुए पटना तक का सफर तय कर कशिश न्यूज के संपादक तक बनें।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट:सोना 63 हजार और चांदी 72 हजार के नीचे आई

कैरेट के हिसाब से गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)।सोने-चांदी के दामों में आज यानी, 4 जनवरी को गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम सोना 204 रुपए सस्ता होकर 62,809 रुपए पर आ गया है। वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 47,107 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। चांदी में भी आज गिरावट देखने को मिली है। ये 947 रुपए सस्ती होकर 71,744 रुपए प्रति किलो ग्राम पर आ गई है। इससे पहले ये

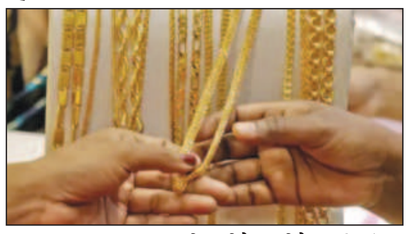

72,691 रुपए पर थी। बीते महीने 4 दिसंबर को चांदी 77 हजार के पार पहुंच गई थी। यानी, एक महीने में चांदी करीब 6,000 रुपए सस्ती हो चुकी है।

2023 में 8 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ सोना

साल 2023 की शुरुआत में सोना 54,867 रुपए प्रति ग्राम पर था जो 31 दिसंबर को 63,246 रुपए प्रति ग्राम पर पहुंच गया था। यानी साल 2023 में इसकी कीमत में 8,379 रुपए (16%) की तेजी आई। वहीं चांदी भी 68,092 रुपए से बढ़कर 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

कर्ज ले नहीं सकते तो फिर धारावी का कैसे कायाकल्प करेंगे गौतम अडानी, आखिर कहां से आएगा पैसा?

मुंबई 4 जनवरी (एजेंसियां)।मुंबई का धारावी स्लम एरिया, जो एशिया में सबसे बड़ा झुग्गी-झोपड़ी वाला इलाका है। करीब 16 साल पहले इसके रीडेवलपमेंट को लेकर प्लानिंग बनी थी, लेकिन कई कारणों से ये काम पूरा नहीं हो सका। अब देश के दूसरे सबसे अमीर इंसान गौतम अडानी ने धारावी के पुनर्विकास का बीड़ा उठाया है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद पहले संकट में पड़ा अडानी समूह इस भारी-भरकम प्रोजेक्ट के लिए पैसा कहां से लाएगा, जबकि इसके लिए वह कर्ज ले नहीं सकता है। धारावी का रीडेवलपमेंट 'संजीवनी पर्वत' को उठाकर लाने जैसा काम है। इस पूरी परियोजना की प्लानिंग के लिए हाल ही में अडानी ग्रुप ने हफीज़ कॉन्ट्रैक्टर को शामिल किया है। इसके लिए एक स्पेशल

कंपनी बनाई गई है।

अडानी नहीं ले सकते कर्ज

इस प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप ने नवंबर 2022 में महाराष्ट्र सरकार से ठेका हासिल किया था। इसके लिए 5,069 करोड़ रुपए का शुरुआती इक्विटी निवेश किया गया। इस प्रोजेक्ट के नियम-शर्त एकदम साफ हैं। रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए अडानी ग्रुप कहीं से भी कर्ज नहीं ने सकता है। इसलिए उसे इंटरनल सोर्स से ही पैसा जुटाना होगा या नए तरीके चुनने होंगे। वहीं अडानी ग्रुप से जुड़े सोर्स का कहना है कि फिलहाल ऐसी स्थिति नहीं आई है कि ग्रुप को मार्केट से पैसे उठाने पड़ें। अगर जरूरत पड़ी तो अडानी ग्रुप इंटरनल सोर्स और एसपीवी में हिस्सेदारी बेचकर अन्य कंपनियों को शामिल करेगा और उससे पैसा जुटाएगा।

अडानी के पास होंगे ये ऑप्शन

पैसे जुटाने के लिए अडानी ग्रुप के पास इस एरिया के डेवलपमेंट के बाद वहां कमर्शियल और रेजिडेंशियल हब बनाने की आजादी होगी। धारावी का इलाका करीब 600 एकड़ में फैला है। इसकी एक बाउंड्री दुनिया के सबसे प्रीमियम ऑफिस स्पेस में से एक बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से जुड़ती है। एक अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन पास में बन रहा है। यानी ये मुंबई का सबसे प्राइम लैंड है।ये रीडेवलपमेंट धारावी को मुंबई का दूसरा बीकेसी बना सकता है। एक बार यहां के लोगों का पुनर्वास पूरा हो जाएगा तो डेवलपर के पास 20 से 30 प्रतिशत लैंड फ्री बचेगा, जो करीब 30 लाख वर्ग फुट एरिया होगा। इतने प्राइम लोकेशन पर इतनी बड़ी जमीन खाली मिलने के बाद ये इलाका एक नया कमर्शियल और प्रीमियम रेजिडेंशियल हब बन सकता है। पुनर्वास पूरा होने के बाद अडानी ग्रुप इस जमीन को मार्केट रेट के हिसाब से डेवलप करने के लिए फ्री होगा। अडानी ग्रुप की कोशिश है कि धारावी का पुनर्विकास वहां फल-फूल रहे बिजनेस और एंटरप्रेन्योर्स को ध्यान में रखकर किया जाए। उसकी कोशिश वहां रह रहे लोगों को ना सिर्फ बेहतर

इंडिगो से सफर करना सस्ता होगा:1000 रुपए तक कम हो सकती है टिकटों की कीमत

एयरलाइन ने फ्यूल चार्ज वसूलना बंद किया

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)।बजट एयरलाइन इंडिगो ने आज यानी, गुरुवार 4 जनवरी से टिकटों पर फ्यूल चार्ज वसूलना बंद कर दिया है। एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की लगातार बढ़ रही कीमतों के कारण इंडिगो ने अक्टूबर 2023 की शुरुआत में फ्यूल चार्ज वसूलना शुरू किया था। एटीएफ किसी एयरलाइन के ऑपरेटिंग खर्च का एक बड़ा हिस्सा होता है। एटीएफ की कीमतें बढ़ने से लागत बढ़ जाती है। फ्यूल चार्ज हटने के बाद अब फ्लाइट टिकट सस्ती हो सकती है। अभी तक फ्यूल चार्ज के तौर पर 300 रुपए से लेकर 1000 रुपए तक वसूले जा रहे थे। रोजाना 1900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है इंडिगो इंडिगा के पास 320 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है। अपने बेड़े के साथ इंडिगो रोजाना 1900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है। ये एयरलाइन 81 डोमेस्टिक डेस्टिनेशन और 32 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन को कवर करती है। भारत में सबसे ज्यादा मार्केट शेयर इंडिगो का ही है।दूसरी तिमाही में इंडिगो को 188.9 करोड़ का मुनाफा हुआ था। 5 साल में यह पहला मौका था जब एविएशन कंपनी को किसी भी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में मुनाफा हुआ था। आम तौर पर इस तिमाही को एविएशन इंडस्ट्री के लिए कमजोर मांग वाला सीजन माना जाता है।अक्टूबर में फ्यूल चार्ज लगाने से पहले इंडिगो के शेयर की कीमत 2400 रुपए के करीब थी जो अब बढ़कर 3000 के करीब पहुंच गई है। यानी 3 महीने में स्टॉक करीब 25% बढ़ चुका है। शेयर में तेजी के कारण मार्केट कैप के हिसाब से इंडिगो 13 दिसंबर को दुनिया की 6वीं सबसे बड़ी एयरलाइन बन गई थी। इंडिगो ने अमेरिका की यूनाइटेड एयरलाइंस को पीछे छोड़ दिया था।

मार्क जुकरबर्ग ने मेटा के आधा अरब डॉलर के शेयर बेचे

नई दिल्ली 4 जनवरी (एजेंसियां)। मार्क जुकरबर्ग ने दो साल के बाद 2023 के अंतिम दो महीनों में मेटा प्लेटफॉर्म्स के लगभग आधा अरब डॉलर के शेयर बेचे, इस दौरान कंपनी के शेयर की कीमत सात साल में सबसे कम हो गई। मंगलवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, मेटा के मुख्य कार्यकारी ने 1 नवंबर से साल के अंत के बीच हर कारोबारी दिन शेयर बेचे, इस दौरान लगभग 42.8 करोड़ डॉलर में लगभग 1.28 मिलियन शेयर बेचे गए। औसतन, प्रत्येक बिक्री में $10.4 मिलियन डॉलर के शेयर बिके, जिसमें 28 दिसंबर को सबसे अधिक 17.1 मिलियन डॉलर के शेयर बेचे गए। इससे पहले जुकरबर्ग ने नवंबर 2021 से मेटा के शेयर नहीं बेचे थे। कंपनी के शेयर की कीमत 2022 के अंत में सात साल के निचले स्तर से पिछले साल 194% बढ़ी थी। मेटा शेयरों ने पिछले साल एनवीडिया कॉर्प को छोड़कर हर अन्य प्रमुख तकनीकी दिग्गज से बेहतर प्रदर्शन किया और अब यह सितंबर 2021 के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, 39 वर्षीय जुकरबर्ग मेटा के लगभग 13% शेयरों के मालिक हैं और उनकी कुल संपत्ति लगभग 125 बिलियन डॉलर है, जिससे वह दुनिया के सातवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

जुकरबर्ग की ओर से मेटा के शेयरों की बिक्री पर टिप्पणी के अनुरोध का कंपनी की ओर से जवाब नहीं दिया। टेक जगत में जुकरबर्ग के समकक्ष मार्क बेनिओफ ने भी 2023 की दूसरी छमाही में लगभग हर दिन शेयर बेचे। सेल्सफोर्स के सह-संस्थापक ने इस अवधि के दौरान 475 मिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के शेयर बेचे। इस दौरान हर दिन लगभग 15,000 शेयर बेचे गए जिनका मुल्य लगभग 3 मिलियन डॉलर था।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, शानदार तेजी के साथ बंद हुआ सेंसेक्स-निफ्टी

रियल एस्टेट स्टॉक्स में भारी खरीदारी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिनों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में फिर से रौनक लौट आई है। निवेशकों की तरफ से बैंकिंग, एनर्जी, एफएमसीजी और मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बाजार में शानदार तेजी देखने को मिली है। निफ्टी मिड कैप इंडेक्स 800 अंकों के उछाल के साथ रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 491 अंकों के उछाल के साथ 71,847 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 141 अंकों के उछाल के साथ 21,658 अंकों पर बंद हुआ है। आज के ट्रेड में किसी भी सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट नहीं रही। बैंकिंग, एफएमसीजी, एनर्जी, मीडिया आईटी, ऑटो, फार्मा, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्ससेक्टर के स्टॉक्स शानदार तेजी के साथ बंद हुए। सबसे बड़ी तेजी रियल स्टॉक्स में देखने को मिली है। रियल स्टॉक्स का इंडेक्स निफ्टी रिएल्टी 6.72 फीसदी के उछाल के साथ अपने लाइफटाइम हाई पर क्लोज हुआ है। निफ्टी का मिड कैप इंडेक्स और स्मॉल इंडेक्स में भी रिकॉर्ड तेजी रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 18 तेजी के साथ और 12 गिरकर बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 29 शेयर तेजी के साथ और 21 गिरावट के साथ क्लोज हुए। भारतीय शेयर बाजार में शानदार तेजी के चलते लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन रिकॉर्ड हाई पर जा पहुंचा है। बीएसई डेटा के मुताबिक लिस्टेड कंपनियों का स्टॉक्स 368.43 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले कारोबारी सत्र में 365.10 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था। यानि आज के ट्रेड में मार्केट कैपिटलाइजेशन में 3.33 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखने को मिली है। आज के कारोबार में बजाज फाइनेंस 4.30 फीसदी, एनटीपीसी 3.51 फीसदी, इंडसइंड बैंक 2.90 फीसदी, एक्सिस बैंक 2.45 फीसदी, पावर ग्रिड 1.94 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि एचसीएल टेक 1.29 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.96 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.88 फीसदी, विप्रो 0.83 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

अयोध्या-दिल्ली के लिए आज से शुरू होगी वंदे भारत, चलेगी हफ्ते में 6 दिन, किराया होगा इतना

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)।अयोध्या में राम मंदिर की तैयारियां जोरों-शोरों से हो रही हैं। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा होनी है, जिसके चलते देशभर में सभी लोग अलग-अलग तरह की तैयारियां कर रहे हैं। ये ट्रेन हफ्ते में 6 दिन चलेगी। अयोध्या धाम जंक्शन-आनंद विहार टर्मिनल वंदे भारत एक्सप्रेस को अप-डाउन के लिए गाड़ी नंबर 22425 और 22426 असाइन किया गया है। यह ट्रेन हफ्ते में 6 दिन अयोध्या और दिल्ली के बीच दौड़ लगाएगी। नॉदर्न रेलवे- लखनऊ डिवीजन के अनुसार, आनंद विहार टर्मिनल से सुबह के 6 बजकर 10 मिनट पर खुलेगी दिल्ली से अयोध्या की दूरी तय करने में 8 घंटे 20 मिनट का समय लगेगा। रास्ते में ट्रेन कानपुर सेंट्रल और लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर रुकेगी। दोनों स्टेशनों पर ट्रेन का हाल्ट 5-5 मिनट के लिए होगा। यह ट्रेन कानपुर सेंट्रल 11 बजे पहुंचेगी, जबकि चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंचने का समय 12 बजकर 25 मिनट है।वापसी की ट्रेन अयोध्या धाम जंक्शन से शाम के 3 बजकर 20 मिनट पर खुलेगी। यह ट्रेन रात के 11 बजकर 40 मिनट पर आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल से अयोध्या तक का वंदे भारत एक्सप्रेस में चेयरकार का किराया 1625 रुपए है। जबकि एक्जीक्यूटिव चेयरकार का किराया 2965 रुपए है। अगर आप इस ट्रेन के चेयरकार में कानपुर सेंट्रल से अयोध्या धाम तक का सफर करना चाहते हैं तो आपको 835 रुपए खर्च करने होंगे।

बेहतर फसल से गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.4 करोड़ टन होने की उम्मीद, अच्छे तापमान से आएगी तेजी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। फसल सत्र 2023-24 में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.4 करोड़ टन होने की उम्मीद है। 2022-23 में 11.05 करोड़ टन उत्पादन हुआ था। भारतीय खाद्य निगम के चेयरमैन अशोक के मीणा ने कहा, फसल बेहतर रहने और तापमान के अच्छे होने से गेहूं उत्पादन में तेजी आएगी। गेहूं की रबी सीजन की अंतिम बुवाई अभी चल रही है, जो अगले हफ्ते तक जारी रहेगी। अब तक 3.25 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई हुई है। मीणा ने कहा, हमारा अनुमान है कि इस साल फसल के कुल क्षेत्र में वृद्धि होगी। कृषि मंत्रालय ने इसी आधार पर रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का अनुमान जताया है।

उन्होंने कहा, गेहूं की बुवाई के रकबे में वृद्धि देखी जा रही है। कुछ राज्यों में एक फीसदी की कमी थी, जो जनवरी के पहले सप्ताह में पूरी हो जाएगी। अगर उत्पादन स्तर यही रहा तो हम अपनी जरूरत से अधिक और अगले वर्ष के लिए खुला बाजार बिक्री योजना के लिए जरूरी अतिरिक्त भंडार भी खरीद पाएंगे। योजना के तहत जून, 2023 से अब तक 59 लाख टन गेहूं बेचा जा चुका है और मार्च तक बिक्री जारी रहेगी।

नहीं बढ़ेगी चावल की कीमत

मीणा ने कहा, खुले बाजार में चावल की कीमतों में वृद्धि दिख रही है, लेकिन हम ओएमएसएस के जरिये भारी मात्रा में चावल उपलब्ध करा रहे हैं। ऐसे में कीमत नहीं बढ़ने की उम्मीद है। एफसीआई साप्ताहिक नीलामी के जरिये 29 रुपये प्रति किलोग्राम पर सिर्फ 1.45 लाख टन चावल ही बेच सका है। एफसीआई ने अब तक 3.1 करोड़ टन चावल खरीदा है और लक्ष्य 5.2 करोड़ टन का है।

लोगों को दूसरे का खाना खिलाकर खुद बना ली 2000 करोड़ की दौलत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)।आपने आज तक कई सक्सेस स्टोरी सुनी और पढ़ी होंगी, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि कोई खाना खिलाकर भी करोड़पति बन सकता है? जी हां आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिसने लोगों को खाना खिलाकर करोड़ों रुपए 2000 करोड़ की नेटवर्थ बना ली है। जोमैटो के दीपिंदर गोयल को कभी लाइन में लगकर खाना लेना पड़ता था, लेकिन अब वो खुद लोगों के घरों तक खाना पहुंचा कर करोड़ों रुपए कमा रहे हैं।

दरअसल गोयल जब ऑफिस में काम करते थे तो कैफेटेरिया में लंच टाइम में भीड़ लग जाती थी। पूरा स्टाफ मेन्यू देखने के लिए लंबी कतार में लगा रहता। इससे समय बर्बाद होता और कई बार ढंग का खाना भी नहीं मिलता था। दिक्कत सबको थी, मगर समाधान क्या हो, कोई नहीं जानता था।तब दीपिंददर ने एक आइडिया लगाया। उन्होंने ऑफिस कैफेटेरिया का मेन्यू स्कैन किया और एक वेबसाइट बनाकर उस पर डाल दिया। मेन्यू के ऑनलाइन होने से उस पर हिट बढ़ने लगे। दीपिंदर का भी हौसला बढ़ा। उन्होंने इसी से प्रेरित होकर कुछ अच्छा करने की सोची।दीपिंदर ऐसी वेबसाइट बनाना चाहते थे जिससे

दिल्ली के सारे होटल और रेस्टोरेंट की जानकारी लोगों को घर बैठे मिल जाए। उन्होंने अपने दोस्त प्रसून जैन के साथ मिलकर फूडलेट नाम से एक वेंचर शुरू किया। फिर कुछ समय बाद प्रसून मुंबई चले गए और फूडलेट को चलाने में दिक्कतें आने लगीं। इसके बाद फूडीबे बनाया जिससे देशभर में 2000 रेस्टोरेंट इसपर लिस्ट हुए। फिर बिजनेस बड़ा बनाने के लिए ज़रूरी है, उस पर लगातार ध्यान देना। 2010 में ही फूडीबे का नाम बदलकर उन्होंने जोमैटो रख दिया।जोमैटो कमाती कैसे है? दरअसल इसके रेवेन्यू के कई तरीके हैं। सबसे पहला, रेस्टोरेंट एडवर्टाइजमेंट। अपने ऐप पर किसी रेस्टोरेंट की विजिबिलिटी बढ़ाने के लिए कंपनी पैसे लेती है। यह ऐड भी ऐप पर चलाती है जिससे इसे करीब 75 फीसदी तक आय होती है। दूसरा है डिलीवरी फीस। उपभोक्ताओं से कंपनी डिलीवरी फीस चार्ज करती है जिसे डिलवरी पर्सन और कंपनी में बांट लिया जाता है।

2028 से भारत नहीं करेगा दालों का आयात

वेब पोर्टल के जरिए किसानों से डायरेक्ट होगी खरीद - अमित शाह

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)।दिसंबर 2027 तक दलहन के उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला किया है। देश के किसान ज्यादा से ज्यादा अरहर दाल की खेती कर सकें इसके लिए सरकार ने एक बड़ी स्कीम लॉन्च की है। सरकार की एजेंसियां नाफेड और एनसीसीएफ ने एक वेब पोर्टल लॉन्च किया है जिसपर अरहर दाल का उत्पादन करने वाले किसान रजिस्टर कर न्यूनत्तम समर्थन मुल्य पर ऑनलाइन अरहर दाल बेच सकते हैं। किसानों को उनके उपज का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में डीबीटी के जरिए किया जाएगा। गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस वेब पोर्टल को लॉन्च किया है। अमित शाह ने कहा, चना दाल और मूंग को छोड़कर दूसरे दालों के उत्पादन में भारत आत्ममिर्भर नहीं है। बाकी दलहनों के लिए भारत आयात पर निर्भर है। उन्होंने कहा, दाल का आयात करना भारत के लिए कतई सम्माजनक नहीं है। अमित शाह ने दिसंबर 2027 से पहले भारत दलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा और जनवरी 2028 से भारत एक किलो भी दाल का आयात नहीं करेगा। वेबपोर्टल को लॉन्च करते हुए अमित शाह ने कहा कि, नाफेड और एनसीसीएफ के वेब पोर्टल पर किसानों को दलहन की खेती करने से पहले रजिस्टर कराना होगा। फसल के उत्पादन के बाद किसान अपने अरहल दाल को एमएसपी पर ऑनलाइन पोर्टल पर बेच सकते हैं।

उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए किसानों के उनके दलहन का भुगतान किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि अगर तब दाल की कीमत एमएसपी से ज्यादा है तो तब सरकार ज्यादा कीमत देने के लिए फॉर्मूला निकालेगी। उन्होंने किसानों से वेब पोर्टल पर जरूर रजिस्टर कराने को कहा भले ही दालों के उत्पादन के बाद वे अपने उपज को बाजार में ही क्यों ना बेचें जहां उन्हें ज्यादा कीमत मिले। लेकिन एमएसपी से कम कीमत होने पर उनकी उपज को नाफेड और एनसीसीएफ जरूर खरीदेगी ये सरकार की गारंटी है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	में
चंद्र-	तुला	में
मंगल	धनु	में
बुध-	वृश्चिक	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	वृश्चिक	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
धनु....	05-24	बजे
मकर..	07-32	बजे
कुंभ...	09-22	बजे
मीन...	11-00	बजे
मेष--	12-36	बजे
वृष--	14-20	बजे
मिथुन..	16-20	बजे
कर्क...	18-33	बजे
सिंह...	20-44	बजे
कन्या..	22-51	बजे
तुला....	00-57	बजे
वृश्चिक.	03-08	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-51 सूर्यास्त. -17-51
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - 23 -46 - तक उपरान्त दशमी
मास - पौष कृष्ण पक्ष, शुक्रवार 05 January
नक्षत्र - चित्रा - 19 - 49 - तक उपरान्त स्वाति
योग - सुकर्मा - 06 - 47 - पूर्ण दिन-रात तक
करण- तैतिल - 11 -00 - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - रविवार को एकादशी व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:58 से 12:21 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:51 - 08:12	शुभ	रोग.	17:51 - 19:31	अशुभ
लाभ	08:12 - 09:35	शुभ	काल.	19:31 - 21:08	अशुभ
अमृत	09:35 - 10:58	शुभ	लाभ	21:08 - 22:45	शुभ
काल.	10:58 - 12:21	अशुभ	उत्पात	22:45 - 24:21	अशुभ
शुभ.	12:21 - 13:44	शुभ	शुभ	24:21 - 01:58	शुभ
रोग	13:44 - 15:08	अशुभ	अमृत	01:58 - 03:35	शुभ
उत्पात	15:08 - 16:31	अशुभ	चंचल	03:35 - 05:12	शुभ
चंचल	16:31 - 17:51	शुभ	रोग	05:12 - 06:51	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
बदलाव आपके कैरियर में संकेत दे रहे है, लेकिन ये परिवर्तन आपको आनंद देगा। आपको नयी नौकरी की पेशकश मिल सकती है, या एक नए विभाग में आपको स्थानांतरित किया जा सकता है। पदोन्नति का भी संकेत मिल रहा है। आप अपनी नई जिम्मेदारियों से प्यार करेंगे और अपने आप को साबित करने के लिए उत्साह से भर जाएंगे। आप अपनी कार्य क्षमताओं से हर किसी को प्रभावित करेंगे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है। काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है। आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे। अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप लंबे समय से एक ही परियोजना पर काम कर रहे है, इसलिए आपका दिन आज आपको नीरस लग सकता है। ये आपकी प्रगति के लिए हानिकारक है, इसलिए जितनी जल्दी हो सके बदलाव लाने के लिए आप कोशिश करे। हालांकि तब तक अपने सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण रिश्ते का आनंद लें क्योंकि उनमें से एक बहुत सुरक्षित रूप से आपको संगठन से बाहर का रास्ता खोजने में मदद कर सकता है!

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आज के दिन आपका दृढ़ संकल्प और आपकी कठोर मेहनत रंग लाएगी। ये मेहनत आपके उच्च अधिकारीयों को दिखेगी जो की आपके आगे बढ़ने के लिए एक माध्यम बनेगी। इस चीज़ में आपका भाग्य का कम जबकि आपकी मेहनत और लग्न का ज्यादा हाथ होगा। ये समय आपके करियर की उड़ान का समय है और आपको ये सुनिश्चित करना है की आप इस समय का पूरा सदुपयोग करे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है, लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें। आपको एक ऐसे व्यक्ति की बात सुननी पड़ सकती है।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,
दिन की शुरुआत में ही अपने सभी कार्य खत्म करने की कोशिश करे! आपको दिन के उत्तरार्द्ध में काम करने का मौका नहीं मिलेगा। किसी भी क्रय या विक्रय में सावधानी बरते अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आपको अपनी इच्छा शक्ति पर एक मजबूत नियंत्रण करना होगा, ताकि आप अपने खर्च को संतुलित कर पाए।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है। खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें। आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है, पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है। आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है। लेकिन विश्वास रखे। आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप का निशाना तीर पर जाकर लगेगा और आपने जो चाहा था वो आपको मिलेगा। बस आप अपना धैर्य बनाए रखें क्यों की आपके बैठने की जगह में परिवर्तन आ सकता है या आपको एक नयी जगह पर कार्य करना पड़ सकता है। आपकी धारणा के विपरीत इस नए कार्यालय में आपके आत्मविश्वास और स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है। आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

क्या इसी महीने लागू होगा सीएए ?

नियम क्या हैं, मुस्लिम क्यों डरे, 4 साल से कैसे अटका पडा है

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। सीएए देश का कानून है, जिसे लागू करने से हमें कोई रोक नहीं सकता और हम सीएए को लागू करके रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले हफ्ते पश्चिम बंगाल की एक रैली में ये बात कही। जिसके बाद सीएए को लेकर सुगबुगाहट बढ़ गई। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि तैयारियां पूरी हैं और सीएए को लोकसभा चुनाव से काफी पहले लागू कर दिया जाएगा।

सिटिजनशिप (अमेंडमेंट) एक्ट यानी सीएए क्या है, इससे मुस्लिम क्यों डरे हैं, क्यों होता है विरोध प्रदर्शन और पिछले 4 साल से ये ठंडे बस्ते में क्यों है; इसकी पडताल करती रिपोर्ट।

बता दें कि सिटिजनशिप (अमेंडमेंट) एक्ट 2019 में पारित हुआ था। 6 महीने के अंदर नियम कानून बनाकर इसे लागू करना था, लेकिन इसके लिए 8 बार एक्सटेंशन लिया जा चुका है। पिछले कुछ दिनों से संकेत मिल रहे हैं कि इसे जल्द लागू किया जाएगा।

26 नवंबर 2023 को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा ने कहा कि सीएए का फाइनल ड्राफ्ट अगले साल 30 मार्च तक तैयार होने की उम्मीद है। वो पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना के ठाकुरनगर में मतुआ समुदाय को संबोधित कर रहे थे। 27 दिसंबर 2023 को पश्चिम

बंगाल की रैली में गृह मंत्री अमित शाह ने ये कहा कि - सीएए देश का कानून है, जिसे लागू करने से हमें कोई रोक नहीं सकता और हम सीएए को लागू करके रहेंगे। 2 जनवरी 2024 को भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम जल्द ही सीएए के नियम जारी करने जा रहे हैं, नियम जारी होने के बाद, कानून लागू किया जा सकता है और पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता दी जा सकती है।' जब उनसे ये सवाल किया गया कि क्या सीएए लोकसभा चुनाव की घोषणा के पहले लागू कर दिया जाएगा तो उन्होंने जबाव दिया कि हां, चुनाव की घोषणा के काफी पहले।

सिटिजनशिप (अमेंडमेंट) एक्ट, 2019 यानी सीएए एक कानून है जिसे 11 दिसंबर 2019 को दोनों सदनों से पारित कर दिया गया। 12 दिसंबर 2019 को राष्ट्रपति के दस्तखत के साथ ये कानून बन गया। सीएए का उद्देश्य अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान के हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई समुदायों के प्रवासियों को भारत में नागरिकता देना है। इस कानून के कुछ प्रमुख प्रावधान हैं।

सिटिजनशिप एक्ट 1955 के अवैध प्रवासियों को भारत में नागरिकता लेने से रोकता था। अवैध प्रवासी यानी ऐसे लोग जो भारत में पासपोर्ट और वीजा के बगैर घुस आए हों या फिर दस्तावेज में लिखी अवधि से ज्यादा समय तक यहां रुक जाएं। सीएए के जरिए इसमें संशोधन किया गया। नए प्रावधान के मुताबिक कोई हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई जो अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत माइग्रेट हुआ है। उसे अवैध माइग्रेंट्स नहीं माना जाएगा। वो सीएए के अंतर्गत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकता है। अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के ऐसे माइग्रेंट्स के खिलाफ अगर कोई लीगल केस चल रहा है, जिससे उसके इमिग्रेशन स्टेटस में रुकावट आ रही है। सीएए के जरिए ऐसे केसेज में लीगल इम्यूनिटी दे दी गई है। पहले प्रवासियों को नागरिकता के लिए आवेदन करने से पहले कम से कम 11 साल भारत में रहना जरूरी था। सीएए के जरिए ये अवधि घटाकर महज 6 साल कर दी गई। सीएए में एक प्रावधान ये भी है कि अगर कोई प्रवासी भारत के किसी कानून को तोड़ता या कोई अपराध करता है तो सरकार उसका ओवरसीज सिटीजन्स आफ इंडिया कार्ड वापस ले सकती है। ये कार्ड प्रवासी भारतीयों को भारत में बिना किसी रोक-टोक के रहने और काम करने की इजाजत देता है।

भारत सरकार का सिटिजनशिप (अमेंडमेंट) एक्ट 2019 लाने का उद्देश्य अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के प्रवासियों के लिए नागरिकता के नियमों को आसान बनाना है। आसान शब्दों में कहा जाए तो भारत के मुस्लिम बहुसंख्यक पड़ोसी देशों से आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने के नियमों को आसान बनाने के लिए सरकार यह कानून लाई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2014 तक पाकिस्तान-अफगानिस्तान से 32 हजार लोग भारत आए हैं।

2019 मे सीएए पारित हुआ जिसके बाद से इसका विरोध शुरू हो गया। जामिया मिल्लिया इस्लामिया से शाहीन बाग तक, लखनऊ से असम तक; हिंसक विरोध प्रदर्शन में कई लोगों को जान भी गंवानी पड़ी। विरोध करने वालों में दो तरह के लोग थे।

पहला: असम समेत देश के पूर्वात्तर राज्यों के लोग। वहां के अधिकांश लोगों को ये आशंका है कि इस कानून के लागू होने के बाद उनके इलाके में प्रवासियों की तादाद बढ़ जाएगी। जिससे पूर्वोत्तर के कल्चर और भाषाई विविधता को नुकसान पहुंचेगा।

दूसरा: भारत के अन्य क्षेत्र के लोग सीएए का विरोध इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि इसमें मुस्लिम शरणार्थियों को शामिल नही किया गया है। इस कानून में तीनों देश से आए सभी 6 धर्म के शरणार्थियों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है जबकि मुस्लिम धर्म के लोगों को इससे बाहर रखा गया। विपक्ष का आरोप है कि इसमें खासतौर पर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया गया है। उनका तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है जो समानता के अधिकार की बात करता है।

बीजेपी ने कहा कि केंद्र सरकार सीएए के माध्यम से बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के प्रभावित अल्पसंख्यक समुदायों को राहत देना चाहती है। मुस्लिम समुदाय इन देशों अल्पसंख्यक नहीं, बल्कि बहुसंख्यक है। यही कारण है कि उन्हें सीएए में शामिल नहीं किया गया। देश के मुस्लिमों को असली डर सीएए से नहीं, बल्कि एनआरसी से है।

2019 में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि नागरिकता संशोधन कानून के लागू होने के बाद सभी शरणार्थियों को नागरिकता दी जाएगी। इसके बाद एनसआरसी यानी नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजनशिप लाया जाएगा। एनआरसी के माध्यम से भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान की जाएगी। देश की नागरिकता साबित करने के लिए किसी भी व्यक्ति को कुछ शर्तों को पूरा करना होगा या जरूरी दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। मुस्लिम समुदाय के बड़े तबके का मानना है कि सीएए लागू होने के बाद एनआरसी को लाया जाएगा जो मुस्लिम समुदाय की नागरिकता को लेकर संकट पैदा करेगा। हालांकि केंद्र सरकार विज्ञापन जारी कर पुष्टि कर चुकी है कि इस कानून से पड़ोसी देशों से आने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता दी जाएगी और किसी की भी नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। सीएए को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 200 से ज्यादा जनहित याचिकाएं दायर की गईं थी। 19 दिसंबर 2019 को उस वक्त के चीफ जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर पहली बार सुनवाई करते हुए कहा था कि सरकार का पक्ष जाने बगैर कोर्ट इस पर कोई निर्णय नहीं लेगी। जिसके बाद सरकार ने इस कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक एफिडेविट भी प्रस्तुत किया था, जिसमें सीएए को कानून का अंग बताकर इसका बचाव किया गया था। 6 दिसंबर 2022 के बाद इस मामले कोई सुनवाई नहीं हुई, जिसके बाद से ही याचिकाएं अभी भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं।

सीएए कानून पर 12 दिसंबर 2019 को मुहर लग गई थी। इसके बाद सरकार ने इस कानून को लागू करने वाले नियम बनाने के लिए समय मांगा था। तब से लेकर अब तक सरकार नियम बनाने की इस समय सीमा को 8 बार बढ़ा चुकी है। जिसके चलते सरकार को इस कानून का समर्थन कर रहे लोगों का विरोध भी झेलना पड़ा है।

हालांकि इन नियमों को बनने में देरी क्यों हो रही है इस पर सरकार ने स्पष्ट कुछ नहीं कहा है। गृहमंत्री अमित शाह अपने एक पुराने बयान में कहा था कि महामारी के कारण नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करने में देरी हो रही है। वहीं कानून के पास होने के बाद नॉर्थ ईस्ट समेत देशभर में हुआ हिंसक विरोध भी कानून के लंबित होने का कारण हो सकता है।

गृहमंत्री अमित शाह और सरकार के अन्य मंत्री की मौकों पर यह कह चुके हैं कि सीएए को जल्द ही लागू कर दिया जाएगा। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट की मानें तो इस कानून को लागू करने वाले नियम तैयार किए जा चुके हैं। जल्द ही नागरिकता से जुड़ी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया जाएगा। जिसे यूजर मोबाइल एप के माध्यम से भी प्रयोग कर सकता है। हालांकि ये नियम क्या होंगे इस बारे में अभी कोई खुलासा नहीं किया गया है।

सीएएफ के जवान ने की आत्महत्या की कोशिश

जगदलपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कोंडागांव जिले के कुदुर कैम्प में पदस्थ जवान ने गुरुवार की सुबह अपने सर्विस गन से खुद को गोली मारकर आत्महत्या की कोशिश की है। घटना की जानकारी लगते ही आला अधिकारियों की टीम आ पहुंचे। वहीं, घायल जवान को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया है। जहां से बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किये जाने की बात कही जा रही है। घायल जवान वीरेंद्र चिंदा सिहावा नगरी धमतरी का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि 5वीं बटालियन एफ कंपनी में पदस्थ सीएएफ जवान कोंडागांव के कुधूर कैंप में पदस्थ था, गुरुवार की सुबह करीब 7.30 बजे के लगभग अचानक से कैंप में गोली की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद साथी जवान बैरक की तरफ पहुंचे। साथियों ने लहूलुहान हालत में घायल जवान को जमीन पर पड़ा हुआ देखा, जिसके बाद उसे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गए।

पांच साल बाद फिर लगेगा राजिम कुंभ मेला

शिमला, मनाली के तर्ज पर बनेगा मॉल रोड, मंत्री बृजमोहन के कई बड़े फैसले

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद पांच साल बाद फिर फरवरी 2024 में राजिम में कुंभ लगेगा। छत्तीसगढ़ का प्रयागराज और त्रिवेणी संगम नगरी राजिम फिर साधु-संतों के पावन सानिध्य से गुजलार होगी। छत्तीसगढ़ के मैनपाट और चैतुरगढ़ जैसे हिल स्टेशन में शिमला, मनाली की तर्ज पर मॉल रोड बनाए जाएंगे। ताकि सैलानी प्रदेश के सुंदर अद्भुत नजारों का आनंद हाईटेक सुविधाओं के साथ ले सकें। पिछले दिनों देर शाम 6 घंटे तक महानदी भवन मंत्रालय में चली मैराथन बैठक में स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेशहित में कई अहम फैसले लिए। बैठक में राजिम कुंभ मेले को भव्य तरीके से मनाने, प्रदेश की विरासत सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल करने, कक्षा 9वीं में सभी वर्ग के बच्चों को स्कूल में निःशुल्क साइकिल और 12वीं तक पाठ्य पुस्तकों के निःशुल्क वितरण के भी निर्देश दिए गए।

भव्य तरीके से आयोजित होगा राजिम कुंभ मेला

मंत्री अग्रवाल ने सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल कराने के लिए जरूरी प्रयास करने एवं राजिम कुंभ मेला की तैयारी के संबंध में जानकारी लेकर इसके आयोजन को भव्य बनाने की व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। राजिम मंदिर के चारों ओर परिक्रमा पथ बनाने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को राज्य के मेला महोत्सव को बढ़ावा देने के निर्देश भी जारी किए हैं, ताकि मेला को पर्यटन की तर्ज पर बढ़ावा मिल सके। उन्होंने पर्यटन के प्रचार-प्रसार और विकास को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि हम छत्तीसगढ़ में मैनपाट जैसे हिल स्टेशन वाले शहरों में शिमला, मनाली के तर्ज पर मॉलरोड बनाएंगे। सरगुजा के रामगढ़ और चैतुरगढ़ जैसे स्थानों

का विकास हिल स्टेशन के रूप में करेंगे ताकि यहां राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को लुभा सके। अग्रवाल ने पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य के सभी पर्यटन स्थलों एवं मेले महोत्सवों के विकास पर विशेष ध्यान दें।

बृजमोहन अग्रवाल ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हम प्रदेश में पर्यटन को उद्योग का दर्जा देकर व्यवसायों को बढ़ावा देंगे और रोजगार के नए अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम 'छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग सेल' की स्थापना कर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन में राज्य की छवि को बेहतर कर राज्य की पर्यटन क्षमता को बढ़ाने का काम करेंगे। उन्होंने घोषणा पत्र में शामिल 'प्रदेशवासियों को श्री रामलला दर्शन' कराने के लिए अधिकारियों को निश्चित कार्ययोजना बनाने के लिए आईआरसीटीसी एवं बस ट्रांसपोर्ट्स, होटल मैनेजमेंट आदि की तैयारी करने और राम वन गमन परिपथ योजना के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए हैं।

मंत्री अग्रवाल ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में बेहतर शिक्षा प्रदान करना हमारा मकसद है। हमारी सरकार किसी भी योजना को लेकर पूर्वाग्रह से कार्य नहीं करेगी। व्यवस्था पहले से बेहतर और स्थाई हो ताकि विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल हो, इसी सोच के साथ हम आगे बढ़ेंगे। अग्रवाल ने विभागों की भर्ती एवं नियुक्ति प्रक्रिया पारदर्शी रखने के संबंध में सख्त हिदायत दी और कहा किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, यदि ऐसा हुआ तो दोषी पाए जाने पर कठोर कार्यवाही होगी।

पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए एससी के आदेश की हो रही अवहेलना

सीएम को कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

कबीरधाम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ के प्रदेश प्रतिनिधि मंडल ने सीएम विष्णुदेव साय और कवर्धा विधायक डिप्टी सीएम विजय शर्मा से अलग - अलग समय में मुलाकात कर विभिन्न विषयों को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

कबीरधाम जिला अध्यक्ष आसकरण सिंह धुर्वे ने बताया कि पदोन्नति में आरक्षण देने सुप्रीम कोर्ट के आदेश होने के बाद भी बीते कई वर्षों से आरक्षित वर्ग के बैकलाग के हजारों पदों को भरा जा रहा। स्थिति ऐसी हो गई कि भविष्य में आरक्षित वर्ग के शासकीय सेवकों को पदोन्नति का लाभ नही मिल पाएगा।

परिणाम यह होगा कि अपने मूल पद से ये सेवानिवृत होंगे। साथ ही पद रिक्त नहीं होने से आरक्षित वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को प्रतिनिधित्व का अवसर नहीं मिल पाएगा। ऐसे नियम विरुद्ध पदोन्नति देने वाले विभागाध्यक्षों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। संघ ने बैकलाग, स्थानीय भर्ती, रोस्टर पालन, ढाई लाख की आय सीमा, फर्जी जाति प्रमाण पत्रधारियों के खिलाफ कार्रवाई समेत अन्य मांग किया। इस मौके पर कबीरधाम जिला कोषाध्यक्ष शिवराम सिंह श्याम, जिला सचिव रोहित कुमार धुर्वे, डमरूधर मांझी समेत प्रदेश के प्रतिनिधि मौजूद थे।

लोकसभा चुनावों से पहले 'जातिगत जनगणना' पर कांग्रेस का फोकस

झारखंड में सरना धर्म को देंगे मान्यता

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम अहमद मीर ने बुधार को झारखंड में जातिगत जनगणना की वकालत की। पार्टी के झारखंड प्रभारी मीर लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की संगठनात्मक ताकत का जायजा लेने के लिए मंगलवार दोपहर यहां पहुंचे। उन्होंने चुनावों की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस की विभिन्न इकाइयों के साथ कई बैठकों की अध्यक्षता की। जिसमें विधायक दल और राजनीतिक मामलों की समिति के अलावा लोकसभा सीट प्रभारियों के साथ भी बैठक हुई। विधायक दल की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मंत्री आलमगीर आलम, रामेश्वर ओरांव, बन्ना गुप्ता और बादल पत्रलेख मौजूद थे। एक बयान में कहा गया, राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

को सीट बंटवारे पर अंतिम फैसले लेने के लिए अधिकृत किया गया। यह भी फैसला किया गया कि जिसे भी उम्मीदवार बनाया जाएगा, पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उसका समर्थन करेंगे और उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेंगे। विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए मीर ने कहा, 'हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी चाहते हैं कि झारखंड में भी जातिगत जनगणना होनी चाहिए, ताकि वंचित लोगों के लिए सरकारी योजनाओं और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।' उन्होंने कहा, ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण और सरना को एक अलग धर्म के रूप में मान्यता देने जैसे प्रस्ताव राज्य विधानसभा में पारित होने के बाद मंजूरी के लिए केंद्र के पास भेजे गए हैं।

उन्होंने कहा, 'केंद्र इन महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर अब भी निष्क्रिय बैठा है। यह झारखंड के आदिवासियों के साथ धोखा है। इस संदेश को लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है।'

70 लोगों से धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बस्तर पुलिस के द्वारा वर्ष 2021 से लगातार फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, इन आरोपियों के द्वारा 70 के लगभग लोगों को पैसा डबल करने के नाम पर पैसा लेने की बात कही थी, जिसके बाद लोगों का पैसा नहीं मिलने पर मामला दर्ज कराया गया था, गबन के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को बडी सफलता मिली है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि प्रार्थी वेकेंटेश्वर राव निवासी महारानी वार्ड जगदलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सात अगस्त 2021 को जोगेन्द्र यादव उर्फ जूगनू पिता स्व. मयाराम यादव एवं उसकी पत्नि अरूणा यादव व भाई उत्तम यादव निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी लालबाग के द्वारा शहर के विभिन्न शासकीय एवं गैर शासकीय, व्यापारियों से डेली कलेक्शन, मासिक कलेक्शन कर वार्षिक भुगतान में दुगुना रकम देना बताकर 70 लोगों से कुल 3,03,12,808 रूपये सभी से जमा करवाये और अभी तक रूपये वापस नहीं किया गया है। जमा पैसे को किसी को न देकर अभिकर्ता जोगेन्द्र यादव उर्फ जूगनू, अरूणा यादव व उत्तम यादव के द्वारा राशि गबन कर सभी लोगों के साथ धोखाधाड़ी किया गया है, प्रार्थी के रिपोर्ट पर तीनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना कोतवाली में धारा 409, 420, 34 भादवि का अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया। थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों का पता तलाश किया गया।

दो हथियारबंद बदमाशों ने डॉक्टर को अगवा करने की कोशिश की, गिरफ्तार

जमशेदपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के जमशेदपुर शहर में एक डॉक्टर का अपहरण करने की कोशिश कर रहे दो हथियारबंद बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बुधवार को कहा कि घटना मंगलवार रात को हुई। ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर बिमरजीत प्रधान गोलमुरी बाजार के पास एक मरीज को देखने के बाद अपनी कार की ओर जा रहे थे। तभी आरोपियों ने बंदूक की नोंक पर उन्हें अपनी कार में धकेलने की कोशिश की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) किशोर कौशल ने कहा कि आरोपियों के पास से एक कट्टा और 8 मिमी बोर के दो कारतूस बरामद किए गए। एसएसपी ने कहा कि आरोपियों की पहचान अशोक कुमार सिंह

और रविशंकर सिंह के रूप में हुई है। दोनों बिहार के बेगूसराय के मूल निवासी हैं। दोनों पर शस्त्र अधिनियम और आईपीसी की धारा 364 (अपहरण) और 307 (हत्या का प्रयास) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आईएमए ने की डॉक्टरों के लिए पर्याप्त सुरक्षा की मांग

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की स्थानीय इकाई ने इस घटना की निंदा करने के साथ आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। आईएमए ने शहर में डॉक्टरों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की। आईएमए के एक पदाधिकारी ने बताया कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने घटना की जानकारी ली और पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

भाजपा बोली जैसा दिख रहा वैसा है नहीं

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड राजनीतिक उठा पटक के बीच भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि जैसे दिख रहा है सब कुछ वैसा नहीं है। भाजपा ने दावा किया है कि कल की बैठक में विधायकों से सादे पन्ने पर हस्ताक्षर कराए गये हैं। एक तरफ भाजपा सभी सात मोर्चों की संयुक्त बैठक कर रही, तो दूसरी तरफ हेमंत सरकार पर सवाल भी खड़े कर रही है। आज इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी मौजूद हैं। बैठक शुरू होने से पहले पत्रकारों ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी से राज्य के मौजूदा राजनीतिक हालात पर सवाल किया।

छत्तीसगढ़ से भूपेश बघेल सहित कई कांग्रेसी दिल्ली में

रायपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में कांग्रेस की बड़ी बैठक गुरुवार को यानी आज होने वाली है। इसमें छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल होंगे। बैठक में प्रमुख चर्चा भारत न्याय यात्रा को लेकर होगी। जिन राज्यों से ये यात्रा जाएगी वहां के नेताओं से विशेष रूप से चर्चा की जाएगी।

बता दें कि दिल्ली में होने वाली इस बैठक में देशभर से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्षों को शामिल होने के लिए कहा गया है। महंत नए साल से ही दिल्ली में हैं, बैज भी दिल्ली में हैं। भूपेश बघेल गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे दिल्ली पहुंचेंगे। भारत न्याय यात्रा को लेकर जो रोडमैप है, किन राज्यों में क्या गतिविधियां होंगी, किस राज्य में कितने दिन और कहां-कहां यात्रा जाएगी, इन सभी विषयों पर चर्चा होगी। इस बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस की यह बैठक दोपहर दो बजे से एआईसीसी में शुरू होगी। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ-साथ राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। 2 बजे से शुरू होकर यह बैठक शाम 5 बजे तक चलेगी। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले भारत न्याय यात्रा की शुरुआत करेंगे। ये यात्रा छत्तीसगढ़ की 5 लोकसभा सीट रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा होते हुए उत्तर प्रदेश के वाराणसी की ओर आगे बढ़ेगी। हालांकि यात्रा का फाइनल रोड-मैप अभी आना बाकी है। प्रदेश में यह यात्रा ओडिशा होते हुए रायगढ़ से प्रवेश करेगी।

अमेरिकी कोर्ट में महिला जज पर लात-घूंसों से हमला

आरोपी ने जज की चेयर पर छलांग लगाई, जेल भेजे जाने के फैसले से नाराज था

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के लास वेगास की कोर्ट में महिला जज पर हमला हुआ। आरोपी ने अपनी बेंच से जज की चेयर पर छलांग लगाई और मारपीट करने लगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना डिस्ट्रिक्ट काउंटी कोर्ट की है। आरोपी जेल भेजे जाने के फैसले से नाराज था, जिसके बाद उसने लात-घूंसों से जज की पिटाई की।

हमास ने मोर्चे पर 170 बच्चे तैनात किए

इजराइली सेना ने वीडियो-फोटो जारी किए, मौत से बचने के लिए आतंकी बंकरों में छिपे

तेल अवीव, 4 जनवरी (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुई इजराइल हमास जंग में आतंकी गाजा के फिलिस्तीनी बच्चों को धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं। ये आरोप पहले भी लगते रहे हैं। हालांकि, पहली बार इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) ने इसके वीडियो और फोटोज जारी किए हैं।

आईडीएफ का दावा है कि 170 से ज्यादा बच्चे इजराइली सेना के खिलाफ अलग-अलग मोर्चों पर तैनात किए गए हैं। इनमें से कुछ की तो पहचान भी की जा चुकी है। हालांकि, इस आईडेंटिटी को पब्लिक नहीं किया जाएगा।

बच्चों को वेपन्स ट्रेनिंग

आईडीएफ के मुताबिक- हमास के आतंकी खुद की पहचान छिपाकर बच्चों को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। इस ट्रेनिंग में रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल भी शामिल है, जो कई बार फायर करने वाले के लिए भी बेहद खतरनाक साबित होता है। जिन बच्चों की ट्रेनिंग की तस्वीरें आईडीएफ ने जारी की हैं, उनमें से कुछ के हाथ में सेमी-ऑटोमैटिक गन भी नजर आ रही हैं। आईडीएफ ने सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो जारी किए। कैप्शन में लिखा- आतंकवाद कोई जन्म से ही नहीं सीख जाता। इसे सिखाया जाता है। वीडियो में साफ तौर पर नजर आता है कि बच्चों को लेकर हमास के आतंकी टनल्स से गुजर रहे हैं और उनके हाथों में हथियार हैं।

इजराइली सेना ने कहा- इस जंग में हमास ने बच्चों को भी फ्रंटलाइन्स पर झोंक दिया है। हमास के आतंकी खुद की जान बचाने के लिए शेल्टर्स में छिप गए हैं। हैरानी की बात ये है कि बच्चों के हाथ में रॉकेट लॉन्चर्स जैसे हथियार हैं और ये उनके लिए जानलेवा साबित हो सकते हैं।

स्कूलों में आतंकवाद का पाठ

इजराइली फौज ने दावा किया है कि गाजा के स्कूलों में इजराइल और यहूदियों से नफरत का पाठ पढ़ाया जाता है और इसके सैकड़ों सबूत उसके पास मौजूद हैं। कितनी हैरानी की बात है कि इजराइली और यहूदी नागरिकों की हत्या को इंसाफ बताया गया है। इजराइली सेना के एक आला अफसर ने फॉक्स न्यूज चैनल से कहा- हम अपने बच्चों को समर कैम्प में उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने वाली एक्टिविटीज सीखने के लिए भेजते हैं।

पाकिस्तान को आईएसआईएस से खतरा

गृह मंत्रालय ने कहा- अल्पसंख्यकों पर हमले करा रहा आतंकी संगठन, पुलिस ने आतंकी हमले की आशंका जताई

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आतंकी संगठन आईएसआईएस पाकिस्तान में अपनी पैठ जमाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने वहां की सीनेट (राज्यसभा) को ये जानकारी दी है।

मंत्रालय ने कहा है कि अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद वहां की सत्ता आतंकी संगठन तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर लगाम लगाने में नाकामयाब रही है।

तहरीक तालिबान पाकिस्तान टीटीपी अपनी ताकत बढ़ाने के लिए, दूसरे आतंकी संगठनों से मदद ले रहा है। बीते कई दिनों से पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी आतंकवादियों की गतिविधियां काफी बढ़ी हैं। बलूचिस्तान में भी टीटीपी की मौजूदगी है। आतंकी संगठन पूरे देश में अपना नेटवर्क फैला रहा है।

नतीजा ये हुआ है कि इससे पाकिस्तान में इस्लामिक स्टेट की मौजूदगी का खतरा बढ़ गया है। आईएसआईएस सांप्रदायिक संघर्ष को भड़काने के लिए शियाओं और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों पर आतंकी हमले कर रहा है।

पाकिस्तान के सभी इलाकों से आतंकियों की भर्ती

तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के सभी प्रांतों से आतंकियों की भर्ती कर रहा है। उन्हें ट्रेनिंग दे रहा है और फिर फिदायीन हमले करा रहा है। पाकिस्तान इंस्टिट्यूट फॉर पीस स्टडीज की रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में आतंकी हमलों में हुआ 82 फीसदी मौतों के जिम्मेदार टीटीपी, इस्लामिक स्टेट खोरसान (आईएस-के) और बलूच लिबरेशन आर्मी हैं।

बॉर्डर तोड़ पाकिस्तान में घुस रहे आतंकी

गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक अफगानिस्तान-पाकिस्तान की तरफ से घुसने वाले आतंकियों को रोकने के लिए पाकिस्तान अपने पश्चिमी बॉर्डर पर फेंसिंग (घेराबंदी) कर रहा है। इसका काम लगभग पूरा हो चुका है। हालांकि, टीटीपी और

आईएसआईएस के लड़ाके फेंसिंग तोड़ कर पाकिस्तान में घुसपैठ कर रहे हैं।

पाकिस्तान ने मार्च 2017 में अफगानिस्तान बॉर्डर पर घेराबंदी का काम शुरू किया था। तब अफगानिस्तान की तरफ से पाकिस्तान में खूब आतंकी हमले किए जा रहे थे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच 2640 किलोमीटर के बॉर्डर को डुरंड लाइन भी कहा जाता है। नवंबर 2022 में आतंकियों ने सीजफायर खत्म कर दी थी। तब से पाकिस्तान में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं।

पाकिस्तान में हो सकता है आतंकी हमला

टीटीपी और आईएसआईएस के खतरे के बीच पाकिस्तान की पुलिस ने जमीयत उलेमा पार्टी के चीफ मौलाना फजलुर रहमान के बेटे को एक आतंकी हमले की चेतावनी दी है। मौलाना असद महमूद से कहा गया है कि वो कम से कम लोगों के बीच जाएं। डेरा इस्माइल खान पुलिस स्टेशन के सब डिविजन पुलिस ऑफिसर ने कहा है कि आतंकी उनके घर पर भी हमला कर सकते हैं।

दरअसल, पिछले साल भी पेशावर में जमीयत उलेमा की रैली में आतंकी हमला हुआ था। इसमें 44 लोगों की मौत हो गई थी। मौलाना असद को कहा गया है कि वो अपनी मूवमेंट की सारी जानकारी सिक्योरिटी ऑफिशियल्स को देंगे।

कोलंबिया में 100 साल बाद दिखी हनीक्रीपर चिड़िया

आधी नर-आधी मादा होती है, बर्ड वॉचर ने बनाई वीडियो

बोगोटा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कोलंबिया में 100 साल बाद म्युटेंट हनीक्रीपर नाम का चिड़िया दिखी है। यह पक्षी आधा नर और आधा मादा होता है। वर्ड वॉचर ने इसकी तस्वीर खींची है।

धमाके से मरने वालों की संख्या 103

सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खुमैनी ने बदले की कसम खाई, ईरान में राष्ट्रीय शोक

तेहरान, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान के केरमन शहर में बुधवार को दो धमाकों में 103 लोग मारे गए, 141 लोग घायल हुए हैं। धमाके रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (ईरान की सेना) के पूर्व जनरल कासिम सुलेमानी के मकबरे पर हुए। देश में गुरुवार को राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। ईरान के हेल्थ मिनिस्टर ने कहा है कि ये ईरान की धरती पर हुआ अब तक का सबसे बड़ा आतंकी हमला है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक दोनों धमाकों के बीच 20 मिनट का अंतर था। पहला धमाका सुलेमानी के मकबरे से 700 मीटर दूर हुआ। दूसरा धमाका, सिक्योरिटी चेक पोस्ट के करीब हुआ। दरअसल, बुधवार को कासिम सुलेमानी की मौत की चौथी बरसी थी। सुलेमानी को 2020 में अमेरिका और इजराइल ने बगदाद में एक मिसाइल अटैक में मार गिराया था।

ईरान में हुए धमाकों की अब तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ईरान अकसर अपने देश में होने वाले हमलों के पीछे ईरान को जिम्मेदार ठहराता है। हालांकि, एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक ये हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के तरीकों से किया गया है।

ईरान की न्यूज एजेंसी तसनीम के मुताबिक विस्फोटकों से भरे 2 ब्रीफकेस कब्रिस्तान के बाहर मेन गेट के पास रखे गए थे। इनमें रिमोट कंट्रोल की मदद से ब्लास्ट किया गया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक- जब सिक्योरिटी फोर्स मौके पर पहुंचने लगीं तो भीड़ में दूसरा धमाका हुआ।

जेफ्री एपस्टीन की सेक्स पार्टी में थे स्टीफन हॉकिंग

जिस्मफरोशी की पीड़िता का आरोप, जेफ्री ने कहा था- बिल क्लिंटन को जवान लड़कियां पसंद

न्यूयॉर्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में न्यूयॉर्क की कोर्ट ने गुरुवार को अरबपति और जिस्मफरोशी के दोषी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े मामले की कानूनी कार्यवाही के कुछ दस्तावेज सार्वजनिक किए हैं।

इनमें 170 लोगों के नाम जारी किए गए हैं जो कथित तौर पर जेफ्री एपस्टीन की सेक्स पार्टियों से जुड़े थे। इन लोगों में पीड़ित लड़कियां, गवाह, एपस्टीन के कर्मचारी और कई आरोपी शामिल हैं। दस्तावेज में सार्वजनिक किए गए कुछ नाम हैरान कर देने वाले हैं। इनमें साइंटिस्ट स्टीफन हॉकिंग, पॉपस्टार माइकल जैकसन, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के नाम हैं।

अमेरिकी मीडिया हाउस फॉक्स न्यूज के मुताबिक कोर्ट में दिए एक बयान में एक पीड़िता वर्जिनिया गिफ्रे ने 2015 में आरोप लगाया था कि जेफ्री एपस्टीन ने उसे स्टीफन हॉकिंग के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया था। कोर्ट की तरफ से जारी किए गए दस्तावेजों में एपस्टीन का एक मेल का भी जिक्र है। जो उसने अपनी गर्लफ्रेंड और सहयोगी गिस्लीन मैक्सवेल को भेजा था। इसमें एपस्टीन ने गिस्लीन को स्टीफन पर लगे आरोप हटवाने में मदद करने की बात कही थी। जेफ्री ने कहा था कि इसके लिए पीड़िता गिफ्रे की गवाही को गलत साबित करने के लिए उसके दोस्तों और परिवारवालों को ईनाम दें।

हूती हमलों के बीच लाल सागर में श्रीलंका तैनात करेगा युद्धपोत

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने कही यह बात

कोलंबो, 4 जनवरी (एजेंसियां)। लाल सागर में लगातार व्यापारी जहाजों पर हूतियों विद्रोहियों के हमलों से लड़ने के लिए श्रीलंका एक नौसेना पोत तैनात करेगा। देश के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने जानकारी देते हुए कहा कि लाल सागर में हूती हमलों से व्यापारिक जहाज प्रभावित हुए थे। उन्होंने कहा कि अगर जहाजों को दक्षिण अफ्रीका से होकर जाने वाले मार्ग पर मोड़ दिया जाएगा, तो यह बहुत अधिक महंगा साबित होगा। इसलिए लाल सागर में जहाज पर हमला रोकने के लिए श्रीलंका नौसेना एक पोत को लाल सागर की तरफ तैनात करेगा। गौरतलब है कि वैश्विक व्यापार के लिए प्रमुख जलमार्ग की सुरक्षा में भारत समेत कई देशों के साथ श्रीलंका भी शामिल होगा।

बता दें ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने गाजा में हमास आतंकी समूह के खिलाफ हो रही सैन्य कार्रवाई के लिए इस्राइल से बदला लेने का दावा करते हुए हाल के सप्ताहों में व्यापारिक जहाजों पर 20 से अधिक हमले किए गए हैं। इन हमलों ने एशिया और यूरोप के बीच माल की लागत में तेजी से बढ़ोतरी की है।

हूती लगातार व्यापरिक जहाजों को बना रहा निशाना

टाइम्स ऑफ इस्राइल अखबार के मुताबिक, लाल सागर के बाब अल-मंडेब दक्षिणी चोकपॉइंट पर केंद्रित हूती हमलों ने उस जलमार्ग में शिपिंग को बाधित कर दिया है, जो वैश्विक व्यापार का लगभग 12 प्रतिशत वहन करता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विद्रोही समूह गाजा पट्टी में अधिक सहायता पहुंचने तक अपने हमले जारी रखेंगे। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि पिछले महीने दक्षिणी लाल सागर में हूती विद्रोहियों द्वारा ड्रोन हमलों का शिकार हुए दो जहाजों में एक भारतीय झंडे वाला कच्चा तेल टैंकर भी शामिल था।

इमरान की पार्टी को एक और बड़ा झटका

चुनाव चिह्न क्रिकेट बैट बहाल करने की मांग वाली याचिका खारिज

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को एक और झटका लगा है। यहां की एक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को चुनाव आयोग (ईसीपी) के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। बता दें, ईसीपी ने पीटीआई पार्टी के आंतरिक चुनाव और उसके 'क्रिकेट बैट' चुनाव चिह्न को रद्द कर दिया है।

लाहौर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जवाद हसन ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता उमर आफताब ढिल्लों की याचिका को अमान्य घोषित कर दिया।

ईसीपी ने 22 दिसंबर को पीटीआई के आंतरिक चुनावों को खारिज कर दिया था और पार्टी को उसके क्रिकेट बैट चुनाव चिह्न से वंचित कर दिया था। बैरिस्टर गौहर खान को दिसंबर में आंतरिक चुनावों में पार्टी का नया अध्यक्ष चुना गया था। पीटीआई ने इस फैसले को पेशावर उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। जिसने 26 दिसंबर को पीटीआई के आंतरिक चुनाव को असंवैधानिक घोषित करने के ईसीपी के फैसले को निलंबित कर दिया था। ईसीपी ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी।

इसी मामले में, तीन जनवरी को पाकिस्तान के एक उच्च न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसीपी) के उस आदेश को बहाल कर दिया, जिसमें पीटीआई पार्टी के आंतरिक चुनाव और उसके 'क्रिकेट बैट' चुनाव चिह्न को रद्द कर दिया गया था। आम चुनाव से पहले ईसीपी का यह फैसला पीटीआई के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

पीटीआई के वकील का आरोप

न्यायमूर्ति एजाज खान की अध्यक्षता में सुनवाई के दौरान पीटीआई के वकील अनवर ने कहा था कि ईसीपी कोई न्यायिक संस्था नहीं है और अपने ही फैसले के पक्ष या विपक्ष में अदालत के दखल की मांग करना अदालत की अवमानना है।

पाकिस्तान में टूटेगा इमरान के खिलाफ बना गठबंधन?

शरीफ से अलग पीपीपी ने बिलावल को बनाया पीएम उम्मीदवार

लाहौर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए क्षेत्रीय दलों ने अपनी कमर कस ली हैं। तमाम राजनीतिक दल जनसभाओं के जरिए लोगों को रिझाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने अध्यक्ष और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। पीपीपी की केंद्रीय कार्यकारी समिति (सीईसी) ने आम चुनाव के लिए पार्टी के अभियान पर विस्तार से चर्चा की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक के दौरान पार्टी के घोषणापत्र पर भी चर्चाएं की गई, जिसमें महिला सशक्तिकरण, युवा, स्वास्थ्य और शिक्षा, रोजगार को प्राथमिकता देने का फैसला लिया गया है। पीपीपी के आधिकारित सोशल मीडिया अकाउंट से बैठक की तस्वीरों को साझा करते हुए एक पोस्ट जारी किया गया। इस तस्वीरों में सीईसी के सदस्यों ने पार्टी अध्यक्ष आसिफ अली जरदारी, अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व पर अपना विश्वास जताया है। गौरतलब है कि बिलावल भुट्टो जरदारी लाहौर (एनए-127) निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां उनका मुकाबला पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता शाइस्ता परवेज मलिक और पीटीआई समर्थित उम्मीदवार से होगा। इस दौरान बैठक में महासचिव ताज हैदर, सैयद खुर्शीद शाह, राणा फारूक सईद खान, कमर जमान कैरा, समीना

खालिद घुरकी, मुराद अली शाह समेत पीपीपी नेता उपस्थित थे। दूसरी ओर, जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी को एक और झटका लगा है। यहां की एक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को चुनाव आयोग (ईसीपी) के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। बता दें, ईसीपी ने पीटीआई पार्टी के आंतरिक चुनाव और उसके 'क्रिकेट बैट' चुनाव चिह्न को रद्द कर दिया है।

भारतवंशी सुरक्षा गार्ड को पर्स लूटने के आरोप में सजा

सिंगापुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के सुरक्षा गार्ड को पर्स लूटने के आरोप में बुधवार को तीन सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। उस पर 2300 डॉलर का सामान चुराने का आरोप सिद्ध हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, 46 साल के व्यक्ति ने अदालत को बताया था कि पिछले साल 27 अगस्त को एल्कोव कोंडोमिनियम में प्रवेश करते हुए अपना पर्स और चाबियां गिरा दी थीं। कुछ मिनट बाद एक राहगीर ने सामान को उठाकर 56 साल के ए मुरुगैया को उठाकर दे दिया। पर्स में कम से कम 500 डॉलर थे। हालांकि, मुरुगैया ने पर्स लौटाने की जगह अपने पास रख लिया और घर ले गया। अगले दिन पीड़ित ने अपने सामान के बारे में पूछताछ की और बताया कि उसका पर्स खो गया है। मुरुगैया ने आखिरकार पर्स लेने की बात स्वीकार कर ली।

29 अगस्त को मुरुगैया ने पीड़ित को चाबी के साथ ही पर्स लौटा दिया, लेकिन उसमें 490 डॉलर गायब थे। काफी मांगने के बाद भी जब सुरक्षा गार्ड ने पैसे नहीं दिए तो पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दे दी। दिसंबर में आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया। उप लोक अभियोजक एश्ले पोह ने कहा कि आरोपी ने विश्वासघात का काम किया है। उसे सुरक्षा के लिए रखा गया था। उस पर भरोसा किया गया था, लेकिन फिर भी उसने चोरी की। यह अपराध है।

चीन के छात्र की अमेरिका में साइबर किडनैपिंग

वॉशिंगटन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के यूटा शहर से साइबर किडनैपिंग का मामला सामने आया है। यहां एक चीनी छात्र को वर्चुअली किडनैप करके उसके परिवार से 66.62 लाख रुपए (80 हजार डॉलर) की फिरौती मांगी गई।

बीबीसी के मुताबिक, 17 साल का काई झुआंग 20 दिसंबर से लापता था। अब पुलिस को बर्फीले पहाड़ों पर मिल गया है। पुलिस ने कहा- काई झुआंग असल में किडनैप नहीं हुआ था। उसने किडनैपर्स के कहने पर खुद को आइसोलेट कर लिया था। वो वर्चुअल किडनैपर्स के कहने पर पहाड़ों पर रहने के लिए चला गया था। इसे आसान भाषा में फेक किडनैपिंग कह सकते हैं। इसमें किसी शख्स से पैसे निकलवाने के लिए उसके किसी करीबी की फेक किडनैपिंग होती है। यानी सिर्फ हाथ-पैर बंधे हुए फोटो-वीडियो से बिल्कुल रीयल किडनैपिंग सीन क्रिएट किया जाता है। फिर फिरौती की डिमांड होती है। बाद में पता चलता है कि किडनैपिंग हुई ही नहीं थी। बस नाटक हुआ था।

इसमें विक्टिम को जिस शख्स की फोटो या वीडियो दिखाई जाती है। ये तो फेक होती ही है। इसके अलावा उसकी आवाज भी डीप फेक टेक्नोलॉजी से कॉपी की जाती है और इसका इस्तेमाल किया जाता है।

काई झुआंग को स्काइप जैसे किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर साइबर किडनैपर्स ने कॉन्टैक्ट किया। उसे भरोसा दिलाया की उसके माता-पिता की जान को खतरा है। उससे कहा- अगर माता-पिता को बचाना है तो वैसा करो जैसा हम कहते हैं। इसके बाद किडनैपर्स ने काई से ऐसी तस्वीरें मांगी, जिसमें उसके हाथ-पैर बंधे थे और वो किसी आइसोलेटेड जगह पर था। किडनैपर्स ने ये तस्वीरें काई के घर वालों को भेज दीं। फिर फिरौती की रकम मांगी।

किडनैपर्स के कहने पर बर्फीले पहाड़ पर गया छात्र

पुलिस ने कहा- 20 दिसंबर को काई किडनैपर्स के संपर्क में आया। इसके बाद कुछ लोगों ने उसे कैंपिंग का सामान ले जाता हुए देखा था। लेकिन कोई नहीं जानता था कि वो कहां जा रहा है। इस बीच काई के पेरेंट्स के पास एक फोन कॉल पहुंचा। यह कॉल किडनैपर्स का था। उन्होंने बेटे के बदले फिरौती की मांग की।

हमास उप-प्रमुख के मौत पर हिजबुल्लाह की इजरायल को चेतावनी

कहा- इसकी सजा जरूर दी जाएगी

बेरूत, 4 जनवरी (एजेंसियां)। हमास के उप प्रमुख सलाह अल अरौरी की मौत के बाद हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह ने इजरायल को लेबनान पर युद्ध छेड़ने के खिलाफ चेतावनी दे दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हत्या का जवाब और दंड दिया जाएगा।

इजरायल को हिजबुल्लाह की चेतावनी

नसरल्लाह ने अपने संबोधन में कहा, अगर हमारे दुश्मन लेबनान पर युद्ध छेड़ने की सोचेगा तो हम भी बिना किसी रोक-टोक, नियम और बिना किसी बाधा के लड़ेंगे। हम युद्ध से नहीं डरते हैं। ईरान समर्थित लेबनान आतंकी समूह और हमास दोनों ही मंगलवार को बीरट में अरौरी की हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। नसरल्लाह ने इस हमले को बड़ा और खतरनाक अपराध बताया है।

नसरल्लाह ने धमकी दी है कि वह इसका जवाब देंगे और सजा भी देंगे। उन्होंने बताया कि अरौरी की जिस हमले में अरौरी की मौत हुई है, 2006 के बाद पहली बार दक्षिण क्षेत्रों पर इस तरह का हमला हुआ है। हिजबुल्लाह नेता ने कहा कि इजरायल ने यह संदेश भेजा था कि उनका लेबनान को निशाना बनाने का कोई इरादा नहीं है।

लेबनान के पीएम ने की आलोचना

बता दें कि मंगलवार को ड्रोन हमले में हमास नेता अरौरी की मौत हो गई। हमास ने भी इसकी पुष्टि की थी कि लेबनान में उनके डिप्टी प्रमुख को इजरायल ने मार गिराया। लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नाजीब मिकाती ने हमास नेता के मौत पर आलोचना की है। उन्होंने कहा- में दुश्मनों को बता देना चाहता हूं कि हम और इजराइली एक बयान जारी करते हुए हमास नेता के इस मौत को नया इजरायली अपराध बताया है। उन्होंने कहा कि तेल अवीव लेबनान को इस संघर्ष में घसीटना चाहता है। दरअसल, 57 वर्षीय अरौरी लेबनान का ही नागरिक था।

7 अक्टूबर के हमलावर नहीं बचेंगे

मोसाद चीफ बोले- किसी भी चैलेंज के लिए तैयार, तुर्किये में 33 इजराइली जासूस गिरफ्तार

तेल अवीव, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के चीफ डेविड बार्निया ने कहा है कि लेबनान में हमास के डिप्टी लीडर की मौत के बाद हमारे देश को धमकियां दी जा रही हैं। डेविड ने कहा- मैं दुश्मनों को बता देना चाहता हूं कि हम और इजराइली डिफेंस फोर्सेस (आईडीएफ) किसी भी चैलेंज का सामना करने तैयार हैं। मोसाद के पूर्व चीफ जेवी जामिर की अंतिम विदाई में शामिल होने के बाद डेविड ने कहा- जिन लोगों ने 7 अक्टूबर को हमारे देश पर हमला किया, उन्हें सिर्फ यह याद रखना चाहिए कि उन्होंने खुद अपनी मौत के वॉरंट पर दस्तखत किए हैं।

मोसाद चीफ के बयान के बाद आईडीएफ ने भी करीब-करीब यही कहा। लेबनान में हमास के डिप्टी लीडर की मौत के बाद आशंका है कि गाजा में हिंसा बढ़ सकती है और इसका असर पूरे अरब वर्ल्ड पर भी हो सकता है। इस बारे में पूछे गए एक सवाल पर आईडीएफ के एक अफसर ने कहा- हम किसी भी स्थिति या चैलेंज का सामना करने के लिए तैयार हैं। इजराइल अब किसी सूरत में पीछे नहीं हटेगा। हम कई बार साफ कर चुके हैं कि जिन लोगों ने 7 अक्टूबर को हमारे देश पर हमला किया था, उन्हें किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इसके लिए तैयारियां की जा चुकी हैं। वैसे, खास बात यह भी है कि इजराइली सेना हमास के डिप्टी लीडर सालेह अल अरूरी के मारे जाने पर सीधा बयान नहीं दे रही है। इजराइली फौज ने सिर्फ इतना कहा कि हालात पर पैनी नजर आ रही है। हमले का जवाब हमले से ही दिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- तुर्किये में राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन की सरकार ने देश में स्पेशल ऑपरेशन चलाकर 33 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर इजराइल के लिए जासूसी करने का आरोप है। हालांकि, ये नहीं बताया गया कि इनमें से कितने लोग इजराइली नागरिक हैं और कितने तुर्किये के हैं।

'कांग्रेस राज में बेरोजगारों को दर्द देने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा'

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के राज में राजस्थान के मान-सम्मान और स्वाभिमान को गिराने के काम हुए। प्रदेश में भाजपा की सरकार के आते ही प्रदेश की जनता के स्वामिभान और सम्मान लौटाने का काम शुरू हो गया है। कांग्रेस राज में प्रदेश के बेरोजगारों को दर्द देने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पहले प्रदेश दूसरे राज्यों के बदमाशों की शरणस्थली बन गया था। अब अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। आने वाले समय में कोई भी अपराधी राजस्थान आने की सोच भी नहीं सकेगा। मुख्यमंत्री धोद इलाके के बोसाणा गांव में विकसित भारत

संकल्प यात्रा के शिविर में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस राज में 19 में 17 पेपर लीक हो गए। इससे बेरोजगारों के साथ उनके परिजन का भी सिस्टम से विश्वास उठ गया था। भाजपा ने चुनाव के दौरान एसआईटी का वादा किया था। अब एसआईटी भी बन चुकी है और काम भी शुरू हो गया है।

कांग्रेसराज में पेपर लीक करने वालों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने कहा कि 450 रुपए में सिलेण्डर देने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बन गया है। इस दौरान वे उज्जवला व एसएसजी सहित अन्य योजनाओं की लाभार्थियों से रूबरू हुए।

खत्म होगा नकल माफिया और गुंडाराज

मुख्यमंत्री ने नागौर जिले के खिंयाला गांव में विकसित भारत संकल्प यात्रा को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय से जोड़ते हुए कहा कि अब प्रदेश अपराध मुक्त होगा, क्योंकि मोदी की गारंटी की सरकार बन गई।

पहले अपराधी बेखौफ थे, लेकिन अब अपराधियों पर नकेल कसने के लिए भी एसआइटी गठित कर दी है, अब आमजन बेखौफ रहें। प्रदेश में नकल माफिया और गुंडाराज खत्म कर देंगे।

'नये-नये राम भक्त पैदा हो गये हैं

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर क्या बोले अशोक गहलोत?

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने जा रही है, इसे लेकर बड़े पैमाने पर तैयारियां चल रही हैं. वहीं रामलला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर नेताओं के बयान भी सामने आ रहे हैं, इसे लेकर आज राजस्थान के पूर्व सीएम और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत का बयान सामने आया है. उन्होंने बीजेपी का नाम न लेते हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया है.

'बालाकोट की तरह राजनीति हो रही'

अशोक गहलोत ने कहा कि राम मंदिर का शिलान्यास राजीव गांधी ने करवाया था. लेकिन राजनीति करने के लिये नये-नये राम भक्त पैदा हो गये हैं. उन्होंने कहा कि आज मल्लिकार्जुन

खरगे और राहुल गांधी से चर्चा होगी. उन्होंने कहा कि राम मंदिर पर चुनाव जीतेने के लिये बालाकोट की तरह राजनीति हो रही है. उन्होंने बीजेपी का नाम न लेते हुए निशाना साधा है. अशोक गहलोत ने कहा कि ये लोग धर्म का फायदा उठा रहे हैं, धर्म लोगों की कमजोरी है. गहलोत ने कहा-'देश में खतरनाक खेल चल रहा है. किस पार्टी से कौन बात करें यह आज तय होगा.'

बता दें कि इसके पहले कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी रामलला की मूर्ति को लेकर सवाल किया था. कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा था, ₹...जिस राम लला की मूर्ति पर सारा झगड़ा हुआ, वो मूर्ति कहां है? वो मूर्ति स्थापित क्यों नहीं हुई?... नई मूर्ति की आवश्यकता क्या पड़ी?₹

वहीं 22 जनवरी को आयोजित राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जुड़े न्योते के इस सवाल का सीधा जवाब ना देकर उन्होंने कहा, ''मुझे भगवान राम के दर्शन के लिए किसी के न्योते की जरूरत नहीं है. भगवान राम हमारे ह्रदय में हैं.'

बता दें कि इस साल लोकसभा का चुनाव होने जा रहा है. इसे लेकर कांग्रेस और बीजेपी एक दूसरे पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं. वहीं बीते साल राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बंपर जीत मिली इसके साथ ही मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी बीजेपी में भारी मतों से जीत दर्ज की है.

बीकानेर राजपरिवार का प्रॉपर्टी विवाद थाने तक पहुंचा

बीजेपी विधायक सिद्धि कुमारी ने बुआ के खिलाफ दर्ज कराया मामला, कांग्रेस प्रवक्ता का भी नाम शामिल

बीकानेर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बीकानेर राजघराने की प्रॉपर्टी का विवाद अब पुलिस थाने तक पहुंच गया है। बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी ने अपनी बुआ और पूर्व महाराजा करणी सिंह की बेटी राज्यश्री पर धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज बनाने और गलत तथ्य पेश करने का आरोप लगाया है।

दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान सिद्धि कुमारी की ओर से दिए एफिडेविट के बाद उनकी बुआ राज्यश्री ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। इसके बाद ये विवाद गहराता गया और अब सिद्धि कुमारी ने बीकानेर एसपी तेजस्वनी गौतम को परिवाद पेश किया। इसके बाद सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुआ समेत कांग्रेस प्रवक्ता चौधरी के खिलाफ भी मामला दर्ज

एसपी को दिए परिवाद में सिद्धि कुमारी ने अपनी बुआ राज्यश्री

कुमारी पत्नी मयूर ध्वज गोहिल के साथ उनके निजी सहायक राजेश पुरोहित निवासी मुरलीधर व्यास नगर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। एफआईआर में तीन अन्य गौरव बिन्नाणी, पुखराज और ऋतु चौधरी के खिलाफ भी नामजद मामला दर्ज करवाया है। ऋतु चौधरी विधानसभा चुनाव के दौरान बीकानेर की प्रभारी थी। विधानसभा चुनावत के दौरान उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी से शिकायत कर जांच की मांग की थी।

एफआईआर में बताया- उनकी सम्पति को हड़पने के लिए राज्यश्री कुमारी, राजेश पुरोहित, गौरव बिन्नाणी, पुखराज और ऋतु चौधरी ने मिलकर धोखाधड़ी करते हुए फर्जी और गलत तरीके से दस्तावेज तैयार किए। कई जगह झूठे व गलत तथ्य भी पेश किए गए। इसमें कांग्रेस प्रवक्ता ऋतु चौधरी का भी नाम शामिल किया है। मामले की जांच सदर थाने के एसआई महेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

बीकानेर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एमएलए सिद्धि कुमारी के सहयोगी संजय कुमार ने परिवार दिया था, जिसके आधार पर सदर थाने में मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

ये है मामला, प्राचीना का उपयोग गलत बताया

दरअसल, विधानसभा चुनाव के दौरान नवम्बर महीने में विधायक सिद्धि कुमारी की बुआ और पूर्व राजपरिवार की सदस्य राज्यश्री ने चुनाव आयोग को शिकायत दर्ज कराई थी कि सिद्धि कुमारी ने गलत तथ्य पेश करते हुए सम्पति का ब्यौरा दिया है। इस शिकायत में राज्यश्री ने कहा कि एफिडेविट में कुछ तथ्यों को राज्यश्री ने छिपाया है, वहीं कुछ सम्पतियां विवादित है। राज्यश्री कुमारी ने इस शिकायत में कहा था कि जूनागढ़ परिसर में प्राचीना नाम से जिस म्यूजियम का व्यवसायिक उपयोग हो रहा है, वो रिहायशी है और इसका व्यवसायिक उपयोग गलत हो रहा है। इसका एक वाद भी अपर जिला न्यायाधीश संख्या में छह में लंबित है। राज्यश्री ने इस संपत्ति में अपना चौथाई हिस्सा होने का दावा किया था।

माउंट आबू व करणी भवन पर भी आपत्ति

राज्यश्री ने तब अपनी शिकायत में माउंट आबू में बताई गई संपत्ति पर भी आपत्ति जताई थी। करणी भवन को रिहायशी बताया गया है, जबकि वहां होटल संचालित हो रहा है। व्यावसायिक उपयोग में आ रहा है।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी को मिली जान से मारने की धमकी, आरोपी डिटेन

उदयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री और उदयपुर की झाड़ोल विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक बाबूलाल खराड़ी को जान से मारने की धमकी मिली है. व्हाट्सएप्प ग्रुप में जान से मारने की धमकी दी गई है. मंत्री ने पुलिस को इसकी सूचना दी. पुलिस ने आरोपी युवक को डिटेन किया है. आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है. एक के बाद एक चार मैसेज भेजे गए.

दरअसल झाड़ोल विधायक बाबूलाल खराड़ी ने कैबिनेट मिनिस्टर की शपथ लेने के बाद पहली बार वह रविवार को उदयपुर लौटे. उदयपुर आने के बाद उनका पहला दिन तो उदयौर और आसपास की जनता के नाम रहा. इसके बाद लगातार उनका उनके विधानसभा क्षेत्र में दौरा चल रहा है. ग्रामीण एरिया में अलग अलग कार्यक्रम ने मंत्री खराड़ी पहुंच रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं. उनके दौरे की उन्होंने सोशल मीडिया पर सूचना शेयर की थी.

उन्होंने बताया था कि ग्राम पंचायत जेड और कुकावस का जेड छात्रावास सुबह 10 बजे, ग्राम पंचायत मांडवा एवं बाख़ेल 11 बजे, कोदरमाल 12 बजे, खजुरिया विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर 12.30, धधमता विकसित भारत शिविर में 1.30 बजे और नयावास गोरकुंडा माताजी 3 बजे प्रवास कार्यक्रम है. अंतिम कार्यक्रम गोरकुंडा में हुआ, जहां नहीं आने की ही धमकी दी गई. लेकिन खराड़ी गए और कार्यक्रम हुआ.

दरअसल जिस गोरकुंडा माता जी के स्थान की बात कर रहे हैं वह कोटड़ा क्षेत्र में हैं, जो की मंत्री के झाड़ोल विधानसभा क्षेत्र में ही आता है. इसी स्थान के नाम का जय श्री मां गोरकुंडा वाली नयावा..' नाम से व्हाट्सएप ग्रुप वहीं के क्षेत्रवासियों ने बनाया हुआ है. इस ग्रुप का एक स्क्रीन शॉट वायरल हुआ. इसमें सुबह 8.17 बजे मंत्री के प्रवास कार्यक्रम का मैसेज डाला हुआ है. इसके बाद शाम 3.53 बजे मुकेश कुमार नाम से एक के बाद एक मैसेज आए. लिखा था बाबूलाल खराड़ी को बोल देना कि गोलकुंडा माताजी पर पधारने से पहले दो बार सोच ले.

इसके बाद एक और मैसेज भेजा इसको मारना है या जिंदा रहना है. तीसरा मैसेज भेजा, इसने आज तक लोगों के बारे में कभी सोचा है इसने. अंतिम और चौथा मैसेज भेजा हमारे हाथ लग गया तो मर जाएगा. जब बाबूलाल खराड़ी को इस बात की जानकारी शाम को हुई तो पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को डिटेन किया.

मानवेन्द्र सिंह ने दिए भाजपा जॉइन करने के संकेत!

बोले-देखते हैं मौसम कैसे बदलता है; हाथ का सिंबल हटाया, अटल बिहारी और पिता की फोटो लगाई

बाड़मेर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। साल 2018 में बीजेपी से खफा होकर कांग्रेस का दामन थामने वाले मानवेन्द्र सिंह के एक बयान के बाद उनके बीजेपी में फिर से शामिल होने की अटकलें तेज हो गई है। वहीं सोशल मीडिया से उन्होंने हाथ का सिंबल हटा दिया है। उसकी जगह उनके अकाउंट पर अटल बिहारी वाजपेयी और पिता जसवंत सिंह का फोटो लगाया है। उनके पिता दिवंगत जसवंत सिंह जसोल की जयंती पर उन्होंने भाजपा जॉइन करने के सवाल पर मीडिया से कहा- देखते हैं मौसम का मिजाज कैसा रहता है। पूर्व मंत्री जसंवत सिंह जसोल की जयंती पर मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा- जब तक किसी से नाता तय नहीं हो जाता है तब तक सार्वजनिक नहीं करते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बदली प्रोफाइल को लेकर किए सवाल पर कहा-

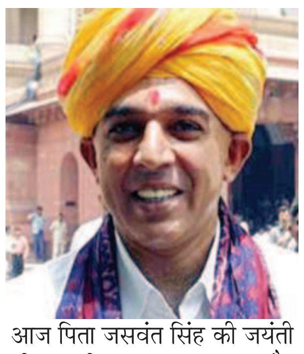

आज पिता जसवंत सिंह की जयंती थी। उन्हीं का अवसर था और उनकी सबसे घनिष्ठ मित्रता अटल जी के साथ थी। दोनों दूसरे लोक में भी साथ में हैं। उनको याद किया है। अटल जी के परिवार को भी यह फोटो बेस्ट और सुंदर लगता है। यही सोच कर मैंने दोनों को याद करते हुए फोटो लगाया है। वहीं बीजेपी जॉइन करने के सवाल पर उन्होंने कहा- देखते हैं मौसम का मिजाज कैसा रहता है।

राजनीतिक जानकारों की मानें तो बीजेपी के भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाते ही जसवंत सिंह के बीजेपी जॉइन करने की अटकलें तेज हो गई थी। उनकी राजनीतिक अनबन वसुंधरा राजे से थी और पार्टी ने राजे को ना तो सीएम फेस बनाया और ना ही मंत्रिमंडल में कोई पद दिया। ऐसे में अब कहा जा रहा है कि बीजेपी के बड़े नेताओं के साथ मानवेंद्र सिंह से वार्ता का दौर चल रहा है। मलमास यानी 14 तारीख के बाद जसोल फिर से बीजेपी में वापसी कर सकते हैं। दरअसल, 2014 लोकसभा चुनाव में पूर्व विदेश एवं रक्षा मंत्री दिवंगत जसवंत सिंह जसोल बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन उस समय की सीएम वसुंधरा राजे ने कांग्रेस से कर्नल सोनाराम चौधरी को बीजेपी में शामिल करवाकर टिकट दिलवा दी थी।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने 67वीं राष्ट्रीय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

जयपुर

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में 67वीं राष्ट्रीय विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान दीया कुमारी ने प्रतियोगिता में भाग ले रहे 27 राज्यों के खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

दीया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई उदयमान खेल प्रतिभा योजना, फिट इंडिया कार्यक्रम, खेलो इंडिया, विशेष क्षेत्र खेल योजना, ओलंपिक पोडियम योजना जैसी कई योजनाओं से प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेलों का महा मंच मिला है। उनके प्रयासों से देश-प्रदेश के होनहार और हुनरमंद युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है। इससे युवा खेलों में भविष्य निर्माण के **साथ-साथ अपने क्षेत्र और देश का नाम रोशन कर रहा है।**

इस दौरान शासन सचिव स्कूल शिक्षा राजस्थान नवीन जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रीड़ा भारती गोपाल सैनी, राजस्थान कबड्डी संघ अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत, राजस्थान संयोजक क्रीड़ा भारती मेघ सिंह, राजस्थान रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के चेयरमैन सुरेश मिश्रा, राजस्थान प्राथमिक शिक्षा निदेशक काना राम और जिला शिक्षा अधिकारी राजेंद्र हंस भी मौजूद रहे।

खुद को लॉरेंस बिश्नोई को भांजा बताकर महंत को धमकाया, बोला- 'बीस करोड़ दे दो वरना तू तो मरा'

माधोपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले की खंडार तहसील में तोपखाना स्थित श्रीकृष्ण कृपाधाम आश्रम के महंत बालकानंद गिरी जो कि वर्तमान में सवाई माधोपुर जिले में स्थित आश्रम में सेवा कर रहे हैं, को 29 दिसंबर को एक अनजान फोन नंबर से रंगदारी वसूलने के लिए एक फोन आया। फोन करने वाले ने अपने को लॉरेंस बिश्नोई का भांजा सचिन विश्नोई बताया और 20 करोड़ की रंगदारी की मांग की।

महंत बालकानंद गिरी ने जब पुलिस को इस बात की सूचना दी तो पुलिस ने उन्हें कॉल रिकॉर्ड करने के लिए कहा। साथ ही महंत को एक सुरक्षा गार्ड भी मुहैया कराया गया। 30 दिसंबर को दोपहर 2 बजे के महंत जी के पास एक और फोन आया जिसमें उन्हें जान बचाने के लिए 20 करोड़ रुपये देने की बात कही गई। महंत

बालकानंद गिरी ने इस कॉल को रिकॉर्ड कर लिया।

फोन की रिकॉर्डिंग के अनुसार फोन करने वाले ने अपने को लॉरेंस बिश्नोई का भांजा सचिन बिश्नोई बताया और 10 मिनिट से भी ज्यादा देर तक धमकाता रहा। आरोपी ने महंत को पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर और सरकार के पास भी जाने की सलाह दे डाली और साथ ही यह भी कहा कि एसपी और कलेक्टर के भी परिवार हैं, वे तुझे बचाने नहीं आएंगे। इतना ही नहीं उसने महंत को यह भी कहा कि सुखदेव सिंह के पास सुरक्षा थी तो उसे नहीं छोड़ा। तेरे आश्रम पर इतनी गोली चलाई जाएगी कि तू सोच नहीं पाएगा। महंत द्वारा विरोध दर्ज कराने पर गाली-गलौज करके कहा कि यदि 20 करोड़ नहीं दिए तो तू मरा। आरोपी ने महंत को बताया कि हमने तेरी रेकी कर रखी है, तेरी भलाई इसमें ही है कि दो दिन में 20 करोड़ दे और हमसे अपनी सुरक्षा ले ले, पैसे देने के बाद हम तुझे सुरक्षा देंगे।

घटनाक्रम के बाद महंत ने पुलिस अधीक्षक को सूचना दी, पुलिस ने फोन करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महंत बालकानंद गिरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भी मुलाकात की और अपनी परेशानी बताई।

कमिश्नर की जनसुनवाई में पुलिस पर ही लगे आरोप

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ आज शिप्रापथ थाने में जनसुनवाई की। यहां अधिकांश मामले जमीनों से संबंधित आए हैं। इनमें घर पर जबरन कब्जा करना, किराएदार बनकर मकान मालिक को धमकाना, पार्किंग विवाद और हॉस्टल, पीजी से संबंधित मामले हैं। साथ ही एक महिला ने मानसरोवर थाने के तत्कालीन सीआई (6 महीने पहले) और मौजूदा एएसआई पर जमीन पर कब्जा करने के आरोप लगाए हैं। कुछ लोगों ने पुलिस पर ही मिलीभगत करने के आरोप लगाए। वहीं, बीजेपी पार्षद पर भी मारपीट के आरोप लगे हैं।

अधिकांश मामलों में पुलिस एफआर लगा चुकी है। जनसुनवाई के दौरान पुलिस कमिश्नर ने मामलों की फिर से जांच करने के लिए कहा। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने बदमाशों की बड़े नेताओं के साथ फोटो और वीडियो भी दिखाए। लोगों ने बताया- ये बदमाश इन फोटो और वीडियो के आधार पर डराते-धमकाते हैं। ज्यादातर मामलों में पुलिस की मिलीभगत के भी आरोप लगे। दरअसल, जयपुर पुलिस कमिश्नर की जनसुनवाई सुबह 11:30 बजे शुरू हुई थी। जो एक 1:30 बजे खत्म हो गई। शिप्रा पथ थाने से जयपुर पुलिस कमिश्नर के निकलते ही सभी अधिकारी भी निकलने लगे। मौके पर मौजूद पीड़ितों समझ नहीं आया कि आगे क्या करें। बिना सुने ही अधिकारी मौके से रवाना हो गए।

व्हिस्की ऑन व्हील्स के नाम से ऑनलाइन शराब बिक्री के बड़े नेटवर्क का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। व्हिस्की ऑन व्हील्स के नाम पर ऑनलाइन शराब का धंधा कर रहे गैंग का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। गैंग में शामिल 25 लोग 24X7 शराब की सप्लाई करते हैं। ये लोग 24 घंटे में तरकरीबन डेढ़ लाख तक की शराब सप्लाई कर देते हैं। पैसों के लेनदेन के लिए ऑनलाइन डिमांड और पेमेंट का सिस्टम गैंग ने बना रखा है। पूरा नेटवर्क डिजीटली काम कर रहा है। गैंग के सदस्य ना तो एक-दूसरे से मिल सकते हैं और ना ही कोई पूछताछ कर सकते हैं।

जवाहर सर्किल थाने के थानाधिकारी दलबीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पकड़ा गया आरोपी भवानीसिंह सीकर का रहने वाला है। उसे मंगलवार रात दो मोबाइल फोन, बाइक और करीब सात हजार रुपये कीमत की शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ में ही डोर टू डोर शराब की सप्लाई के बारे में जानकारी मिली है।

दरअसल क्षेत्र में रात को शराब पीकर झगड़ा करने वालों के खिलाफ एक शिकायत मिली थी। पूछताछ करने पर ऑनलाइन घर पर ही शराब सप्लाई की बात सामने आई। इस पर पुलिस ने स्टिंग ऑपरेशन के तहत मालवीय नगर में एक स्थान पर शराब की सप्लाई करवाई और आरोपी को सप्लाई करते हुए वहीं गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से जब्त किए गए दो में से एक मोबाइल से पिछले आठ महीनों के दौरान शराब की खरीद की डिटेल्स मिली है।

शराब सप्लाई की इस गैंग को संचालित करने में वैशाली नगर निवासी किसी भानुप्रताप का नाम सामने आया है। जवाहर सर्किल, मालवीय नगर, जगतपुरा इलाके में गैंग का नेटवर्क अजय मीणा संभालता है। ऑनलाइन शराब सप्लाई का नेटवर्क चलाने वाले भानुप्रताप का तीन महीने पहले जवाहर सर्किल इलाके में ही किसी अन्य गैंग के साथ झगड़ा भी हुआ था, जिसमें फायरिंग हुई थी।

कल से मौसम में आएगा बदलाव

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी में सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। रात को न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ ही दिन में अधिकतम तापमान कम दर्ज किया जा रहा है। पौष माह में प्रदेश बर्फीला सा हो गया है। राजधानी में सर्दी का असर बढ़ता जा रहा है। रात को न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ ही दिन में अधिकतम तापमान कम दर्ज किया जा रहा है। पौष माह में प्रदेश बर्फीला सा हो गया है। कोहरे और हाड़ कंपकंपाती शीतलहर ने तड़का लगाया। लोगो ने सड़कों, घरों और दफ्तरों में हीटर, सिगड़ी, लकड़ी-सूखे पत्तों के अलाव जलाकर सर्दी से राहत पाई। मौसम केन्द्र जयपुर के अनुसार गुरुवार को भी सीकर में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावाद श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, धौलपुर, भरतपुर, अलवर में कोल्ड डे की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार छह जनवरी बाद नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश में अधिकांश भागों में हल्की बारिश हो सकती है। जिससे तापमान में गिरावट आएगी। तापमान गिरने के साथ नमी बढ़ने से फिलहाल फसलों को फायदा है।

शिमला, मसूरी, नैनीताल की तरह अजमेर हिल स्टेशन बन गया। 16 घंटे से सूरज की झलक भी नहीं दिखी। लोग गुनगुनी धूप को तरस गए। अरावली की पहाडिय़ां भी कोहरे की कैद में रहीं। बर्फीली हवा और तीखी सर्दी के चलते लोगों घरों में दुबक गए।

पेट्रोल पंप फायरिंग में वॉन्टेड इनामी डकैत गिरफ्तार

धौलपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। जिले की सैपऊ एवं कंचनपुर थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कल रात पार्वती नदी के पास सैपऊ बाईपास से 25000 के इनामी डकैत लालू ठाकुर को गिरफ्तार किया है। डकैत वारदात के इरादे से बाईपास पर घूम रहा था। मुखबिर की सूचना पर साइबर सेल की मदद से डकैत को गिरफ्तार किया गया। धौलपुर ग्रामीण सीओ बाबूलाल मीणा ने बताया पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश में वांछित अपराधी, बदमाश एवं डकैतों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है।

रेगुलर जिला शिक्षा पदाधिकारी की नियुक्ति की जाए : डीवाईएफआई

कुमरम भीम आसिफाबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में नियमित जिला शिक्षा पदाधिकारी या शिक्षा व्यवस्था पिछले एक माह से चरमराई पर है, पहले जिले में कार्यरत जिला शिक्षा पदाधिकारी का स्थानांतरण दूसरे जिले में कर दिया गया। इस जिले में शिक्षा विभाग का पद रिक्त हो गया लेकिन प्रतिनियुक्ति पर आये एक शिक्षक को जिला शिक्षा पदाधिकारी ने प्रभार दे दिया, जिससे जिले में निगरानी कम हो गयी है ।कुछ शिक्षक स्कूल जाने में समय की पाबंदी का पालन नहीं कर रहे हैं, अगर शिक्षक पूर्व में समय की पाबंदी का पालन नहीं कर रहे हैं. यदि सरकार तांबू प्रणाली लेकर आती है तो आरोप है कि कुछ शिक्षक फर्जी नेटवर्क के माध्यम से तांबू का उपयोग कर रहे हैं, इसके अलावा आरोप हैं कि कुछ शिक्षक स्कूल समय में उपस्थित होकर तांबू कर रहे हैं और अपना निजी काम कर रहे हैं, प्रभारी अधिकारी डीईओ वहां स्कूलों की कोई निगरानी नहीं है और मंडल शिक्षा अधिकारी चार मंडलों के प्रभारी हैं और उनकी निगरानी नहीं की जा रही है जिसके कारण छात्रों को पूरी तरह से नुकसान हो रहा है, इसलिए हम भारत प्रजातंत्र युवजन समाख्या डीवाईएफआई कुमारम भीम आसिफाबाद जिला समिति की मांग करते हैं कि एक नियमित स्कूलों की निगरानी के लिए जिले में शिक्षा अधिकारी नियुक्त किया जाए। इस कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष चपिडी पुरूषोत्तम श्रावणी जिला सहायक सचिव श्रीकांत जिला कोषाधिकारी राज कुमार एवं अन्य लोग शामिल हुए।

लोगों को कुत्तों की तरह मारो, उनकी कमर तोड़ दो

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक मंत्री अब्दुल सत्तार ने एक डांस शो के दौरान पुलिस को लोगों पर लाठीचार्ज करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस से कहा कि लोगों को कुत्तों की तरह मारो, इतना लाठीचार्ज करो कि उनकी कमर टूट जाए। ये वाकया सोमवार का है, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। इसके बाद से ही सत्तार की आलोचना हो रही है। विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार ने ट्वीट किया कि महागठबंधन सरकार की संस्कृति एक ही भाषा है। महागठबंधन सरकार का असली चेहरा खुद लोगों के सामने लाने के लिए मंत्री अब्दुल सत्तार को धन्यवाद।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 121वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल शिविर 7 को

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा के सहयोग से 121वां नि:शुल्क मेडिकल कैम्प अग्रवाल समाज तेलंगाना मलकपेट शाखा के सहयोग से मलकपेट स्थित बचपन एंड एएचपीएस स्कूल में % जनवरी को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जायेगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल के जनरल फिजिशियन (डॉ. राजेश वुकाला) ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी। शिविर में एलसीएस डूंडू नेत्र संस्थान वेस्ट मैरेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच के पश्चात जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मे और योग्य के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की जाएगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जाएगी। स्त्रीरोग की जांच डॉ. श्रुति द्वारा, आर्थोपेडिक की सेवा डॉ. सुमन, कार्डियोलॉजी की सेवा डॉ.दीपक शाह द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद के द्वारा नि:शुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंडस एवं डायलिसिस रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा दी जाएगी। सभी से इस सेवा का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। शिविर के लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जायेगा और कैंप दोपहर 2 बजे जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए कैम्प के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता,सुरेन्द्र गोयल, पंकज संघी, प्रदीप बंसल, ओमप्रकाश पचेरिया से संपर्क किया जा सकता है।

प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश

निर्मल, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासक आशीष सांगवान ने अधिकारियों को पिछले विधानसभा संसदीय चुनाव के दौरान किए गए व्यय की निगरानी और आगामी संसदीय आम चुनाव के संदर्भ में शराब और अन्य सामानों के वितरण के संबंध में जानकारी के आधार पर प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आगामी संसदीय चुनाव के मद्देनजर जिले के संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों की पहचान के लिए गुरुवार को मिनी कन्वेंशन हॉल में जिला स्तरीय खुफिया समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासक ने कहा कि जिला स्तरीय समितियां पुलिस, उत्पाद शुल्क, आईटी विभाग के अधिकारियों के साथ पिछले विधानसभा संसदीय चुनाव के दौरान खर्च किए गए धन, शराब और अन्य सामानों के वितरण के विवरण के आधार पर एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करें। बैंकिंग, वाणिज्यिक कर आदि को राजस्व के साथ सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग इनकी पहचान कर अलग से निगरानी करेगा। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी किशोर कुमार, एडिशनल एसपी वीरन्ना, उत्पाद विभाग के अधिकारी, लीड बैंक मैनेजर चन्द्रशेखर, आयकर, वाणिज्य कर अधिकारी, चुनाव अधीक्षक श्रीनिवास, राकेश व अन्य शामिल रहे।

बाल आयोग का 11 मुख्य-सचिवों को नोटिस

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने 3 जनवरी को मदरसों में गैर-मुस्लिम बच्चों के एडमिशन के मामले पर 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को समन जारी किया। दरअसल, एनसीपीसीआर ने करीब साल भर पहले राज्यों को मदरसों में पढ़ने वाले गैर-मुस्लिम बच्चों का डेटा मांगा था। साथ ही इन बच्चों का एडमिशन रोकने के लिए एक्शन लेने का भी निर्देश दिया था। राज्यों की ओर से कोई कार्रवाई न होने पर आयोग ने यह एक्शन लिया है।

महाराष्ट्र सीमा क्षेत्रों की सड़कों पर जांच जारी

मदनूर, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश सरकार और उत्पाद शुल्क जिला व राज्य स्तरीय अधिकारियों के आदेशानुसार बिचकुंडा उत्पाद शुल्क सीआई सत्यनारायण ने अपने स्टाफ के साथ एक सप्ताह से कई मंडलों में व्यापक निरीक्षण किया। इसमें अंतरराज्यीय (महाराष्ट्र) सीमा क्षेत्रों की सड़कों पर सभी वाहनों की जांच की जा रही है और ड्रग्स, गांजा और शराब की अवैध आपूर्ति को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं मिलावटी शेंदी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पेद्दा शक्करला, मदनूर और मेंनूर गांवों में कई शेंदि दुकानों का निरीक्षण किया गया. मिलावट शेंदी का परीक्षण कराया गया. उन्होंने कहा कि वे पेद्दा शक्करगा में शेंडी की दुकान में शेंदी का परीक्षण करने के लिय सरकारी रासायनिक प्रयोगशाला में भेजा गया। हमने मिलावटी शेंदी बेचने वाले के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उन्होंने कहा कि शेडी में मिलावट होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध नशीली दवाओं का उपयोग, रखने या परिवहन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस निरीक्षण में सी.आई. के साथ-साथ एक्साइज एस.आई अधिकारी उपस्थित थे।

आईपीएस रश्मि शुक्ला बनीं महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। आईपीएस रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी बन गई हैं। 31 दिसंबर 2023 को आईपीएस रजनीश सेठ के रिटायर्ड होने के बाद महाराष्ट्र सरकार ने 1988 बैच की ऑफिसर रश्मि शुक्ला को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया। रश्मि शुक्ला फोन टैपिंग केस में नाम आने के बाद काफी चर्चा में रही थी।

एक्टिव लेडी ऑफिसर की छवि रश्मि शुक्ला 1988 बैच की सीनियर आईपीएस ऑफिसर हैं। उनकी छवि महाराष्ट्र में एक्टिव लेडी ऑफिसर के तौर पर है।

माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब ने की बैठक

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की इंग्लिश कैलेण्डर नववर्ष 2024 की प्रथम बैठक डा. मालती जी के घर ओ.यू. कालोनी वेस्टर्न ✎ाजा में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम सभी ने मिलकर ईश प्रार्थना का गान किया।

सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ एवं रामजी केभजन कर 22 तारीख को अयोध्या में राम लला के विराजमान होने की खुशी में सभी लोग शाम को अपने-अपने घरों में उत्साहपूर्ण रुप से दीपोत्सव करेंगें एवं दिन में सामूहिक रूप से सुन्दरकाण्ड का पाठ करेंगें। ऐसा प्रस्ताव पारित कर आगामी कार्यक्रमों की रुपरेखा बनाई। बैठक में अध्यक्षा अरुणा गुप्ता, सचिव नीलम दौनेरिया, कोषाध्यक्षा रचना गुप्ता, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य आशा पनवरिया, सुनीता गुप्ता, नीरज जबरेवा, मन्जू, मीनू, श्वेता, सुनीता दौनेरिया, पिंकी, अमिता, दिव्या, श्वेता कतरौलिया एवं विशेष अतिथि मिथिलेश गुप्ता जी ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्राणहिता परियोजना को पूरा करेंगे : डॉ. पालवाई हरीशबाबू

सिरपुर कागजनगर, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर के सांसद डॉ. पालवाई हरीश बाबू ने आज कौटाला मंडल केंद्र के रायथु वेदिका में आयोजित लोक प्रशासन सम्मेलन में भाग लिया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वे प्राणहिता परियोजना को पूरा करेंगे और पूर्वी आदिलाबाद जिले की बंजर भूमि को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे और सरकार भी इस दिशा में सोच रही है।यह भी वादा किया गया कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों के विकास के लिए विशेष पहल की जायेगी, हर समस्या पर विधानसभा में चर्चा कर समाधान निकाला जायेगा।इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्री अमर सिंह तिलावत, जिला सचिव बंदी राजेंद्र गौड़, मंडल अध्यक्ष वनू पटेल, एमआरवीओ श्रीपाल रेड्डी, एमपीडीओ नसरुल्ला और अन्य स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।

डॉ. जानकी शर्मिला ने जिला एसपी का पदभार संभाला

निर्मल, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एसपी के रूप में स्थानांतरण आदेश प्राप्त आईपीएस डॉ. जी. जानकी शर्मिला ने अब तक एसपी के पद पर कार्यरत चल्ला प्रवीण कुमार आईपीएस से एसपी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर एसपी मैडम ने कहा कि जिले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए होम गार्ड से लेकर उच्च स्तर के अधिकारी तक सभी को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और जिले में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने चाहिए। बाद में स्थानांतरण पर चल रहे चल्ला प्रवीण कुमार ने जिले से संबंधित कानून व्यवस्था की बारीकियों पर चर्चा की। जिले के पुलिस पदाधिकारी नव स्थानान्तरित एसपी मैडम से मिलने पुलिस कार्यालय पहुंचे और पुष्पगुच्छ देकर उनसे विनम्रतापूर्वक मुलाकात की।

मारेड़पल्ली स्थित नववर्ष पर आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव का सम्मान करते हुए बीआरएस युवा नेता गुलाबसिंह राजपुरोहित, ललिता, गोपीलाल चौहान, हरिसिंह जादव, सरदार जगतसिंह व अन्य।

केरल के पूर्व मंत्री बोले-मैं जातिवाद का शिकार हुआ

तिरुवनंतपुरम, 4 जनवरी (एजेंसियां)। केरल के पूर्व मंत्री और लेफ्ट नेता सी दिवाकरन ने आरोप लगाया कि सालों पहले वह जातिवाद का शिकार हुए थे। दिवाकरन हाल ही में तिरुवनंतपुरम में एक पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे।

उन्होंने कहा, मैंने जीवन में चार चुनाव लड़े और उनमें से तीन जीते हैं। 2019 में जब चौथा चुनाव लड़ा तो उसमें हार मिली और इस हार का कारण घोर जातिवाद था। लेफ्ट नेता ने आगे कहा, उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान वोटर्स को अपनी जाति के बारे में बात करते हुए सुना था। लोग एक-दूसरे से पूछते थे कि क्या वह (दिवाकरन) उनकी जाति के हैं या नहीं। दिवाकरन 2006 से 2011 के बीच नागरिक आपूर्ति मंत्री थे। उनका आरोप है कि सचिवालय में ऊंची जाति के लोगों का प्रभाव था।

2024 में रिटायर होंगे 68 राज्यसभा सदस्य

9 केंद्रीय मंत्रियों का कार्यकाल पूरा होगा, सबसे ज्यादा यूपी से 10 सीटें खाली होंगी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। 2024 में राज्यसभा से 68 सांसद रिटायर होने वाले हैं। इसमें 9 केंद्रीय मंत्री हैं। सबसे पहले दिल्ली में तीन सीट खाली होंगी। यहां आप नेता संजय सिंह, नारायण दास गुप्ता और सुशील कुमार गुप्ता 2% जनवरी को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। दिल्ली की खाली सीटों के लिए चुनाव की तैयारी शुरु हो गई है। सिक्किम में एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए भी नॉमिनेशन जल्द शुरु हो जाएगा। यहां एसडीएफ सदस्य हिशे लाचुंगपा का 23 फरवरी को कार्यकाल पूरा होगा।

वहीं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मडाविया और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सहित 5% नेता अप्रैल में अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 10 सीटें खाली होंगी। इसके बाद महाराष्ट्र और बिहार में 6-6, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 5-5, कर्नाटक और गुजरात में 4-4, ओडिशा, तेलंगाना, केरल और आंध्र प्रदेश प्रत्येक में 3-3 सीटें खाली होंगी।

झारखंड और राजस्थान में 2-2 और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और छत्तीसगढ़ चारों जगह एक-एक सीट खाली होगी। दिल्ली में 3 और सिक्किम में एक सीट खाली होगी। उधर चार मनोनीत सदस्य जुलाई में रिटायर हो रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए दोबारा नामांकन के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को अपने गृह राज्य से बाहर सीट तलाशनी होगी क्योंकि वहां कांग्रेस सत्ता में है। इसके अलावा कांग्रेस कर्नाटक और तेलंगाना से भी अपने उम्मीदवारों को राज्यसभा भेजने की तैयारी में है। क्योंकि कांग्रेस शासित कर्नाटक में चार और तेलंगाना में तीन राज्यसभा सीटें खाली होंगी।

राज्यसभा सांसदों के लिए चुनाव की प्रक्रिया अन्य चुनावों से काफी अलग है। राज्यसभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं यानी जनता नहीं बल्कि विधायक इन्हें चुनते हैं। राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए कितने वोटों की जरूरत होती है, ये पहले से ही तय होता है। वोटों की संख्या का कैलकुलेशन कुल विधायकों की संख्या और राज्यसभा सीटों की संख्या के आधार पर होता है। इसमें एक विधायक की वोट की वैल्यू 100 होती है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

जम्मू-कश्मीर के ...

सेना पर घात लगाकर हुए हमले में 5 जवान शहीद हुए थे :

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में गुरुवार (21 दिसंबर) को आतंकवादियों ने सेना के दो वाहनों पर घात लगाकर हमला किया था। दोपहर करीब 3:45 बजे हुए हमले में पहले तीन जवान शहीद होने की खबर आई थी। बाद में ये आंकड़ा बढ़कर 5 हो गया था। इस हमले के बाद सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान अगले दिन 3 सिविलियन्स की लाश सेना को मिली। इससे पहले 22 नवंबर को राजौरी में हुए एनकाउंटर में 5 जवान शहीद हुए थे। यहां 34 घंटे तक एनकाउंटर चला था, जिसमें 2 आतंकी मारे गए थे। नवंबर और दिसंबर में जम्मू-कश्मीर में दो बड़े आतंकी हमले हो चुके हैं।

दिल्ली के मोहल्ला ...

एक अधिकारी ने बताया कि इम्पैक्ट एसेसमेंट स्टडी में सामने आया कि इन सात मोहल्ला क्लिनिक में 11,657 रिकॉर्ड ऐसे पाए गए, जिनमें पेशेंट का मोबाइल नंबर जीरो लिखा गया। 8,251 मामलों में मोबाइल नंबर की जगह खाली छोड़ दी गई और 3,092 मामलों में '9999999999' मोबाइल नंबर एंटर किया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, ऐसी 400 एंट्री थीं, जिसमें 1-5 अंक से शुरू होने वाले फोन नंबर थे, जबकि इन अंकों से कोई फोन नंबर शुरू नहीं होता। 999 केस में 15 या उससे ज्यादा पेशेंट्स के नाम के आगे एक ही नंबर लिख दिया गया था। सोचने वाली बात ये है कि मोहल्ला क्लिनिक्स में डॉक्टर फर्जी अटेंडेंस लगा रहे थे, तो ये टेस्ट और दवाएं कौन लिखकर दे रहा था? क्या नॉन मेडिकल स्टाफ ये काम कर रहा था?

विजिलेंस डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के बाद उपराज्यपाल ने दिया था जांच का आदेश :

23 दिसंबर को विजिलेंस डिपार्टमेंट ने एक रिपोर्ट में दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में नकली दवाएं होने की बात कही थी। इस पर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार को जांच कराने का निर्देश दिया था। ये भी कहा था कि मामले की जांच सीबीआई से कराएं।

मामले पर भाजपा की तरफ से मनोज तिवारी और वीरेंद्र सचदेवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने आरोप लगाए कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नकली दवाओं के व्यापारी है। उनका सब कुछ नकली है। वहीं, वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं। ये पार्टी पैसे की भूखी है।

पहले पढ़ें वीके सक्सेना ने चीफ सेक्रेटरी के नाम चिट्ठी में क्या लिखा...

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने चीफ सेक्रेटरी को लिखी चिट्ठी में कहा था कि ये नकली दवाएं दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में लाखों मरीजों को दी जा रही हैं और शायद मोहल्ला क्लीनिक्स में भी बांटी जा रही है। उन्होंने दवाओं की खरीद में किए जा रहे खर्च पर चिंता जताते हुए दावा किया था कि दूसरे राज्यों के सप्लायर और मैन्युफैक्चरर भी इस धांधली में शामिल हैं।

शराब घोटाला हुआ ...

झूठे आरोप लगाकर और समन भेजकर ये मुझे बदनाम करना चाहते हैं। मेरी ईमानदारी पर चोट करना चाहते हैं। इन्होंने मुझे समन भेजे हैं। मेरे वकीलों ने बताया कि ये समन गैरकानूनी हैं।

जांच एजेंसी मुझे इन गैरकानूनी समन का जवाब नहीं दे रही हैं। दरअसल, भाजपा का मकसद जांच करना नहीं है, बल्कि लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकना है। मेरे शरीर की एक-एक बूंद देश के लिए है।

ईडी के तीन समन के बाद भी पेश नहीं हुए केजरीवाल :

दिल्ली शराब नीति केस में ईडी ने केजरीवाल को तीसरी बार समन भेज कर पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि केजरीवाल पेश नहीं हुए। उनकी तरफ से 5 पन्नों के ईडी के समन के जवाब में कहा गया कि वे राज्यसभा चुनाव और गणतंत्र दिवस की तैयारियों में व्यस्त हैं। उनसे जो भी पूछना हो लिखित में भेज दें।

इसके पहले ईडी ने 2 नवंबर और 21 दिसंबर को उन्हें पेश होने को कहा था। तब, केजरीवाल ने इन दोनों समन को गैरकानूनी और राजनीति से प्रेरित बताया और ईडी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया। 21 दिसंबर का समन मिलने के बाद केजरीवाल 10 दिन के विपश्यना के लिए पंजाब के होशियारपुर चले गए थे।

ईडी को गिरफ्तारी का अधिकार, केजरीवाल कोर्ट जा सकते हैं :

कानून के जानकारों के अनुसार, सीएम केजरीवाल के बार-बार पेश नहीं होने पर ईडी उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी कर सकती है। उसके बाद भी पेश नहीं होने पर धारा 45 के तहत गैर जमानती वारंट जारी कर सकती है। पीएमएलए के जानकार बताते हैं कि पेश नहीं हो पाने की ठोस वजह बताई जाती है तो ईडी समय दे सकती है। फिर दोबारा नोटिस जारी करती है। पीएमएलए एक्ट में नोटिस की बार-बार अवहेलना पर गिरफ्तारी हो सकती है।

अगर सीएम केजरीवाल आगे पेश नहीं होते हैं तो जांच अधिकारी आवास पर जाकर पूछताछ कर सकते हैं। ठोस सबूत होने पर या सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। वहीं, केजरीवाल वारंट जारी होने के बाद कोर्ट जा सकते हैं और अपने एडवोकेट की मौजूदगी में जांच में सहयोग करने का वादा कर सकते हैं। इस पर कोर्ट ईडी को उन्हें गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दे सकती है।

आतिशी ने कहा था, आज केजरीवाल गिरफ्तार हो सकते हैं :

इससे पहले दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने बुधवार (3 जनवरी) देर रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, खबर आ रही है कि अरविंद केजरीवाल के आवास पर कल सुबह ईडी की रेड पड़ेगी। गिरफ्तारी की संभावना भी है। सौरभ भारद्वाज ने लिखा, कल सुबह सीएम केजरीवाल के घर ईडी उन्हें गिरफ्तार करने आने वाली है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईडी केजरीवाल के 5 पन्नों के जवाब की जांच कर रही है। एजेंसी उन्हें चौथा समन भेज सकती है। इधर, ईडी और अपने बीच चल रहे पूरे मामले पर केजरीवाल दोपहर 12 प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इस बीच आप के सूत्रों के मुताबिक अरविंद केजरीवाल 6 जनवरी को लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 3 दिन के गुजरात दौरे पर रवाना हो रहे है। इस दौरान वे जनसभाएं करेंगे। वे जेल में बंद आप नेता चैतर वसावा से मुलाकात कर सकते हैं।

आतिशी ने 2 नवंबर को भी गिरफ्तारी का दावा किया था :

ये पहली बार नहीं है जब आप नेताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका जताई है। इससे पहले आतिशी ने 31 अक्टूबर को कहा था कि सीएम केजरीवाल 2 नवंबर को गिरफ्तार हो सकते हैं। ईडी ने इस दिन केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया था। 2 नवंबर की सुबह दिल्ली में गहमा-गहमी थी। राजघाट पर पुलिस बढ़ा दी गई थी। उम्मीद थी कि ईडी ऑफिस जाने से पहले अरविंद केजरीवाल बापू की समाधि पर जाएंगे। हालांकि, केजरीवाल ईडी के समन पर पेश नहीं हुए। उन्होंने चिट्ठी लिखकर इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बता दिया।

न्याय संहिता लागू ...

जिन कैदियों के पास जमानत के पैसे नहीं होंगे, उनके लिए सरकार ने विशेष फंड की व्यवस्था की है। केंद्र और राज्य सरकार ऐसे कैदियों की जमानत राशि जमा कराएंगी।

जेलों में आधे कैदी गैर संगीन अपराध के :

गृह मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि देश की जेलों में साढ़े पांच लाख कैदी हैं। कैदियों की कुल संख्या में करीब आधे गैर संगीन अपराधों के कैदी हैं। गैर संगीन अपराध के अंडर ट्रायल वालों की संख्या 2 लाख है। इनमें ज्यादातर तो अधिकतम सजा से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं।

कहां कितने कैदी :

उत्तर प्रदेश 1,21,609, बिहार 64,914, मध्य प्रदेश 48,857, पंजाब 30,801, हरियाणा 25,471, राजस्थान 24,659, छत्तीसगढ़ 20,451, झारखंड 19,415, गुजरात 16,611।

ऑनलाइन सुनवाई होगी, इससे पुलिस का समय बचेगा :

जमानत और रिहाई के लिए अंडर ट्रायल कैदियों को खुद अदालत नहीं जाना पड़ेगा। वे जेल से ही ऑनलाइन अदालत से रूबरू होंगे। जमानत मिलते ही रिहा कर दिए जाएंगे। गृह मंत्रालय के अधिकारी का कहना है कि अभी तक जमानत के लिए पेशी और जमानत न मिलने पर फिर जेल ले जाने की प्रक्रिया में दिनभर पुलिस जवान लगे रहते थे। अब पुलिस बल को दूसरे काम करने का समय मिल सकेगा।

विराट कोहली की टेस्ट रैंकिंग में लंबी छलांग

महीनों बाद टॉप 10 में की वापसी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में अच्छा परफॉर्म किया है. उन्होंने सेंचुरियन टेस्ट में एक अर्धशतक लगाया था. वहीं केपटाउन में पहली पारी में 46 रन बनाए. कोहली को टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है. उन्होंने महीनों बाद टॉप 10 में वापसी की है. आईसीसी की लेटेस्ट टेस्ट रैंकिंग में कोहली 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं. लेकिन वे वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल से एक स्थान पीछे हैं. टी20 में स्पिनर रवि बिश्नोई को फायदा हुआ है. ऑलराउंडर्स की टेस्ट रैंकिंग में रवींद्र जडेजा टॉप पर बने हुए हैं.

आईसीसी की ताजा टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में केन विलियमसन टॉप पर बने हुए हैं. जो रूट दूसरे स्थान पर हैं. वहीं स्टीव स्मिथ तीसरे नंबर पर हैं. डेरिल मिशेल को 3 स्थान का फायदा हुआ है. वे चौथे नंबर पर आ गए हैं. टीम इंडिया के दिग्गज बैटर विराट कोहली 9वें नंबर पर हैं. उन्हें 4 स्थान का फायदा हुआ है. टेस्ट बैटिंग रैंकिंग में कोहली के अलावा कोई भी बल्लेबाज टॉप 10 में शामिल नहीं है. कोहली 2022 में टॉप 10 से बाहर हो गए थे. लेकिन अब वापसी हो चुकी है. टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में जडेजा टॉप पर बने हुए हैं. रविचंद्रन अश्विन दूसरे नंबर पर हैं.

टीम इंडिया स्पिनर रवि बिश्नोई को टी20 बॉलर्स की रैंकिंग में फायदा हुआ है. वे दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. बिश्नोई को एक स्थान का फायदा हुआ. आदिल रशीद इसमें टॉप पर हैं. बिश्नोई के अलावा कोई भी भारतीय गेंदबाज टी20 रैंकिंग में टॉप 10 में शामिल नहीं है. टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन टॉप पर हैं. वहीं वनडे में मोहम्मद सिराज तीसरे नंबर पर हैं.

वनडे बैटिंग रैंकिंग में शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं. विराट तीसरे और रोहित शर्मा चौथे नंबर पर हैं. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम का टॉप पर कब्जा है. सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंग में टॉप पर हैं.

केपटाउन में रोहित की सेना ने रचा इतिहास, 31 साल का खत्म हुआ इंतजार

केपटाउन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने केपटाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीका को हराकर सीरीज को 1-1 से ड्रॉ करवा दिया। दो मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया हारकर पिछड़ गई थी। अब यहां 7 विकेट से शानदार जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में खुद को हार से बचाया। इस सीरीज में भले भारतीय टीम को जीत नहीं मिली और एक बार फिर अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने का सपना अधूरा रह गया। लेकिन केपटाउन में इस जीत के साथ भारत ने इतिहास रच दिया है। साथ ही केपटाउन में यह पहला मौका है कि सिर्फ भारत ही नहीं किसी एशियाई टीम ने अफ्रीका को यहां टेस्ट मैच हराया है।

केपटाउन में लहराया तिरंगा

क्योंकि 1993 के बाद अब भारतीय टीम पहली बार यहां जीत पाई है। यानी तीन दशक का यहां जीत का इंतजार खत्म हुआ है।

भारतीय टीम ने यहां पहला टेस्ट 2 जनवरी 1993 में खेला था और गंवाया था। उसके बाद से यहां टीम ने कुल 6 मैच खेले थे जिसमें से चार में उसे हार मिली थी और दो मैच ड्रॉ हुए थे। अब सातवें टेस्ट मैच में इस मैदान पर पहली बार टीम इंडिया ने जीत दर्ज की है। इस तरह भारतीय टीम ने यहां केपटाउन का घमंड तोड़ा और इस मैदान पर तिरंगा लहराते हुए पहली टेस्ट जीत अपने नाम कर ली।

केपटाउन में भारत-साउथ अफ्रीका टेस्ट का रिकॉर्ड

साल 1993 – टेस्ट मैच ड्रॉ

साल 1997 – भारत को 282 रन से मिली हार

साल 2007 – भारत 5 विकेट से हारा

साल 2011 – मैच ड्रॉ पर हुआ समाप्त

साल 2018- भारत 72 रन से हारा

साल 2022- भारत को 7 विकेट से मिली हार

साल 2024- भारत को 7 विकेट से मिली जीत

क्या रहा मैच का हाल?

इस मैच की बात करें तो साउथ अफ्रीका के कप्तान डीन एल्गर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी।

पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने कहर बरपाते हुए 6 विकेट 15 रन देकर लिए और पूरी अफ्रीका की टीम 55 रन पर ढेर हो गई। इसके बाद भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 153 रन बनाए और 98 रन की लीड ली।

दूसरी पारी में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने कमाल किया और 6 विकेट लिए।

इस पारी में अफ्रीका की टीम 176 रन पर ढेर हो गई। भारत को मिला 79 रनों का लक्ष्य जो उसने 3 विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

नए साल की पोस्ट पर ट्रोल हो गए तिलक वर्मा

सूर्यकुमार ने बताया नकली तो अक्षर ने कहा झूठा

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल की शुरुआत हर कोई अपने-अपने तरीके से करता है। कोई परिवार के साथ समय बिताता है, कोई घूमने निकल जाता है तो कोई नए साल के लिए रेजेल्यूशन के लिए काम करता है। ऐसा ही कुछ पोस्ट भारत के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने शेयर किया जिसके बाद उन्हें विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने उन्हें ट्रोल कर दिया।

तिलक वर्मा ने जिम में एक्सरसाइज करते हुए पोस्ट शेयर किए थे। इन वीडियो में वेट्स के साथ लिफ्टिंग करते हुए नजर आ रहे थे। ट्रेनर की मदद से बॉडी को बैलेंड भी करते हुए दिखाई दिए। इस पोस्ट के कैप्श में तिलक ने लिखा, 'अपने नए साल के रेजोल्यूशन के लिए काम कर रहा हूं। 2024 की इससे अच्छी शुरुआत नहीं हो सकती।'

तिलक के इस पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट किया हालांकि सबका ध्यान गया सूर्यकुमार यादव के कमेंट पर।

इस खिलाड़ी ने तिलक के कैप्शन को लेकर मजाक उड़ाया और कहा, 'कौन बताता है तेरे को ये फर्जी कैप्शन।' अक्षर पटेल इससे भी आगे निकल गए। उन्होंने सूर्यकुमार के कमेंट के जवाब में लिखा, 'सूर्यकुमार कैप्शन के साथ-साथ वीडियो भी नकली है। यह ट्रेनिंग तो उसने 30 दिसंबर को की थी।' तिलक वर्मा की यह टांग खिंचाई फैंस को काफी पसंद आई।

बाएं हाथ के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज तिलक वर्मा के लिए साल 2023 बेहद खास रहा। उन्होंने इसी साल वनडे और टी20 फॉर्मेट में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। उन्होंने इस साल 15 मैच खेले जिसमें इस खिलाड़ी ने 34.44 की औसत, 141.55 की स्ट्राइक रेट के साथ 310 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 55 रन रहा। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए कई अच्छी पारियां खेली। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस में एक साथ खेलते हैं। इसी कारण दोनों के बीच अच्छी दोस्ती है। टीम इंडिया में आने से पहले से ही तिलक सूर्यकुमार को जानते हैं।

जूनियर पहलवानों के विरोध के बाद अंडर-15, अंडर-20 नेशनल का एलान

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर में जूनियर पहलवानों के धरने का असर देखने को मिला है। अस्थायी तौर पर भारतीय कुश्ती से जुड़े मामलों का प्रबंधन कर रहे तदर्थ पैनल ने छह सप्ताह के भीतर अंडर 15 और अंडर 20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की घोषणा की। इससे कुछ ही घंटे पहले जूनियर पहलवानों ने जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर तदर्थ पैनल को भंग करने की मांग की थी।

पैनल ने उन युवा पहलवानों की चिंताओं को स्वीकार किया जो भारत के शीर्ष पहलवानों के साल भर के विरोध प्रदर्शन से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ देश के शीर्ष तीन पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी

मलिक और विनेश फोगाट के विरोध प्रदर्शन के बाद देश में कुश्ती गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

जनवरी 2023 के बाद से न तो राष्ट्रीय शिविर और न ही जूनियर नेशनल आयोजित किए गए हैं। गतिरोध के कारण सैकड़ों जूनियर पहलवानों का पूरा एक साल बर्बाद हो गया। तीन सदस्यीय पैनल के अध्यक्ष भूपेंदर सिंह बाजवा ने जूनियर पहलवानों को आश्वासन दिया कि वह जल्द ही ग्वालियर में सब जूनियर और जूनियर नेशनल का आयोजन करेंगे।

बाजवा ने एक बयान में कहा समिति युवा पहलवानों द्वारा उठाई गई चिंताओं को स्वीकार करती है और मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध है। समिति एलएनआईपीई, ग्वालियर में अगले छह सप्ताह के अंदर अंडर-15 और अंडर-20 श्रेणियों के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने की योजना बना रही है।

बयान में कहा गया, तदर्थ समिति भारत में कुश्ती के विकास और उत्कृष्टता और दृढ़ता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। युवा पहलवानों को इन प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षण और अभ्यास जारी रखने की सलाह दी जाती है।

मंत्रालय द्वारा संजय सिंह के नेतृत्व में नवनिर्वाचित निकाय को निलंबित करने के बाद 27 दिसंबर को तदर्थ पैनल का गठन किया गया था।

अपने ही घर की पिच से नाखुश अफ्रीकी कप्तान!

केपटाउन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी दो मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला केपटाउन स्थित न्यूलैंड्स में खेला जा रहा है। केपटाउन टेस्ट के पहले ही दिन बल्लेबाजों की जमकर फजीहत हुई। न्यूलैंड्स की भयावह पिच को इसी बात से समझा जा सकता है कि यहां पहले ही दिन कुल 23 विकेट गिरे। पहले टेस्ट मुकाबले में उम्दा बल्लेबाजी करने वाले अनुभवी अफ्रीकी बल्लेबाज डीन एल्गर भी यहां रन के लिए जूझते हुए नजर आए। हाल यह रहा कि वह पहली पारी में जहां 15 गेंद में दो रन बनाकर आउट हो गए। वहीं दूसरी पारी में भी उनका बल्ला खामोश रहा। इस बार वह पारी का आगाज करते हुए 28 गेंद में 12 रन बनाने में कामयाब रहे। हालांकि, न्यूलैंड्स टेस्ट में बुरी तरह फ्लॉप होने के बावजूद अफ्रीकी कप्तान पिच को 'खराब' कहने से बचते हुए नजर आए। एल्गर ने अपनी बातों पर जोर देते हुए कहा कि मैं यह नहीं कह सकता हूं कि पिच खराब है।

श्रीलंका ने घोषित किया नया टेस्ट कप्तान

दिमुथ करुणारत्ने की जगह धनंजय डिसिल्वा को मिली जिम्मेदारी

कोलंबो, 4 जनवरी (एजेंसियां)। टी-20 और वनडे के बाद श्रीलंका क्रिकेट ने टेस्ट टीम के कप्तान को भी बदल दिया है। दिमुथ करुणारत्ने की जगह धनजंय डी सिल्वा को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। श्रीलंका क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता उपुल थरंगा ने टेस्ट टीम के कप्तान बदले जाने की पुष्टि की है।

इससे पहले 6 जनवरी से शुरू हो रही जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू टी-20 और वनडे सीरीज के लिए अलग-अलग कप्तान नियुक्त किया था। वनडे की कमान कुसल मेंडिस को और टी-20 की जिम्मदारी वानिंदु हसरंगा को सौंपी गई थी।

डी सिल्वा श्रीलंका के 18वें टेस्ट कप्तान

धनंजय डी सिल्वा श्रीलंका टेस्ट टीम के 18वें कप्तान हैं।

धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका के लिए अब तक खेले 51 टेस्ट मैचों में 39.77 की औसत से 3301 रन बनाए हैं। उन्होंने 100 शतक और 13 अर्धशतक भी बनाए।

साउथ अफ्रीका में सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी

वहीं दिमुथ करुणारत्ने ने 2019 में श्रीलंका टेस्ट की कप्तानी संभाली थी। उन्होंने श्रीलंका के लिए 30 टेस्ट मैचों में कप्तानी की है, जिसमें 12 में टीम को जीत और 12 में हार मिली। वहीं 6 मैच ड्रॉ रहे। उनकी कप्तानी में श्रीलंका टीम ने 2019 में साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीत कर अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी थी।

करुणारत्ने का बतौर कप्तान टेस्ट में औसत ओवरऑल ऑसत से बेहतर

वहीं करुणारत्ने ने बतौर कप्तान खेले 30 मैचों में 49.86 की औसत से 2643 रन बनाए। जिसमें 8 शतक और 12 अर्धशतक भी शामिल है। जबकि श्रीलंका के लिए 88 मैचों में उन्होंने 40.93 की औसत से 6631 रन बनाए।

फरवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ खेलना है एकमात्र टेस्ट

श्रीलंका को फरवरी में अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलना है। यह टेस्ट 6 फरवरी से होना है। उसके बाद श्रीलंका को अगस्त में इंग्लैंड दौरे पर जाना है, जहां पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान तीसरा टेस्ट

बारिश की वजह से दूसरे दिन 46 ओवर ही फेंके गए; ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 116/2

स्पोर्ट्स डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच सिडनी में तीसरा और आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल बारिश की वजह से जल्दी खत्म कर दिया गया। दूसरे दिन 46 ओवर ही फेंके गए। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में दो विकेट खोकर 116 रन बना ली है। मार्नस लाबुशेन और स्टीव स्मिथ नाबाद हैं।

इससे पहले, पहले दिन पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। टीम पहले दिन पहली पारी में 313 रन बना कर ऑलआउट हो गई। जवाब में स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बिना विकेट खोए 1 ओवर में 6 रन बनाए थे।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट गिरे

ऑस्ट्रेलिया दूसरे दिन 6/0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू की। टीम को 70 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। करियर का आखिरी टेस्ट खेल रहे डेविड वॉर्नर 34 रन बनाकर आगा सलमान का शिकार बने। वहीं दूसरा विकेट 108 रन के स्कोर पर गिरा। टीम के ओपनर उस्मान ख्वाजा आमिर जमाल का की बॉल पर आउट हो गए।

आखिरी विकेट के लिए 86 रन की पार्टनरशिप

पहले दिन पाकिस्तान टीम पहली पारी में 313 रन बना कर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए मीर हमजा और आमिर जमाल ने आखिरी विकेट के लिए 86 रन की पार्टनरशिप कर टीम का स्कोर 300 के पार पहुंचाया। जमाल ने 9वें नंबर पर आकर 82 रन की पारी खेली। मोहम्मद रिजवान भी 88 रन बना कर आउट हुए। आगा सलमान ने भी 50 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 61 रन देकर 5 विकेट लिए।

जमाल का पहला अर्धशतक

आमिर जमाल ने अपने टेस्ट करियर का पहला अर्धशतक जमाया। उन्होंने मीर हमजा के साथ 10वें विकेट के लिए 133 गेंदों पर 86 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 227 से 313 रन तक पहुंचाया। जमाल ने 97 गेंदों पर 82 रन बनाए।

प्लिसकोवा ब्रिसबेन इंटरनेशनल के अंतिम-16 में

पोलैंड यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

खेल डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। तीन बार की विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए मां बनने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रही नाओमी ओसाका को हरा दिया। प्लिसकोवा ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के दूसरे दौर में 3-6, 7-6, 6-4 से अपने नाम करके अंतिम-16 में जगह बनाई। दो बार अमेरिकी ओपन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाली ओसाका ने पहले मैच में तमारा कोर्पेश को सीधे सेटों में हराया था। यह मई 2022 के बाद एलीट स्तर पर उनका पहला मैच था।

जुलाई में ओसाका ने बेटी को जन्म दिया था। प्लिसकोवा का अगले दौर में मुकाबला येलेना ओस्टापेंको से होगा। अन्य मैचों में शीर्ष वरीयता प्राप्त गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता एरिना सबालेंका ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-3, 6-0 से मात दी। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना का सामना ओलिविया गाडेकी से होगा।

पोलैंड ने चीन को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि फ्रांस ने इटली को हराकर अंतिम-आठ में

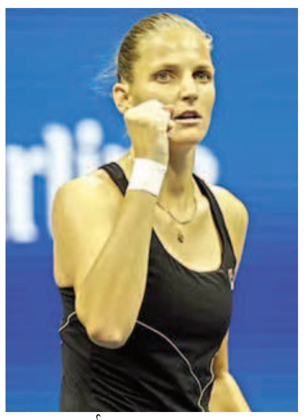

जगह बनाई।

शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन को महिला एकल में 6-2, 6-3 से हराया। वहीं, हुबर्ट हुरकाज ने झांग झिंजेन को पुरुष एकल में 6-3, 6-4 से मात दी। मिश्रित युगल में कैटरीना पीटर और जान जीलिंस्की ने याउ शियाओदी और सुन फाजिंग को 6-3, 5-7, 10-7 से शिकस्त दी। यूनान को कनाडा से खेलना है और अगले दौर में पहुंचने के लिए उसे हर हालत में यह मैच जीतना होगा। वहीं, सर्बिया की टक्कर ऑस्ट्रेलिया से होगी।

नवारो ऑकलैंड टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने आठ महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए ऑकलैंड टेनिस क्लासिक के दूसरे दौर में मारी बूजकोवा को 6-0, 6-1 से हराया। मानसिक स्वास्थ्य कारणों और थकान की वजह से टेनिस से ब्रेक लेने के बाद अमांडा ने वापसी की है। अमेरिकी ओपन जूनियर चैंपियन रह चुकी अमांडा फ्रेंच ओपन 2019 सेमीफाइनल खेल चुकी हैं। इससे पहले अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने एलिना अवानेसियान को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी थी।

यूनाइटेड कप: इगा ने पोलैंड को दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचाया

किनवेन को सीधे सेट में हराया; ओसाका ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से बाहर

खेल डेस्क, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वातेक ने पोलैंड को लगातार दूसरी बार यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया। पोलैंड ने चीन पर 3-0 से क्लीन स्वीप किया। पोलैंड इस बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं, सिडनी में हुए मुकाबले में फ्रांस ने इटली पर क्लीन स्वीप कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। स्वातेक ने झेंग किनवेन को 6-2, 6-3 से हराया। उन्होंने एक घंटे 34 मिनट में जीत दर्ज की। फिर ह्यूबर्ट हरकेज ने झेंग झिझेन पर 6-3, 6-

4 से जीत दर्ज कर पोलैंड को 2-0 से आगे किया। पिटेर-जेलिंस्की की पोलिश जोड़ी ने झियोडी-फेजिंग की जोड़ी को 6-3, 5-7, 10-7 से हराकर पोलैंड को 3-0 से जिताया। अब टीम सिडनी में फ्रांस व नॉर्वे के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी।

मां बनने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहीं नाओमी ओसाका ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से बाहर हो गईं। उन्हें दूसरे राउंड में तीन बार की पूर्व विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा ने 3-6, 7-6, 6-4 से हराया। ओसाका ने टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में तमारा को हराया था, लेकिन दूसरे राउंड में विजयी क्रम जारी नहीं रख सकीं। वहीं, चेक रिपब्लिक की प्लिसकोवा का प्री क्वार्टर फाइनल में तीसरी सीड जेलेना ओस्तापेंको से मुकाबला होगा।

हैदराबाद पासपोर्ट कार्यालय ने अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा

2023 में 7.85 लाख पासपोर्ट जारी किए

हैदराबाद 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद का क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) इस वर्ष जारी किए गए पासपोर्टों की संख्या में देश में पांचवें स्थान पर है, 2023 में 7,85,485 पासपोर्ट जारी किए गए थे। इसने 2022 में 4,28,246 पासपोर्ट के साथ 6,43,157 पासपोर्ट के अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। 2021 में पासपोर्ट् 2019 में प्री-कोविड के दौरान 5,32,785 पासपोर्ट जारी किए गए थे।नवंबर 2023 तक, भारत ने सभी क्षेत्रों में सामूहिक रूप से 1.5 करोड़ से अधिक पासपोर्ट और पासपोर्ट-संबंधित यात्रा दस्तावेज जारी किए हैं।आरपीओ हैदराबाद, जिसमें तेलंगाना में पांच पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीएसके) और 14 पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र (पीओपीएसके) शामिल हैं, औसतन हर दिन लगभग 4,000 आवेदन संसाधित करता है और इस वर्ष लगभग 8.11 लाख आवेदन संसाधित किए हैं, जिसमें पासपोर्ट जारी करने की सेवाएं भी शामिल हैं। पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) आदि। क्षेत्र में पासपोर्ट सेवाओं की बढ़ती मांग के जवाब में, आरपीओ हैदराबाद ने भी पूरे वर्ष शनिवार को विशेष अभियान शुरू किया है। इस साल जून में सिकंदराबाद में आरपीओ परिसर में शुरू की

गई कैंप मोड सेवा 29 दिसंबर को समाप्त होगी। 1 जनवरी, 2024 से, सेवाओं को सुव्यवस्थित करने और आवेदनों की उच्च मात्रा को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए आवेदनों को अन्य पीएसके पर पुनर्निर्देशित किया गया है।

तेलंगाना राज्य हज समिति के सहयोग से, हज आवेदनों के प्रसंस्करण में तेजी लाने के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया है। इस पहल ने पिछले 10 दिनों में 400 से अधिक आवेदनों पर कार्रवाई की है। अतिरिक्त दस्तावेजीकरण की आवश्यकता वाले आवेदकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए हाल ही में पूछताछ नियुक्ति प्रणाली में सुधार किया गया है। प्रत्येक सोमवार, मंगलवार और शुक्रवार को 250 ऑनलाइन अपॉइंटमेंट उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, आवेदक प्रत्येक गुरुवार को सुबह 9रू30 बजे से दोपहर 12.30 बजे के बीच बिना अपॉइंटमेंट के आ सकते हैं। हैदराबाद के आरपीओ ने अकेले इस महीने लगभग 4,500 पूछताछ नियुक्तियों को संसाधित किया है। डाक और पुलिस विभागों के सहयोग से, वर्तमान औसत नियुक्ति चक्र को काफी कम करने के प्रयास चल रहे हैं, जो सामान्य अनुप्रयोगों के लिए लगभग 22 दिन और तत्काल सेवाओं के लिए 4-5 दिन है।आवेदकों को दृढ़तापूर्वक सलाह दी जाती है कि वे किसी भी सेवा के लिए दलालों, बिचैलियों और दलालों से बचें। विदेश मंत्रालय अवैध तरीकों को रोकने और सभी नागरिकों के लिए पारदर्शी और कुशल पासपोर्ट सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए कड़े उपाय लागू कर रहा है।

बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हैदराबाद आरपीओ कुछ पीओपीएसके में नियुक्तियों की संख्या बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। यह विस्तार अगले कुछ दिनों में पूरा होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में पासपोर्ट आवेदन प्रक्रिया और अधिक सुव्यवस्थित हो जाएगी।विदेश मंत्रालय ईमेल, आरटीआई, सीपीजीआरएएम और ट्विटर सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समाधान के प्रयास तेज कर रहा है। नागरिक किसी भी उल्लिखित चैनल के माध्यम से आरपीओ हैदराबाद तक पहुंच सकते हैं, और कार्यालय हर चिंता और प्रश्न को तुरंत और कुशलता से संबोधित करने के लिए समर्पित है।

जगन ने की केसीआर से मुलाकात

स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में ली जानकारी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एपी के सीएम जगन ने आज बीआरएस नेता और पूर्व सीएम केसीआर से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि केसीआर जिनकी हाल ही में कूल्हे की सर्जरी हुई है, सीएम जगन ने केसीआर के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

जगन ने बंजारा हिल्स रोड नंबर 14 में केसीआर के आवास पर मुलाकात की। केसीआर के साथ दोपहर का भोजन करने के बाद, वह लोटस पॉन्ड में अपने आवास पर गये। इस बीच, लगभग दो साल बाद जगन लोटस पॉन्ड गये। इस बीच, बीआरएस विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी और पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने ताडेपल्ली स्थित अपने आवास से बेगमपेट हवाई अड्डे पहुंचे जगन का स्वागत किया।

वहां से वह केसीआर के घर गये। जगन का स्वागत बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने किया। केटीआर खुद जगन को लेकर अंदर गये। सूत्रों का कहना है कि जगन ने केसीआर से औपचारिक मुलाकात की। गौरतलब है कि 8 दिसंबर को फार्महाउस के बाथरूम में फिसलने के बाद केसीआर के कूल्हे की हड्डी में गंभीर चोट लग गई थी। केसीआर के परिवार ने उन्हें तुरंत यशोदा अस्पताल पहुंचाया। इस मौके पर डॉक्टरों ने जांच की और बताया कि कूल्हे की हड्डी टूट गयी है और ऑपरेशन की जरूरत है। बाद में, यशोदा डॉक्टरों के मार्गदर्शन में केसीआर पर हड्डी प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। एक हफ्ते तक अस्पताल में इलाज के बाद केसीआर को 15 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिल गई और वह नंदीनगर स्थित अपने पुराने घर चले गए। केसीआर ने घर पर सभी जरूरी इंतजाम किये।

ट्रेडर्स ज्वाइंट एक्श्न कमेटी, सुल्तान बाजार के चेयरमैन गोविंद राठी एवं अध्यक्ष किशन यादव ने हैदराबाद मेट्रो रेल के एमडी एनवीएस रेड्डी से मुलाकात कर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा एमजीबीएस बस स्टेशन से फलकनुमा तथा एयरपोर्ट तक विस्तार के लिए लिये गये निर्णय के लिए बधाई दी।

हाईकोर्ट ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा पर एकल पीठ के फैसले को रद्द किया

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा पर सिंगल बेंच द्वारा दिए गए फैसले को रद्द कर दिया है. गुरुवार को हाईकोर्ट की खंडपीठ ने आदेश जारी कर सिविल कांस्टेबल परीक्षा में चार प्रश्नों के अंकों को मिलाने के एकलपीठ के आदेश को खारिज कर दिया। इसने पुलिस भर्ती बोर्ड (जैस्च्त्ठ) को उस्मानिया विश्वविद्यालय की मदद से एक विशेषज्ञ समिति बनाने और चार आपत्तिजनक प्रश्नों पर निर्णय लेने का निर्देश दिया। कुछ अभ्यर्थियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है कि चार प्रश्नों में तेलुगु में विकल्प नहीं देने से उन्हें नुकसान हुआ है.

रैतू भरोसा के लिए दोबारा आवेदन क्यों? डेटा सरकार के पास है : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी कहा कि अभयहस्तम के नाम पर लोगों में भ्रम की स्थिति है। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि उस फॉर्म को भरने का मतलब क्या है, जबकि सरकार के पास किसान आश्वासन के लिए जरूरी डेटा है। यह सब समय बर्बाद करने के लिए है। राजनीति के अलावा कोई ईमानदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इसे फार्म ब्लॉक में खरीदना होगा. उन्होंने कहा कि आवेदन की आवश्यकता के बिना दिए गए वादों को पूरा करने के अवसर हैं। पिछली सरकार ने गलत तरीके से राशन कार्ड दिया था.।उन्होंने याद दिलाया कि सरकार के पास डेटा है कि आंदोलन के दौरान किन लोगों पर केस दर्ज किया गया था और सरकार को इश बात की भी

जानकारी है कि 2500 रूपये किसे दिया जाना चाहिए? क्या यह बीपीएल परिवार को मिलेगा? क्या कोई डेटा है? संवाददाताओं से बातचीत करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि सरकार के पास किसान को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी डेटा है. उन्होंने सवाल किया कि उन्हें कीमत के लिए फिर से क्यों मुड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि रोजगार गारंटी योजना का कार्ड किसके पास है इसका डेटा सरकार के पास है. उन्होंने कहा कि यह लोगों को भ्रमित करने और संसदीय चुनाव के लिए परेशान करने के अलावा कुछ नहीं है।. किशन रेड्डी ने कहा कि रेवंत रेड्डी यह मानते हैं कि मोदी का लोकप्रियता घटी है जबकि इस बार भी भाजपा ही चुनाव जीतेगी। तेलंगाना में कांग्रेस नहीं जीती...बीआरएस हार गई। उन्होंने कहा कि कालेश्वरम मामले में सभी ने अपना दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच के साथ-साथ सीबीआई जांच की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता उछल-कूद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब सरकार को सीबीआई जांच का आदेश देने का मौका मिल गया है। उन्होंने कहा कि असली बात को किनारे रखकर वे मुझ पर व्यक्तिगत आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के कहने पर क्या करना है इसकी जिम्मेदारी सीबीआई और केंद्र सरकार की है। उन्होंने कहा कि न्यायिक जांच के नाम पर समय बर्बाद कर केसीआर को बचाने का कोई मतलब नहीं है।

मैं अपने पिता वाईएसआर के नक्शेकदम पर चलकर खुश हूं : वाईएस शर्मिला

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएस शर्मिला ने कहा कि मैं अपने पिता वाईएसआर के नक्शेकदम पर चलकर खुश हूं। शर्मिला दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुईं। साथ ही वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय हो गया। इस उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि वाईएसआरटीपी का कांग्रेस में विलय हो गया है. उन्होंने कहा कि वाईटीपी आज से कांग्रेस का हिस्सा है. वाईएसआर ने जीवन भर कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि मैं अपने पिता वाईएसआर के नक्शेकदम पर चल रही हूं।

वाईएस शर्मिला ने कहा कि कांग्रेस देश की सबसे बड़ी धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। मणिपुर में 2000 चर्चों को नष्ट करने की घटना ने मुझे बहुत प्रभावित किया है। इसका मुख्य कारण कांग्रेस पार्टी जैसी धर्मनिरपेक्ष पार्टी का सत्ता में न होना है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें जिम्मेदारी दी गई तो भी वह अपनी पूरी क्षमता से काम करेंगी। दूसरी ओर, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना मेरे पिता वाईएसआर का सपना था। वह इसे साकार करने की पूरी कोशिश करेंगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कारण कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी सत्ता में आई। उन्होंने कहा कि यात्रा ने उनके साथ-साथ लोगों में भी विश्वास जगाया है. वाईएस शर्मिला ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी उन्हें जो भी जिम्मेदारी देगी, वह अथक परिश्रम करेंगी।

किराये के बस मालिकों के साथ चर्चा सफल : सज्जनार

बस मालिकों ने हडताल वापस ली

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस आरटीसी एमडी सज्जनार ने कहा कि किराये की बस मालिकों के साथ चर्चा सफल रही है। उन्होंने आज बस भवन में किराये की बसों के मालिकों के साथ बैठक के बाद विवरण का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि आरटीसी किराये की बसों के मालिकों के साथ बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने हमारे ध्यान में कुछ मुद्दे लाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह एक सप्ताह के भीतर किराये की बसों के मालिकों की समस्याओं का समाधान करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए एक कमेटी बनायी जायेगी। यह स्पष्ट किया गया है कि कल से कोई हड़ताल नहीं होगी और किराये की बसें सामान्य रूप से चलेंगी। सज्जनार ने कहा कि संक्रांति के लिए मुफ्त बस सेवा होगी और संक्रांति के लिए विशेष बसें भी चलाई जाएंगी।

इससे पहले रेंटल बस मालिक संघ के नेताओं ने परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर से मुलाकात की. समस्याओं के समाधान के लिए मंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपा गया। किराए पर लिए गए बस मालिकों ने कुछ मुद्दों को टीएसआरटीसी प्रबंधन के ध्यान में लाया है। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना लागू होने के बाद उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आज कंपनी के शीर्ष अधिकारियों के साथ लंबी चर्चा हुई.। उन्होंने साफ किया कि अगर सरकार ने जवाब नहीं दिया तो वे कल से बसें चलाएंगे. उन्होंने कहा कि आरटीसी रेंटेड बस एसोसिएशन ने कल से हड़ताल का आह्वान किया था।. उन्होंने कहा कि आरटीसी राज्य भर में कुल 2%00 किराए की बसें चलाती है। मालिकों ने कहा कि अगर उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कल से 2%00 बसें सड़क पर नहीं उतरेंगी. पोन्नम के साथ बैठक के बाद, किराये की बसों के मालिकों ने आरटीसी क्रॉस रोड के बस भवन में आरटीसी एमडी सज्जनार से मुलाकात की। टीएस आरटीसी के एमडी सज्जा नर ने खुलासा किया कि किराये की बस मालिकों के साथ बातचीत सफल रही। यह स्पष्ट किया गया है कि किराये की बसें कल से सामान्य रूप से चलेंगी। सज्जनार ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को डरने की कोई बात नहीं है और बसें सामान्य रूप से चलेंगी।

मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर की वार्षिक जातरा 7 को

सिद्दीपेट, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट जिले के कोमुरावेल्ली में श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर की वार्षिक जातरा % जनवरी को पीठासीन देवता के दिव्य विवाह के साथ शुरू होगी।

मंदिर अधिकारी, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग वार्षिक उत्सव की तैयारी कर रहे हैं, जो राज्य और पड़ोसी राज्यों से भी हजारों भक्तों को आकर्षित करेगा।मल्लिकार्जुन स्वामी का दिव्य विवाह उनकी पत्नी मेडाला देवी और केथम्मा देवी के साथ किया जाएगा।

दिव्य विवाह की पूर्व संध्या पर, पुजारी दृष्टि कुंभ और एकादश रुद्राभिषेकम करेंगे। विवाह की रात अग्निगुंडालु का प्रदर्शन भी किया जाएगा जब भक्त अग्नि पर चलेंगे।

दो एमएलसी सीटों पर उपचुनाव के लिए कार्यक्रम जारी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत निर्वाचन आयोग ने हाल ही में राज्य विधानसभा के लिए चुने गए कडियम श्रीहरि और पी. कौशिक रेड्डी के इस्तीफे के बाद विधायक कोटे के तहत खाली हुई दो एमएलसी सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम गुरुवार को जारी किया। जबकि एमएलसी उपचुनाव की अधिसूचना 11 जनवरी को जारी होने वाली है, मतदान 29 जनवरी को होगा।

श्रीहरि और कौशिक रेड्डी दोनों ने विधायक के रूप में शपथ लेने से पहले पिछले 9 दिसंबर को अपने एमएलसी पदों से इस्तीफा दे दिया था।

एमएलसी के रूप में उनका कार्यकाल 30 नवंबर 202% को समाप्त होने वाला था। गुरुवार को जारी कार्यक्रम के अनुसार, ईसीआई उत्तर प्रदेश में एक एमएलसी सीट के साथ-साथ तेलंगाना में दो एमएलसी सीटों के लिए अलग-अलग उपचुनाव आयोजित करेगा। जबकि अधिसूचना 11 जनवरी को जारी की जाएगी, नामांकन की अंतिम तिथि 18 जनवरी है। नामांकन की जांच 19 जनवरी को की जाएगी और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 22 जनवरी है। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। 29 जनवरी को शाम 5 बजे वोटों की गिनती होगी और नतीजों की घोषणा होगी।हाल के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद, सदन में पार्टी-वार ताकत में नाटकीय रूप से बदलाव आया है। इस प्रकार, आगामी उपचुनाव सत्तारूढ़ कांग्रेस और उसके मुख्य विपक्षी बीआर दोनों के लिए कठिन होने की संभावना है

इथेनॉल फैक्ट्री की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला

प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज

निर्मल, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दिलावरपुर मंडल के गुंडमपल्ली गांव में यूनिट की साइट पर विरोध प्रदर्शन के समय एक निर्माणाधीन इथेनॉल फैक्ट्री की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे पुलिसकर्मियों की हत्या का प्रयास करने और अन्य आरोपों में 30 से अधिक स्थानीय लोगों पर मामला दर्ज किया गया। बुधवार को।

निर्मल ग्रामीण इंस्पेक्टर बी श्रीनिवास ने कहा दो मामले दर्ज किए गए हैं। दिलावरपुर के बोड्डू मुत्यम, विनोद, राकेश, शिवराम, जीवन, सुधाकर, माईचेल, तरुण रेड्डी, चल्ला साई, संतोष और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की आपराधिक धमकी), 109 (उकसाने) और 148 (दंगा) गुंडमपल्ली गांव, कारखाने के शिविर के श्रमिकों संदीप और उदय से प्राप्त शिकायत के आधार परमामला दर्ज किया गया। है।।

इसी तरह, एक अन्य श्रमिक चन्द्रशेखर की शिकायत के बाद उन्हीं आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 448 (घर-अतिचार), 506 (आपराधिक धमकी), 435 (आग या विस्फोटक पदार्थ द्वारा शरारत), 109 के तहत मामला दर्ज किया गया है।। । पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने एक करोड़ रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है। इस बीच, दिलावरपुर पुलिस स्टेशन के हेड कांस्टेबल जीवन राव और कांस्टेबल शंकर राव से प्राप्त एक शिकायत के आधार पर, प्रतिभागियों के दो मामले दर्ज किए गए।

गर्भवती गाय की हत्या पर मचा बवाल

करीमनगर, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के करीमनगर जिले के एक गाँव से एक गर्भवती गाय चोरी होने की सूचना मिली। अपराधी जानवर को गांव के बाहर ले गए जहां उन्होंने क्रूरतापूर्वक उसका वध कर दिया। जब स्थानीय ग्रामीणों को इस जघन्य कृत्य का पता चला, तो केवल गाय की खाल और अवशेष पाकर उनकी पीड़ा और बढ़ गई। यह दुखद घटना करीमनगर जिले के शंकरपट्टनम मंडल में स्थित मोलंगुर गांव में घटी। गाय गजुला कुमार नामक निवासी की थी. चोरी 31 दिसंबर, 2023 की आधी रात के आसपास हुई, जिसमें सद्दाम, शेख ताज और मनोज मोरे को दोषी ठहराया गया। नए साल की सुबह होते-होते, ग्रामीणों की नजर उनकी बस्ती के बाहर पड़ी गाय के कष्टदायक अवशेषों पर पड़ी, जिसमें उसकी खाल और कंकाल के हिस्से भी शामिल थे। इस खोज से समुदाय के सदस्यों में व्यापक गुस्सा और अशांति फैल गई।

शबरीमाला अयप्पा भक्तों के लिए खुशखबरी, बस शेड्यूल जारी

हैदराबाद, 4 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम ने अयप्पा भक्तों को खुशखबरी दी है। अयप्पा दर्शन के लिए जाने वाले भक्तों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की गई है. टीएसआरटीसी ने इस आशय का एक बयान जारी किया है। आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि यह सेवा 5 जनवरी से शुरू होगी. टीएसआरटीसी ने अयप्पा भक्तों के लिए बिना किसी चिंता के बसों की व्यवस्था की है और उन्हें उनका उपयोग करना चाहिए. समय और टिकट की कीमत आवंटित कर दी गई है। यह भक्तों को बिना किसी परेशानी के उपलब्ध होगा। अधिकारियों ने बताया कि टीएस आरटीसी ने यह फैसला तब लिया जब हाल ही में अयप्पा भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आरोपों को लेकर भी सफाई दी गई है। हैदराबाद से सबरामला तक प्रत्येक यात्री के लिए 13,600 रुपये चार्ज लगेगा. इस पैकेज के तहत नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना भी दिया जाएगा। टीएसआरटीसी ने घोषणा की कि लहरी बस 5 जनवरी यानी शुक्रवार को एमजीबीएस से रवाना होगी। टीएसआरटीसी के अनुसार पहले दिन बस दोपहर 3 बजे एमजीबीएस से रवाना होगी। दूसरे दिन शाम 7.30 बजे कनिपक्कम पहुंचें। वहां दर्शन करने के बाद वे उसी दिन रात 10.30 बजे वापस लौट आएंगे.तीसरे दिन सुबह 6.30 बजे गुरुवयूर पहुंचें। 12.30 बजे वापसी चैथे दिन सुबह 9.20 बजे पंबा पहुंचें। दोपहर 1.30 बजे वहां से प्रस्थान करेगी। चैथे दिन रात 11.20 बजे एरुमेली पहुंचें। वहां से सुबह 8.10 बजे रवाना होगी। 5वें दिन सुबह 5.20 बजे तिरुवनंतपुरम पहुंचें। यह रात 9.20 बजे दोबारा शुरू होगी। 5वें दिन शाम 5.30 बजे मदुरै पहुंचें। वापसी 11.20 बजे रवाना होगी। छठे दिन सुबह 7.30 बजे अरुणाचलम पहुंचें। वहां से दोपहर 3.30 बजे वापसी होगी। छठे दिन शाम 6.10 बजे कांची पहुंचेंगे। अगले दिन सुबह 2.10 बजे वहां से रवाना होगी.' 7वें दिन सुबह 11.10 बजे महानंदी पहुंचें। वहां से रात 11.30 बजे रवाना होगी. आरटीसी ने कहा कि वे वहां से सीधे एमजीबीएस पहुंचेंगे।

फिलीपींस में बैठ भारत में आतंक फैलाता था 'पीता'

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के आरोप पत्र में बड़ा खुलासा हुआ है। देश में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 'फिलीपींस' से गैंग संचालित होता था। कनाडा स्थित खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) के संचालक अर्श डाला के निर्देशों के अनुसार, मनप्रीत सिंह 'पीता' आतंकवादी-गैंगस्टर नेटवर्क चला रहा था। वह भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से हथियार जुटाता था, जबकि जबरन वसूली कॉल के माध्यम से धन एकत्रित करता था। आतंकी गतिविधियों एवं आपराधिक साजिशों को अंजाम देने के लिए 'पीता' ने कई गिरोह खड़े लिए थे। वह इन गिरोह में आतंकियों की भर्ती कर रहा था।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.